डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
शनिवार
29.10.2022
कार्तिक शुक्ल पक्ष 04
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
मुझे पता नहीं, पाप और पुण्य क्या है। बस इतना पता है जिस कार्य से किसी का दिल दुखे वो पाप और जिस कार्य से किसी के चेहरे पे मुस्कान आये वो पुण्य।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-15 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश, पंजीकरण प्रक्रिया का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रमेश बैस ने शुक्रवार को राजभवन में झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश, पंजीकरण प्रक्रिया का उद्घाटन किया। राज्यपाल द्वारा उक्त अवसर पर कार्यक्रम विवरणिका और अध्ययन सामग्री का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टीएन साहू, कुलसचिव डॉ. घनश्याम सिंह, झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय, नागेंद्र नाथ मिश्रा, वैज्ञानिक-एफ एंड वरीय तकनीकी निदेशक एवं झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक श्री प्रेम सागर केशरी एवं विकास मौर्य आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के द्वारा अधिक-से-अधिक लोग उच्च शिक्षा ग्रहण

कर सकते हैं। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले कामकाजी लोग भी इसमें नामांकन लेकर पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के माध्यम से राज्य में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात में भी वृद्धि होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टीएन साहू द्वारा अवगत कराया गया कि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय राज्यवासियों के मध्य उच्च शिक्षा को सुगम बनाने के लिए पूर्णतः प्रयासरत है। इस विश्वविद्यालय में नामांकन लेकर अधिक-से-अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं। चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

कुलसचिव डॉ. घनश्याम सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय आम आदमी के लिए सस्ती कीमत पर उपलब्ध नयी शैक्षणिक तकनीक के उपयोग सहित दूरस्थ और सतत शिक्षा के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और विविधता द्वारा प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक कार्यक्रमों में यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई, एनसीआई, बीसीआई, डीईबी और एमसीआई आदि जैसे सांविधिक निकायों द्वारा निर्धारित सभी मानदंडों और विनियमों का सख्ती से पालन किया जायेगा। विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से राज्य के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाना है, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कौशल आधारित व्यवसायिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों पर जोर देना और पहुंच सुनिश्चित करना है।

अधिवक्ता राजीव कुमार पर चार केस दर्ज सीआईडी ने सभी केस को किया टेकओवर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मनी लाउंड्रिंग केस में जेल में बंद झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार की मुसीबत बढ़ सकती है। अधिवक्ता राजीव कुमार के खिलाफ कुल चार मामलों में सीआईडी ने अनुसंधान शुरू कर दिया है। चारों ही मामले बरियातू, ठाकुरगांव में आदिवासी जमीन के कब्जे को लेकर दर्ज केस के आधार पर दर्ज किये थे। सीआईडी ने जिन कांडों का अनुसंधान टेकओवर किया है, उसमें ठाकुरगांव थाना में दर्ज कांड संख्या 36/22, 37/22 व 38/22 है, वहीं बरियातू स्थित जमीन के कब्जे को लेकर एसटी एससी थाना केस संख्या 56/22 में भी सीआईडी ने जांच टेकओवर किया है।

सीआईडी ने गठित की जांच टीम : राज्य पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद सीआईडी ने केस टेकओवर कर जांच टीम गठित की है। जांच टीम में दो केस सीआईडी रांची प्रक्षेत्रीय डीएसपी संजय कुमार को दिया गया है, जबकि दो केस का अनुसंधान डीएसपी जेपीएन चौधरी करेंगे। दोनों के अंतर्गत सहायक अनुसंधान पदाधिकारी भी होंगे, जो अनुसंधान में मदद करेंगे।

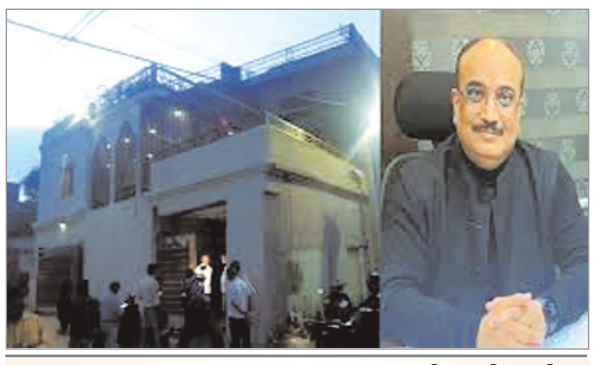

ठाकुरगांव में सात एकड़ से अधिक जमीन की खरीद

ठाकुरगांव में अलग-अलग खाता के सात एकड़ से अधिक जमीन की खरीद अधिवक्ता राजीव कुमार ने की थी। इस मामले में भुनवेश्वर साहू के बयान पर एसटी, एससी एक्ट से जुड़े धाराओं के अतिरिक्त 420, 467, 468, 471, 24 व 120 बी आईपीसी की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि राजीव कुमार ने आदिवासियों को प्रताड़ित पर जमीन पर कब्जा लिया। इसके लिए फर्जी कागजातों का सहारा लेने का आरोप भी लगाया गया है। वहीं, बरियातू स्थित जमीन पर भी जबरन कब्जे का आरोप लगाकर एसटी, एससी थाना में केस दर्ज किया गया है।

कोलकाता पुलिस की गिरफ्तार के बाद ईडी के केस में बंद हैं राजीव : 31 जुलाई को अधिवक्ता राजीव कुमार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

नहाय खाय से शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार से देशभर में छठ मैया की पूजा और सूर्य उपासना का महापर्व शुरू हो गया। इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा भी की जाती है। छठ पूजा का पर्व आरोग्य, समृद्धि और संतान के लिए रखा जाता है। यह 36 घंटे का निर्जला व्रत होता है। मान्यता है कि इस व्रत से अमोघ फल की प्राप्ति होती है।

पहले दिन नहाय-खाय से शुरुआत : नहाय-खाय से छठ पूजा की शुरुआत होती है। इस दिन व्रती नदी में स्नान करते हैं। इसके बाद सिर्फ एक समय का ही खाना खाया जाता है। इस बार नहाय-खाय का अनुष्ठान 28 अक्टूबर को हुआ।

दूसरा दिन-खरना : छठ मैया की पूजा का दूसरा दिन 'खरना' कहलाता है जो आज आयोजित हो रहा है। इस दिन विशेष भोग तैयार किया जाता है। इसके लिये शाम को मीठा भात (चावल) या लौकी की खिचड़ी खाई जाती है। वहीं, इस महाव्रत का तीसरा दिन दूसरे दिन के प्रसाद के ठीक बाद शुरू हो जाता है।

तीसरा दिन- अर्घ्य : छठ पूजा की एक-एक विधि और नियम कायदे का अपना अलग धार्मिक और पौराणिक महत्व है। इस महापूजा के तीसरे दिन की भी अपनी अलग महिमा है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

चौथा दिन- उगते सूर्य को अर्घ्य

चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। ये अर्घ्य लगभग 36 घंटे के व्रत के बाद दिया जाता है। 31 अक्टूबर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। इस दिन सूर्योदय 6 बजकर 27 मिनट पर होगा। इस उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद इस विराट महापर्व और छठ मैया के व्रत का समापन होगा।

बैंक और ग्रामीणों के बीच सेतु का कार्य कर रहा एफएलसीसी

राज्य में पहली बार झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक व जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल की महिलाओं को एफएलसीसी के तौर पर काम करने का मिला है मौका

- कैम्प लगाकर बचत खाता, बीमा एवं अन्य बैंक संबंधित योजनाओं की दी जा रही जानकारी
- इस पहल के जरिये ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग के क्षेत्र में आजीविका का अवसर कराया जा रहा है उपलब्ध

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ग्रामीण झारखंड की तस्वीर अब बदलती नजर आ रही है। अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में सखी मंडल की माहिलाएं अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीणों को बैंकिंग से जुड़ी तकनीक की जानकारी देने एवं जागरूक करने के लिए झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और जेएसएलपीएस की संयुक्त पहल से सखी मंडल की चयनित महिलाओं को एफएलसीसी (वित्तीय साक्षरता केंद्र काउंसलर) के रूप में

तैयार किया गया है। एफएलसीसी आमतौर पर सेवानिवृत्त बैंकिंग अधिकारी होते हैं। झारखंड में पहली बार झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल के सदस्यों को एफएलसीसी के रूप में काम करने का मौका मिल रहा है। बैंकिंग सेवा को ग्रामीणों तक पंहुचाने की यह एक अभिनव पहल है।

पूरी प्रक्रिया के तहत किया जाता है एफएलसीसी का चयन : समूह के सदस्य, जो बैंक सखी का काम कर चुकी हैं (बैंक सखी एक प्रशिक्षित एसएचजी सदस्य हैं, जो ग्रामीण महिलाओं को बैंक लिंकेज फॉर्म भरने, एसएचजी बचत खाता खोलने, व्यक्तिगत बचत खाता, बैंकों में लेनदेन करने और बैंकों से संबंधित किसी भी अन्य सेवा जैसे बैंकिंग लेनदेन करने में सहायता करती है।) जिनके पास स्नातक की डिग्री है और जिन्हें स्थानीय भाषा में पढ़ना, लिखना, बोलना और समझना आता हो। इन महिलाओं का चयन एफएलसीसी के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर होता है।

अनिता कुमारी, एफएलसीसी, जेआरजीबी, रामगढ़ : ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

बिरानी के जीवन में समूह के साथ से आया बदलाव

बिरानी टूटी, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के खूंटी शाखा में वित्तीय साक्षरता केंद्र काउंसलर (एफएलसीसी) हैं। खूंटी के मुरहू प्रखंड की सुरंडा गांव की बिरानी, एफएलसीसी के तौर पर वित्तीय साक्षरता शिविर द्वारा बैंक खाता खोलने, बीमा योजनाएँ और व्यवसाय करने के लिए संयुक्त या व्यक्तिगत ऋण जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं। बिरानी ग्रामीणों को बैंकों द्वारा उपलब्ध विभिन्न ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

एक फेक न्यूज पूरे देश में बवाल खड़ा कर सकती है, फेक न्यूज का फैक्ट चेक जरूरी : पीएम मोदी

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा के सूरजकुंड में दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सत्र को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि एक फेक न्यूज पूरे देश में बवाल खड़ा कर सकती है, इसलिए फेक न्यूज का फैक्ट चेक करना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में टेक्नोलॉजी तेजी से बढ़ रही है। वहीं, जितनी तेजी से भारत आगे बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से चुनौतियां भी बढ़ रही है। ऐसे में सोशल मीडिया की शक्ति

को हमें उसके काम मात्र से नहीं आंकना चाहिए। एक छोटी सी फेक न्यूज देश में बवाल खड़ा कर सकती है। उन्होंने बताया कि आरक्षण को लेकर भी फेक न्यूज फैलने पर ऐसा ही हुआ था। ऐसे में लोगों को जागरूक करते रहना होगा, ताकि भरोसा करने और कुछ भी फॉरवर्ड करने से पहले लोग फैक्ट चेक करें। फेक न्यूज को रोकने के लिए इसके और सोसाइटी के बीच में बड़ी शक्ति खड़ी करनी होगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि कानून-व्यवस्था अब एक राज्य में सिमटी व्यवस्था नहीं रह गयी है। अब अपराध इंटर स्टेट और इंटरनेशनल हो रहे हैं। अपराधी इंटरनेट के जरिये दूसरे ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम ने दी शुभकामना

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होनेवाले सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा की सभी छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को अनेक-अनेक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठी मईया सभी को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रखें, यही कामना करता हूं।

बाबूलाल का वार : रिम्स डायरेक्टर बंगला भी वीवीआईपी के लिए तैयार रखिये

अमित अग्रवाल को रिम्स भेजे जाने व पंकज मिश्रा के कॉटेज से हाईप्रोफाइल लोगों से संपर्क पर प्रतिक्रिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ईडी के आरोपियों को रिम्स भेजे जाने व वहां कॉटेज में रहकर पंकज मिश्रा के द्वारा लगातार मोबाइल के इस्तेमाल पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि पंकज मिश्रा, पूजा सिंघल और अब अमित अग्रवाल रिम्स आ गये हैं। बाबूलाल मरांडी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बारी-बारी से जेल यातना से रिम्स अस्पताल स्वास्थ्य के लिये आ गये। ऐसे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, अपने टीम के ईडी के कैदी प्रेम प्रकाश, बच्चू यादव को भी जेल से लाकर रिम्स कॉटेज मुहैया कराईये। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि रिम्स डायरेक्टर बंगला भी वीआईपी कैदी के लिए तैयार रखिये। वहीं, रिम्स प्रबंधन को उन्होंने सलाह दी कि ईडी द्वारा पकड़े गये हाई प्रोफाइल कैदियों को उपलब्ध कराये गये कॉटेज/वार्ड के सामने सीसीटीवी व्यवस्था मजबूत करे। यह उन कैदी मरीजों के ईलाज/सुरक्षा के हित में होगा, रिम्स प्रबंधन और झारखंड सरकार की सेहत के लिए भी अच्छा होगा।

नये लोग भी आयेंगे उनके लिये रिम्स मे ब्रांच खुलवा दे : बाबूलाल ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

काशी में देव दीपावली देखने आयेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

- 2020 में देव दीपावली पर गंगा के घाटों पर 25 लाख जलाये गये थे दीप
- इस बार 10 लाख जलाये जायेंगे दीप

- आरएनएम

वाराणसी। काशी में उत्तरवाहिनी अर्ध चंद्राकार घाटों वाली गंगा तट पर मनायी जानेवाली देव दीपावली के अवसर पर अब बहुत भीड़ होने लगी है। इसे देखने अब बाहर से भी लोग आने लगे हैं। इस अवसर पर सात नवम्बर को यहां देव दीपावली देखने के लिए जो लोग आ रहे हैं, उनमें देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी हैं। वह सात नवम्बर की शाम क्रूज पर सवार होकर 10 लाख दीपों से जगमग गंगा के लगभग सात किलोमीटर अर्ध चंद्राकार घाटों को देखेंगी। जिला के अफसरों के अनुसार राष्ट्रपति काशी में देव दीपावली के खास अवसर पर उत्तरवाहिनी गंगा का अद्भुत नजारा देखने आ रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वाराणसी में अस्सी घाट के बगल में स्थित संत रविदास घाट से क्रूज पर सवार होकर गंगा में नौकायन करेंगी। रविदास घाट से सवार होने के बाद वह अस्सीघाट, हरिश्चंद्र घाट, दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती देखते हुए मणिकर्णिका और राजघाट तक जायेंगी। दीपों से जगमग गंगा घाटों की छटा देखने के लिए उनके साथ उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व कुछ केंद्रीय मंत्री भी होंगे। अन्य कई गणमान्य जनों के भी आने की संभावना है।

पलामू में दो सौ सालों का ऐसा मंदिर जहां मुस्लिम समुदाय भी किया करते थे छठ

अमर नाथ सोनी

मेदिनीनगर। पलामू मुख्यालय से 7 किमी की दुरी पर चैनपुर प्रखंड के बंदुआ स्थित मंगला गौरी मंदिर आस्था का सबसे बड़ा केंद्र पिछले 200 सालो से बना हुआ है। वैसे तो सालो भर यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है । लेकिन छठ पर्व को लेकर यहां आस्था का बेहतरीन संगम दिखता है। मंदिर के आस पास के गांव के लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में ही सूर्य उपासना का काम करते है। साल में चैती और कार्तिक में होने वाले छठ में मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस बार भी मंदिर को बेहतर ढंग से सजाया गया है। मंदिर की आस्था दूर दूर तक फैली हुई है। मंदिर में यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश से लोग छठ पूजा करने आते है। ऐसी मान्यता है की इस मंदिर में आने वाले सभी की मनोकामना माता मंगला गौरी की कृपा से पूरी होती है।

क्या है मंदिर का इतिहास: मंदिर के

कर्ता-धर्ता अजय मिश्रा ने बताया कि ये मंदिर 200 सालो से भी अधिक समय का है। ये मंदिर तंत्र विद्या का केंद्र हुआ करता था। रामदत्त मिश्रा के द्वारा तंत्र विद्या के द्वारा लोगो का इलाज किया जाता था। बाद में बासुदेव मिश्रा के द्वारा जो गांवों के जमींदार थे । उन्होंने मंदिर बनाने के लिए जमीन दी। पहले मंदिर मिट्टी के बने घर में थी । लेकिन लोगों के बीच मंदिर के प्रति आस्था बढ़ती गयी और धीरे धीरे मंदिर की ख्याति फैलती गयी। 1980 में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया । मंदिर के चारों तरफ चाहर दिवारी और मंदिर परिसर में छठ के लिए तालाब का निर्माण झारखण्ड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी के द्वारा 2007 में किया गया।

क्या -क्या है मंदिर परिसर में : यह जिले का एकलौता मंदिर है। जहां मंदिर परिसर में ही तालाब है। जहां छठ के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती है। तालाब को हमेशा साफ रखा जाता है। इसके अलावा मंदिर परिसर में हवन कुण्ड भी बनाया गया है। परिसर के अंदर तरह तरह के फूलो के गमले को लगाया गया है। पानी के लिए चापानल की भी व्यवस्था है। मंदिर में रौशनी के लिए 2012 में मुरारी पांडेय के द्वारा जनेटर का दान दिया गया है। जिससे मंदिर में रौशनी का उचित इंतजाम हमेशा रहता है।

मुस्लिम समुदाय भी करते थे छठ पूजा : इस मंदिर के प्रांगण में कभी मुस्लिम समुदाय के लोगो के द्वारा भी छठ किया जाता था । जैसे जैसे मंदिर की ख्याति फैलती गयी वैसे ही दूसरे धर्मो के लोगो का भी रुझान मंदिर के प्रति बढ़ती गयी। मंदिर में हर जाति के लोगो का आगमन होता है। मंदिर के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मंदिर में नि:शुल्क किया जाता है लोगों का उपचार

मंदिर के एक मात्र कर्ता धर्ता अजय मिश्रा संस्कृत कॉलेज के रिटायर्ड शिक्षक है। मंदिर में पूजा पाठ के बाद लोगों के रोगों का उपचार का काम नि:शुल्क करते है। दूर दूर से लोग अपने समस्या को लेकर आते है और अजय मिश्रा के द्वारा समुचित उपचार किया जाता है। उपचार कराने महुंगावा से आई शांति देवी ने बताया कि मेरी बेटी को हमेशा बुखार लग जाता था। बहुत इलाज कराया लेकिन कुछ नहीं हुआ। लेकिन 3 महीने से मंदिर आकर अजय मिश्रा से अपने बच्ची का इलाज करा रही हुं। अब मेरी बच्ची ठीक हो गयी है। मंदिर में सुबह 11 बजे तक और शाम को 4 से 8 बजे तक अजय मिश्रा के द्वारा लोगो का नि:शुल्क उपचार किया जाता है। गांव के लोगों ने अजय मिश्रा को साई के रूप में देखते है जो नि:स्वार्थ भाव से दिन-रात लोगों की सेवा में लगे रहते है।

न्यूज गैलरी

मुखिया ने कराई छठ घाट की सफाई

उंटारी रोड। सूर्य उपासना का महापर्व शुद्धता व पवित्रता के साथ शुरू हो गयी॥ जिसे लेकर प्रखंड क्षेत्र के जोगा छठ घाट की साफ- सफाई मशीन व मजदूर लगाकर कराई गयी। इस दौरान मुखिया कमला ने कहा कि छठ महापर्व को बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए छठ घाटों की सफाई आवश्यक है। साथ हीं छठ व्रतियों को कोई समस्या न हो इसे लेकर समाजसेवी कृष्णा पाल ,दशरथ साव ,शंकर राम ,राकेश गुप्ता ,योगेंद्र मेहता ,मीकू सिंह ,हिमांशु पाठक ,सुरेन्द्र राम ,हरेंद्र साव ,संजय साव ,सहित दर्जनों लोग छठ घाट पर मौजूद थे।

पंसस ने छठ घाट का जेसीबी मशीन से कराई साफ-सफाई

हरिहरगंज। लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा को लेकर शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के कटैया वनस्पति बटाने नदी छठ घाट में अभियान चलाकर साफ-सफाई किया गया। मौके पर कटैया पंचायत के पंसस शैलेश कुमार सिंह उर्फ शीलू सिंह के नेतृत्व में गांव के युवाओं व प्रबुद्ध लोगों ने मिलकर छठ घाट व छठ घाट जाने वाले रास्ते की सफाई की । साथ ही ट्रैक्टर तथा जेसीबी मशीन की मदद से बालू व मिट्टी देकर समतल बनाया गया। छठ घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए रास्ते को भी सुगम बनाया जा रहा है। ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। अभियान को सफल बनाने में पंसस शीलू सिंह तथा युवा समाजसेवी सतीश सिंह उर्फ लालबाबू सिंह का विशेष योगदान रहा। छठ घाट की सफाई करने वालों में निरंजन पटेल, रिशु कुमार, रंजन यादव, सुशील कुमार, हरेंद्र सिंह, चंदन कुमार, रविंद्र कुमार सिंह, गुड्डू यादव, राजेश कुमार आदि का नाम शामिल है।

श्रमदान कर उप मुखिया ने छठ घाट को कराया दुरुस्त

हरिहरगंज। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा की तैयारी को लेकर विभिन्न घाटों, तालाबों अन्य घाटों की साफ-सफाई जोर-शोर से की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को सरसोत पंचायत के उप मुखिया बिक्कू सिंह ने अपने निजी कोष से दो जेसीबी मशीन लगाकर तथा श्रमदान करते हुए बलरा परसाचूवां छठ घाट व रास्ते को दुरुस्त करवाया। इसमें आधा दर्जन भर युवकों के द्वारा घाट पर जाने वाली मुख्य रास्ते की साफ-सफाई भी करवाई गयी। उप मुखिया बिक्कू सिंह ने बताया कि छठ पूजा में घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की परेशानी को देखते हुए रास्ते को ठीक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा श्रद्धालुओं तथा छठ व्रतियों के लिए उत्तम व्यवस्था करना हमारा सौभाग्य है। छठ घाट की सफाई में जेपी सिंह ,अमित सिंह, गोलू सिंह, रंजन सिंह, पिंटू सिंह सहित कई युवक शामिल थे।

नहाय खाय के साथ छठ पूजा को लेकर सूप दउरा की बिक्री शुरू

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में शुक्रवार से चार दिनी छठ पूजा को लेकर लोगों ने सामानों की खरीदारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को हुसैनाबाद सिटी में लोगों ने बांस से बने सूप, डालों की जमकर खरीदारी की। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सिटी में सूप-दउरा के दामों में काफी बढ़ोतरी देखी गई। दउरा-150 रुपया से 200 रुपया तक, सूप-80 रुपया से लेकर 100 रुपया तक बेची जा रही है। हुसैनाबाद अंबेडकर चौक के समीप शाम तक सूप, दउरा खरीदने वालों की काफी भीड़ लगी रही। छठ पूजा को लेकर सिटी में सूप, दउरा बेचने वालों की कई दुकानें लगी हुई थी। दूर-दराज के गांवों से भी लोग यहां सूप दउरा खरीदने के लिए आए हुए थे। छठ पूजा में बांस से बने सूप दउरा का विशेष महत्त्व है। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने में सूप दउरा का उपयोग छठव्रतियों के द्वारा किया जाता है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला-पुरुष घायल, गंभीर रेफर

हरिहरगंज। शहरी क्षेत्र के अररुआ खुर्द स्थित शनि मंदिर के समीप एनएच 98 पर शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला-पुरुष घायल हो गये हैं। घायलों में बाइक चला रहे विश्रामपुर नौडीहा निवासी लंकेश कुमार सिंह 29 वर्ष तथा उसकी बहन की सास आशा देवी 55 वर्ष शामिल है। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया है। घायल महिला की हालत काफी गंभीर बताई जाती है।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ से बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेल खंड के गढ़वा रोड डेहरी ऑनसोन के जपला रेलवे स्टेशन पर छठ महापर्व को लेकर यात्रियों की काफी भीड़ रही। वहीं प्लेट फार्म नंबर एक पर मालगाड़ी के खड़ी रहने के कारण उक्त रेल खंड की लाइफ लाइन शटल सवारी स्पेशल ट्रेन में चढ़ने के लिए ओवर ब्रिज रेल सीढ़ी से दो नंबर प्लेट फार्म पर जाना पड़ा। इस खंड में चलने वाली पैसेंजर में यात्रियों की भीड़ दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। ट्रेन में चढ़ने व उतरने के दौरान यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना

करना पड़ा। शटल सवारी स्पेशल ट्रेन में सुबह डेहरी ऑनसोन से बरवाडीह जाने वाली 03364 ट्रेन के जपला स्टेशन पहुंचने के पांच मिनट पहले यह सूचना दी गई कि यह ट्रेन दो नंबर प्लेट फार्म पर आयेगी। यहां अधिक भीड़ होने से स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई कि यह ट्रेन दो नंबर प्लेट फार्म पर आयेगी। जबकि प्रतिदिन यह ट्रेन एक नंबर प्लेट फार्म पर आती है। ऑन ड्यूटी मौजूद जपला आरपीएफ पोस्ट के सुरक्षा बल विपिन कुमार यादव के द्वारा यात्रियों को फ्लाई ओवर सीढ़ी से कतारबद्ध तरीके से पार करा रहे थे। तत्पश्चात यात्रियों ने राहत की सांस ली। उधर यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों में अधिक भीड़ होने से चोर-उचक्के भी इसका फायदा उठा रहे हैं।

नपं के हड़ताली सफाई कर्मियों को समाजसेवी ने दिया वस्त्र व नगद राशि

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। पिछले कई दिनों से अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन कर रहे नगर पंचायत के सफाई कर्मियों को युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने शुक्रवार को छठ पर्व को देखते हुए कपड़े व नगद राशि देकर उत्साह बढ़ाया। समाजसेवी श्री रंजन ने करीब दो दर्जन महिला-पुरुष सफाई कर्मियों को पैंट-शर्ट के कपड़े तथा साड़ी आदि का वितरण किया। साथ ही नगद राशि प्रदान की। श्री रंजन ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व की शुरूआत हो गयी है। ऐसे में पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे सफाई कर्मियों को राहत देने की कोशिश की गयी है। ताकि वह अपने घर पर छठ पर्व मना सके। उन्होंने बताया कि पुरुष सफाई कर्मियों को पैंट शर्ट व महिला सफाई कर्मियों को साड़ी प्रदान की गयी है और छठ पूजा मनाने के लिए आर्थिक सहयोग किया गया है। इधर महिला सफाई कर्मी आशा कुंवर, मानमती देवी, शीला देवी, देवंती देवी, अनरवा देवी, बेबी देवी, सरिता देवी के अलावे पुरुष सफाई कर्मी प्रमोद कुमार, महेंद्र कुमार, राहुल कुमार, रविंद्र राम आदि ने कहा कि पिछले 7 महीने से मानदेय नहीं मिला है और समाजसेवी राजीव रंजन के द्वारा उन्हें सहयोग करने से उन्हें राहत मिली है। छठ पर्व में इससे सहयोग होगा। इस मौके पर समाजसेवी जेपी गुप्ता, कृष्ण कुमार क्रांतिकारी, मनोज मेहता, मृत्युंजय सिंह, दिनेश स्वर्णकार, अरविंद कुमार, गोपाल प्रसाद, पवन कुमार, शंभू यादव, दिनेश पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

समाजसेवी के नेतृत्व में हुई साफ-सफाई

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। युवा समाजसेवी राजीव रंजन के नेतृत्व में छठ पर्व को लेकर शहर की सफाई कराई गयी। आस्था का महान पर्व छठ के अवसर पर भी हरिहरगंज नगर पंचायत द्वारा सफाई के प्रति घोर लापरवाही बरती गयी है। पूरा शहर गंदगी व कूड़ा से भरा पड़ा है। इसे देखते हुए समाजसेवी राजीव रंजन अपने समर्थकों के साथ झाड़ू से शहर के गलियों एवं रोड की सफाई करायी। साथ ही कूड़ा का उठाव करा कर निस्तारण कराया। वही लोगों ने नगर पंचायत के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध जताया। इससे पहले समाजसेवी राजीव रंजन के द्वारा कई छठ घाटों व पहुंच पथों को जेसीबी मशीन लगाकर सफाई करायी है। मौके पर राजीव रंजन ने कहा कि लोगों की सेवा ही हमारा धर्म है और हम इसका पालन करते रहेंगे। वही विकास मेडिकल के संचालक विकास गुप्ता ने सफाई कर रहे लोगों के बीच मास्क वितरण किया। मौके पर विश्व दीप कुमार, अवधेश मेहता, विनोद पासवान, दिनेश स्वर्णकार, शंभू यादव, दिनेश पासवान, मृत्युंजय सिंह, मनोज मेहता, जेपी गुप्ता, विकास गुप्ता, दिनेश कुमार, संजीव सिंह, अजय मेहता सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

राशन नहीं मिलने से लोग परेशान

गरीबों का निवाला हड़पने नहीं देगें : कर्नल संजय

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला खाद्य निगम के हुसैनाबाद स्थित गोदाम से अगस्त माह 2022 का राशन नहीं मिलने से आम लोगों को त्योहारों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में क्षेत्र के कई डीलरों व लाभुक कार्ड धारियों ने शिकायत भी दर्ज कराई थी। लेकिन विभागीय अधिकारियों के द्वारा अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया है। प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह किसान ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल संजय कुमार सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद प्रखंड के विभिन्न गांव

के लोगों ने अधिकांशतः सरकारी विद्यालय में चावल नहीं मिलने से मध्याह्न भोजन भी बच्चों को नहीं दिया जा रहा है। अपने स्तर से तहकीकात करने से मालूम हुआ है कि एफसीआई बेगमपुरा हुसैनाबाद के द्वारा करीब दस हजार क्विंटल चावल सिर्फ कागजों में देकर रफा-दफा कर दिया गया है। और गरीबों का निवाला हड़पने का प्रयास हो रहा है। जो कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 5 नवंबर 2022 तक गरीबों का बकाया राशन का आवंटन नहीं किया गया तो किसान ब्रिगेड इसके खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से धरना प्रदर्शन कर विरोध प्रकट करेगी। मौके पर किसान ब्रिगेड के अजय कुमार सिंह, सत्यनारायण यादव, सुदेश प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीती रात शहर के बाईपास रोड स्थित टायर दुकान में लाखो की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के बाइपास रोड सुरभि नगर में बीती रात तीन चोरों ने एनएच 39 पर 12 चक्का ट्रक लगाकर पूरी दुकान खाली कर दी। दुकान में रखे सारे टायर गायब कर निकल गए और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। घनी आबादी वाले इलाके में हुई इस घटना के बाद पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठने लगे हैं। पर्व त्योहार के मौके पर हुई ऐसी घटना पुलिस की कार्यशैली की घोर लापरवाही बता रही है। जानकारी के अनुसार सुरभि नगर में आशीष कुमार अग्रवाल की टायर दुकान है। आशीष कुमार अग्रवाल के अनुसार रात करीब 12.40 से लेकर 2.40 तक उनकी दुकान में चोरों ने उत्पात मचाया। आशीष कनीराम चौक स्कूल के समीप रहते हैं। सुबह जब दुकान खोलने आशीष पहुंचे तो उन्हें चोरी होने की जानकारी हुई। शटर का गेट टूटा मिला। वहीं दुकान में रखे 22 पीस टायर गायब थे। आशीष ने इस संबंध में 5 लाख की संपत्ति चोरों द्वारा गायब कर लेने की शिकायत शहर थाना में दर्ज कराई है। आशीष ने बताया कि सीसीटीवी देखने से पता चला है कि गुरुवार की रात करीब 12. 40 बजे एक 12 चक्का ट्रक उनकी दुकान के आगे आकर लगा। करीब 1 घंटे तक दुकान के सामने लगा रहा। 1.40 पर चोर सक्रिय हुए। दो चोर दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसे, जबकि एक चोर गाड़ी में ही रहा। दो घंटे के भीतर पूरी दुकान खाली कर दी। चोरों की करतूत सीसीटीवी में कैद हुई है।

पूर्व विधायक ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया उद्घाटन

हुसैनाबाद। प्रखंड के दंगवार पंचायत के बरवाडीह में बाबा वीरनाथ बाबा के पूजनोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, मुखिया अमरेंद्र ठाकुर आदि ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी सौहार्द, भाईचारा व मिल्लत का वातावरण कायम होता है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से साधन ही नहीं, बल्कि इससे मानसिक व बौद्धिक विकास होता है। अपने संबोधन में मुखिया अमरेंद्र ठाकुर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से क्षेत्र में भाईचारा का भाव बढ़ता है। साथ में लोगों के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बेलबिघा मुखिया प्रतिनिधि राम लखन यादव, कमिटी के अध्यक्ष राहुल यादव, हसन खलीफा, सहेंद्र यादव, सूर्यनाथ सिंह, विजय गुरुजी, सुमंत रजक, अवधेश गुप्ता समेत काफी संख्या में श्रोता मौजूद थे।

ड्रग एसोसिएशन ने दवा व्यवसायी की मौत पर शोक सभा की

हुसैनाबाद। स्थानीय शहर के अंबेडकर चौक स्थित शहरी स्वास्थ्य परिसर में कैमिस्ट एंड ड्रग्स एसोसिएशन के लोगों ने शोक सभा कर युवा दवा व्यवसायी आशिष अग्रवाल उर्फ अंशु अग्रवाल के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व.अंशु अग्रवाल की असामयिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। ड्रग्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन दवा व्यवसायियों के लिए अपूर्णीय क्षति है। शोक सभा में मुख्य रूप से अजय कुमार, हेशाम अहमद, विनय सिंह, सुरेन्द्र पाल, राजेन्द्र पाल, रामेश्वर राम, मुबारक अंसारी, राजेश सिंह, मुन्ना पाल, डब्लू कुमार, शंकर मेहता, उदय पाल,अशोक पाल सहित कई लोगों ने शोक जताया है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने छठ पूजा सामग्री का किया वितरण

नावा बाजार। भाजपा मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव के द्वारा शुक्रवार को ताली शिव मंदिर छठ घाट के प्रांगण में छठ पूजन सामग्री का वितरण किया गया। साथ हीं छठ घाट की सफाई भी की गई। जिसमें जेसीबी का प्रयोग किया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव ने कहा कि यह एक महान आस्था का पर्व है। जिसे हिंदू हीं नहीं अन्य धर्म के लोग भी आस्था के साथ मनाते हैं। साथ हीं लोगों की मनोकामना पूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि छठ घाट की सफाई का कार्यक्रम एक अभियान चलाकर पिछले एक सप्ताह से सफाई कराई जा रही है। इतना हीं नहीं छठ पूजा करने वाले व्रतियों के बीच पूजन सामग्री व प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। छठ घाट पर व्रतियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े ,इसे लक्ष्य बनाकर सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ शुरू

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। दीपावली के 6 दिन बाद से छठ पूजा का महापर्व शुरू हो जाता है। पांकी सहित अन्य क्षेत्रों में भी शुक्रवार को नहाय खाय के साथ इसकी शुरूआत हो गई। महिला छठ व्रतियों ने पवित्र नदियों ,जलाशयों में स्नान कर भगवान सूर्य की विधिवत पूजा अर्चना कर गंगाजल लेकर अपने घर पहुंचे और अरवा चावल ,चना का दाल और कद्दू की बनी सब्जी से इसकी शुरूआत की। गौरतलब है कि 4 दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरूआत गंगा स्नान से होती है । दूसरे दिन छठ व्रती महिलाएं खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करती हैं। तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उगते सूर्य की पूजा अर्चना के साथ चार दिवसीय महापर्व समाप्त हो जाता है। नहाय खाय के साथ व्रती नियमों के साथ सात्विक जीवन जीते हैं, और हर तरह की नकारात्मक भावनायें जैसे मोह, क्रोध आदि से खुद को दूर रखते हैं। छठ पूजा आस्था व संयम का त्योहार माना जाता है। आज यानी शुक्रवार को छठ व्रतियों ने नहाय खाय के साथ इसकी शुरूआत की।

लकड़बग्घे की डर से रात में नहीं सो रहे ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार। प्रखंड के सरौना गांव में पिछले दो महीनों से लगातार लकड़बग्घा देखा जा रहा है। इससे लोगों में दहशत बना है व अप्रिय घटना को लेकर आशंकित भी हैं। पशुधन की हिफाजत को लेकर ग्रामीण रात भर जगे रह रहे हैं। जबकि इसकी शिकायत वन विभाग के अधिकारियों से भी की जाती रहीं है। लेकिन वन विभाग इस सूचना के बाद भी किसी तरह का कदम नहीं उठा रही है।

छठ गीत की धुन से क्षेत्र गुजांयमान पर्व को लेकर लोगों में उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर में लोक आस्था का महापर्व छठ का आगाज क्षेत्र में दिन रात विभिन्न गीतों की धुन से शुरू हुआ है। शुक्रवार को सुबह से नदियों, तालाबों व घरों में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर नहाय खाय के अनुष्ठान के साथ व्रत इस महापर्व को प्रारंभ किया है। चार दिवसीय इस व्रत के पहले दिन शुक्रवार को नहाय खाय का आयोजन विभिन्न घरों में किया गया। शनिवार को खरना व रविवार को संध्या बेला में पहला अर्घ्यदान भगवान भास्कर को होगा। शुक्रवार को नहाये खाये व्रत को लेकर लाउडस्पीकर पर केरवा के पतवा पर न्योता भेजत बानी, सूरज देव करी स्वीकार..., जैसे कई गीतों के बीच भगवान भास्कर का आह्वान भी किया गया। क्षेत्र के सभी घाट सज कर व्रतियों के लिए तैयार है। लाउडस्पीकर के अलावे पूरे मार्ग में भी व्यवस्था की गई है। घाट के सजावट कार्य अंतिम चरण में है। वहीं फल, प्रसाद, सूप, दउरा की दुकान सज गई है। कहा जाता है कि भगवान भास्कर चराचर जगत की आत्मा ही नहीं, ऐसी जीवनदायिनी ऊर्जा व प्रकाश के अमर स्रोत हैं। महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू होकर 30 को डूबते व 31 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न होगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

(5th Call)

निविदा सूचना संख्या – **DWSD/RPWS/Med-02/2022-23** दिनांक 21.10.2022

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना "जल जीवन मिशन" के अन्तर्गत :–
		Detailed survey, designing and drawing, Construction of Infiltration Gallery and R.C.C Intake Well cum Pump House, R.C.C. Gangway, 2.00 MLD capacity Water Treatment Plant, **ESR-1** 1.30 Lakh Litre capacity with 24 M staging, **ESR-2** – 2.60 Lakh Litre capacity with 20 M staging, **ESR-3** – 1.10 Lakh Litre capacity with 21 M staging Staff Quarter, Compound Wall, Supplying and laying Raw/Clear Water Rising Main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of VT and Centrifugal Pump Motor and Five Years Operation & Maintenance with allied works etc. all complete job for **Tolra Rural Pipe Water Supply Scheme** under D.W & S. Division, Medininagar on turnkey basis. Year 2022-23.
1	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	**2255.85 (बाईस करोड़ पचपन लाख पचासी हजार रूपये मात्र)**
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	**22.56 (बाईस लाख छप्पन हजार रूपये मात्र)**
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	**10,000/- (दस हजार रूपये मात्र)**
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	**18 (अठारह) महीना + 3 (तीन) महीना Trial & Run**
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	**17/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड की तिथि एवं समय	**24/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन से (अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, नेपाल हाउस)
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	**03/12/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	**05/12/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक (क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, राँची प्रक्षेत्र राँची, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	**06/12/2022 / 04.00** बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	**9835068475**
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	**0651-2490920**

नोटः– निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।

PR 280942 (Drinking Water and Sanitation) 22-23 (D)

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,वन प्रमण्डल पदाधिकारी
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल, गढ़वा।

आम निलामी सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के अन्तर्गत गढ़वा वन प्रक्षेत्र के गढ़वा वन परिसर एवं रमना वन परिसर; नगर वन प्रक्षेत्र के नगर वन परिसर एवं धुरकी वन परिसर तथा भवनाथपुर वन प्रक्षेत्र के भवनाथपुर वन परिसर के आहाते में जप्त वनोपज एवं अन्य उपस्कर जहाँ है जिस स्थिति में है, के आधार पर आम नीलामी नीचे अंकित तिथि को 10:30 बजे पूर्वाहन से 4:00 बजे अपराहन तक निर्धारित की गई है। नीलामी के दिन 5000.00 (पाँच हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट (वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के पदनाम से गढ़वा स्थित किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा में भुगतेय हो) गेटमनी के रूप में लाना होगा, जिसे क्रय किये गये लौट के Security Deposit की राशि में समायोजित की जा सकेगी तथा असफल क्रेता को शीघ्र बैंक ड्राफ्ट वापस कर दिया जायेगा। वनोपज एवं अन्य उपस्करों के लौट का निरीक्षण नीलामी से पूर्व किया जा सकता है। यदि नीलामी तिथि को किसी कारणवश अवकाश या बन्दी घोषित होता है तो उसके अगले कार्य दिवस को नीलामी की तिथि तय मानी जायेगी। नीलामी में भाग लेने वाले क्रेता का G.S.T. अधिनियम के तहत निबंधित/पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। बिक्री मूल्य के अतरिक्त यथालागू जी0एस0टी0, आयकर एवं शेष कर भी देय होगा। शर्ते एवं अन्य कोई जानकारी कार्यालय अवधि में प्रमण्डलीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं नीलामी शर्ते https://garhwa.nic.in/ एवं Https://forest.jharkhand.gov.in पर भी उपलब्ध है। मोबाईल न0– 6205861551 से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

क्रम संख्या	नीलामी स्थल का नाम	नीलामी की तिथि	वनोपज (प्रकाष्ठ, जलावन एवं बल्ली) का लौट संख्या एवं अनुमानित आयतन	अन्य उपस्करों का लॉट संख्या
1	गढ़वा वन परिसर के आहाते, गढ़वा वन प्रक्षेत्र, गढ़वा।	18.11.2022	105 (अनुमानित आयतन 90.68 घनमीटर)	37
2	रमना वन परिसर के आहाते, गढ़वा वन प्रक्षेत्र, गढ़वा।	19.11.2022	21 (अनुमानित आयतन 15.54 घनमीटर)	6
3	नगर वन परिसर के आहाते, नगर वन प्रक्षेत्र, नगर।	20.11.2022	27 (अनुमानित आयतन 31.31 घनमीटर)	0
4	धुरकी वन परिसर के आहाते, नगर वन प्रक्षेत्र, नगर।	20.11.2022	11 (अनुमानित आयतन 13.15 घनमीटर)	0
5	भवनाथपुर वन परिसर के आहाते, भवनाथपुर वन प्रक्षेत्र, भवनाथपुर।	21.11.2022	21 (अनुमानित आयतन 40.21 घनमीटर)	25

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल।

PR 280976 Forest, Environment and Climate Changes(22-23)D

पलामू में नहाय खाय के साथ आस्था का महापर्व छठ शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में शुक्रवार को नहाय खाय के साथ आस्था का महापर्व छठ शुरू हो गया। चार दिवसीय इस महापर्व के प्रथम दिवस में छठ व्रतियों में स्थानीय कोयल नदी,अमानत नदी,और अन्य जलाशयों में स्नान के बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर चार दिवसीय अनुष्ठान की सफलता के लिए प्रार्थना किये। इसके बाद शुद्ध व सात्विक भोजन में कद्दू की सब्जी, अरवा चावल ,चना दाल,आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर इस अनुष्ठान का संल्कप लिया। छठ व्रतियों ने प्रसाद के निमित्त मंगवाये गये गेहूं व चावल को गंगाजल में धोकर उसे सुखाने में लग गई। इस गेहूं को कोई भी जीव जंतु का स्पर्श नहीं हो, इसके लिए खुद व परिवारजन के साथ पारंपरिक लोकगीत गाते हुए इसकी रखवाली भी किया जायेगा। इस महापर्व से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्रियों चूल्हा आम की लकड़ी डाला दउरा टोकरी आम का दातुन घाट का सजावट घर में गंगाजल की पर्याप्त इंतजाम आदि की व्यवस्था भी शुरू हो गया। इस विषय मे विजय पाठक ने बताया कि आज से शुरू होने वाले छठ महापर्व के चतुर्थ दिवसीय अनुष्ठान के पहले दिन नहाय खाय में शुभकारी योग बन रहे हैं। शुक्रवार को कार्तिक शुक्ल चतुर्थी में अनुराधा नक्षत्र व सौभाग्य शोभन योग के युग्म संयोग के साथ अतिपुण्यकारी सर्वार्थ सिद्धि योग तथा रवियोग भी विद्यमान रहेगा। इस शुभकारी योग में महापर्व का आरंभ बहुत ही उत्तम सिद्ध होगा।

छठ के लिए सज गये बाजार : महापर्व छठ के लिए बाजार पूरी तरह सज गये हैं। स्थानीय मुख्य बाजार, बेलवाटिक बाजार,सादिक चौक,अम्बेडकर चौक, विष्णु मंदिर रोड, सुदना, रेड़मा, शाहपुर, चैनपुर में छठ पूजा को लेकर बाजार लगाये गये है। जहां पूजा की सामग्रियों के साथ छठ के सभी सामान उपलब्ध है।

घाटों पर भी तैयारी, इस बार अधिक भीड़ की उम्मीद : छठ पूजा के लिए घाटों पर युद्ध स्तर पर तैयारी जारी है। दो साल तक कोरोना के कारण बड़े स्तर पर छठ पूजा का आयोजन नही हो पाया था । लेकिन इस बार कोरोना काल नहीं होने के कारण घाटों पर काफी अधिक भीड़ होने की संभावना जतायी जा रही है। गत 2 वर्षों से कोविड काल के कारण जहां लोग अपने घरों व बिल्डिंगों की छतों पर ही छठ पूजा कर रहे थे। इस बार वे लोग भी घाट पर जाकर अर्घ्य देंगे । निगम की ओर से भी नदी घाटों को सफाई किया जा रहा है। जिसकी निगरानी निगम के मेयर और डिप्टी मेयर कर रहे है।

नहाय खाय व खरना के प्रसाद से दूर होते हैं कष्ट : छठ महापर्व के प्रथम दिन नहाय खाय में लौकी की सब्जी अरवा चावल चने की दाल आंवला की चटनी के सेवन का खास महत्व है । वैदिक मान्यता है कि इससे पुत्र की प्राप्ति होती है। वहीं वैज्ञानिक मान्यता है कि गर्भाशय मजबूत होता है। खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस गुड़ के सेवन से त्वचा रोग आंख की पीड़ा समाप्त हो जाते है। वही इसके प्रसाद से तेजस्विता निरोगता व बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है।

न्यूज गैलरी

पुलिस ने अज्ञात शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना क्षेत्र के ग्राम झावर के एक खेत से पुलिस ने गुरुवार की रात बोड़ा में बंद एक अज्ञात 30 वर्षीय महिला का शव बरामद किया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात सतबरवा थाना की पुलिस को सूचना मिला की झाबर गांव में बोरा में बन्द एक अज्ञात महिला का शव फेका हुआ है। इसकी सूचना मिलने पर सतबरवा थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर बोरा को खुलवाया तो देखा कि उसमें एक अज्ञात महिला का शव है। इसके बाद थाना प्रभारी ने आसपास के लोगों से अज्ञात शव के बारे में पूछा की । परंतु किसी ने शव की पहचान नहीं किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेज दिया है। वही इस घटना के बाद से पुलिस अज्ञात शव की पहचान में जुट गयी हैं।

श्रीराम सेना ने मांस- मछली-मदिरा दुकान बंद करने की मांग की

मेदिनीनगर। श्रीराम सेना के द्वारा एसडीओ को आवेदन देकर शहर में छठ पूजा के नहाय खाय से लेकर पारण तक मांस मछली मदिरा बंद करने की मांग किया है। श्रीराम सेना के अध्यक्ष पंकज कुमार जायसवाल ने आवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि 28 अक्टूबर दिन गुरुवार से छठ महापर्व प्रारंभ हो रहा है और 31 को समापन हो रहा है । शहर के आसपास कई मांस मछली की दुकाने हैं। इससे छठ व्रत धारी माताओं बहनों में असहज भाव उत्पन्न होता है । इस महापर्व की गरिमा को देखते हुए आग्रह किया जाता है की मांस मछली मदिरा दुकानों को बंद करवाये ताकि छठ पर्व की शुद्धता बनी रहे।

विहंगम योग संस्थान ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

मेदिनीनगर। विहंगम योग संस्थान के संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर सदगुरू सदाफल देव विहंगम योग संस्थान की पलामू जिला इकाई की देखरेख में रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान शिविर शुक्रवार को जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में लगाया गया। संस्थान के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह,जिला संयोजक गिरिजा प्रसाद सिंह ने सदगुरू देव के तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि रक्त सेवा मानव सेवा के तहत विहंगम योग संस्थान के द्वारा देश व्यापी रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। रक्तदान जीवन दान के समान है। रक्तदान से बड़ा कोई भी मानव सेवा धर्म नही है। रक्त सेवा मानव सेवा के उद्देश्य को समझने की जरूरत है। अतिथियों ने रक्तदान का महत्व बताते हुए रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शिविर में सदगुरू देव के 21 भक्तजनों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया । जिसमें चैनपुर प्रखंड के 5 और मेदिनीनगर के 16 भक्तजन शामिल हैं। शिविर को सफल बनाने में संस्थान के जिला सह संयोजक राकेश पाठक,यशवंत सिंह,रविंद्र श्रीवास्तव,विशुनदेव मेहता,दशरथ पासवान,डा अनवर आलम,आनंद मोहन चंद्रा,आलोक कुमार सहित कई लोग सक्रिय थे. शिविर में प्रमोद तिवारी,केशव पांडेय,शुभम पांडेय,अरुण सिंह,शंभू कुमार,प्रीति देवी,सत्यम सिंह,विवेक,चंदन साव,कामख्या सिंह,मुकेश मेहता,अजीत मेहता,अमित,सत्येंद्र मेहता, विजयालक्ष्मी,सिद्धार्थ,अभिषेक,राकेश,अनिल सोनी,खुशबू देवी ने रक्तदान किया।

लुधियाना कमाने गए युवक को ठेकेदार ने बंधक बनाया

मेदिनीनगर। छतरपुर प्रखंड के खोढी.पंचायत स्थित अरर गांव निवासी स्वर्गीय टिंबर भुइयां के पुत्र सुदु भुइयां अपने घर से कमाने के लिए चार माह पूर्व बिहार राज्य के नवीनगर निवासी विनय कुमार सिंह ठेकेदार के साथ राइस मिल में पंजाब के लुधियाना गया था। जहां दीपावली पर्व पर सुदू अपने घर आना चाहता था । लेकिन ठेकेदार विनय कुमार सिंह ने युवक को रूम में बंद कर मारपीट किया। और उसके परिजनों से मोबाइल से बात भी नहीं करने देता है। उसकी मां महंगी कुंवर अपने पुत्र को मुक्त कराने के लिए छतरपुर थाना में लिखित आवेदन देकर थाना प्रभारी से गुहार लगाई है। लेकिन ठेकेदार द्वारा जबरन बंधक बनाकर रखा है। अभी तक इस पर पहल नहीं हुई है । परिजन में मां ,पत्नी, बहन, बच्चें सभी का रो रो कर बुरा हाल है।

मोर्चा के अध्यक्ष ने झारखंवासियों को किया अभिनंदन

मेदिनीनगर। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी निषाद राजेंद्र चौधरी ने झारखंड प्रदेश हिंदुस्तानी आवाम पार्टी की ओर से हार्दिक अभिनंदन व जोहार पेश किया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक निषाद समाज से पार्टी नहीं चलती है । पार्टी में सभी समाज के लोगों का सहयोग होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि झारखंड प्रदेश में केवट निषाद समाज को ही पार्टी में शामिल किया गया है । लेकिन निषाद समाज खुद राजनैतिक में भागेदारी और हिस्सेदारी नहीं लेना चाहती है। यदि पार्टी का उम्मीदवार निषाद समाज के लोग है ,उम्मीदवार को जीताने में निषाद समाज की अहम भूमिका होनी चाहिए । सरकार में निषाद समाज की भागेदारी और हिस्सेदारी होना चाहिए । तभी निषाद समाज का विकास होगा।

11 वर्षों से नि:शुल्क गन्ना वितरण करते आ रहे हैं समाजसेवी प्रयागराज

मेदिनीनगर। हर साल की भांति इस साल भी युवा समाजसेवी प्रयागराज चंद्रवंशी के द्वारा विगत 11 वर्षों से नि:शुल्क गन्ना वितरण किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ शुक्रवार 28 अक्टूबर को पलामू एसपी चंदन सिन्हा के द्वारा किया जा रहा है। युवा समाजसेवी प्रयागराज चंद्रवंशी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पूरे मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र मे पिछले 11 वर्षों से गन्ना बांटते आ रहे हैं । इस वर्ष भी नि:शुल्क गन्ना वितरण का कार्यक्रम युवा समाजसेवी प्रयागराज चंद्रवंशी के द्वारा किया जायेगा। यह कार्यक्रम छठ व्रतियों एवं उनके परिजनों को नि:शुल्क गन्ना का वितरण किया जायेगा। हर वक़्त सामाजिक सेवा का भाव रखने वाली समाजसेवी प्रयागराज इस वर्ष भी शहर के तमाम चौक चौराहे पर इनका गाड़ी पर स्टॉल लगाकर गन्ना वितरण करने का निर्णय लिया है।

वरदान ट्रस्ट ने किया पूजा सामग्री का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को बेलवाटिका चौक पर कपड़ा बैंक परिसर में नयी साड़ियां, नारियल, फल, अगरबत्ती, सिंदूर, महावर आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव शुर्मिला वर्मा ने बताया कि पूर्व में कपड़ा बैंक के रूप में पहचान बना चुकी संस्था ने प्रत्येक वर्ष छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रतियों के बीच पूजा साम्रगी का वितरण करते आया है। उन्होंने बताया कि संस्था के सदस्य अपने यथासंभव सहयोग कर इस कार्य को करते है।सीमित संसाधन में भी संस्था जरूरतमंदों के बीच हमेशा सहयोग करती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ सैफ, गुरबीर सिंह, साहेब सिंह, प्रतीक श्रीवास्तव, और संस्था की सचिव शर्मिला वर्मा, मन्नत सिंह बग्गा, विवेक वर्मा, अंजू शर्मा, राखी सोनी, संध्या अग्रवाल, दविन्द्र कौर, बेबी विश्वकर्मा, मिनाक्षी कर्ण, आशुतोष सिंह, लक्ष्य श्रेष्ठ, सौभाग्य सृजन उपस्थित थे । जिन्होंने मिलजुलकर सफलतापूर्वक इस अभियान को संचालित किया । साम्रगी लेने वाले छठव्रतियों की भीड़ को संभालना बहुत मुश्किल था फिर भी किसी तरह से लोगों को पूजन सामग्री उपलब्ध कराई गई। ताकि सभी लोग छठ को सुगमतापूर्वक कर सकें।

आज होगी खरना, शुरू होगा छठ व्रतियों के 36 घंटे का निर्जला उपवास

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छठ महापर्व शुक्रवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया है। यह पर्व चार दिनों का होता है। जिसकी शुरूआत नहाय-खाय से होती है और समापन सप्तमी को सुबह भगवान सूर्य के अर्घ्य के साथ होता है। इस पर्व के तहत श्रद्धालु या व्रती नहाय-खाय के अगले दिन व्रतियों द्वारा निर्जला उपवास रखकर खरना किया जायेगा ।

क्या है खरना का महत्व : खरना में दूध, अरवा चावल व गुड़ से बनी खीर एवं रोटी का भोग लगाया जाता है । कार्तिक शुक्ल पंचमी को यह व्रत रखा जाता है और शाम को व्रती भोजन ग्रहण करते हैं। इसे ही खरना कहा जाता है। इस दिन बिना अन्न और जल के रहा जाता है। नमक और चीनी का प्रयोग बिल्कुल वर्जित होता है। गुड़ की बनी खीर वितरित की जाती है। छठ पर्व की शुरूआत का यह दूसरा दिन होता है। जो आहार व्रती ग्रहण करते हैं उसे रसियाव भी कहते है।

खरना का अर्थ शुद्धिकरण : छठ में खरना का अर्थ है शुद्धिकरण और यह शुद्धिकरण केवल तन न होकर बल्कि मन का भी होता है। इसलिए खरना के दिन केवल रात में भोजन करके छठ के लिए तन तथा मन को व्रती यानी श्रद्धालु शुद्ध करता है। खरना के बाद व्रती 36 घंटे का व्रत रखकर सप्तमी को सुबह अर्घ्य देते हैं। खरना का प्रसाद गुड़ का खीर और गेहूं की रोटी खीर के अलावा खरना की पूजा में मूली और केला रखकर पूजा की जाती है। इसके अलावा प्रसाद में पूरियां, गुड़ की पूरियां तथा मिठाइयां रखकर भी भगवान को भोग लगाया जाता है। छठी मइया को भोग लगाने के बाद ही इस प्रसाद को व्रत करने वाला व्यक्ति ग्रहण करता है। खरना के दिन व्रती यही आहार को ग्रहण करते है।

शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला उपवास : इस दिन प्रसाद के रुप में रोटी और खीर ग्रहण करने की परंपरा है। सब कुछ नियम धर्म के मुताबिक होता है। घर के सभी सदस्य व्रती को पूरा सहयोग करते हैं। खरना के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपावास शुरू हो जायेगा, जो कि 30 अक्टूबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य और 31 अक्टूबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण के साथ पूरा होगा।

पंचायत सचिवों के साथ डीडीसी ने बैठक की

अनुपस्थित रहे छ :पंचायत सचिवों का वेतन स्थगित रखने के निर्देश

मेदिनीनगर। उप विकास आयुक्त मेघा भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत न्यून प्रगति वाले पंचायत के पंचायत सचिवों के साथ बैठक की। समाहरणालय के ब्लॉक सी के उप विकास आयुक्त सभागार में आयोजित इस बैठक में डीडीसी ने बारी-बारी सभी पंचायतों की समीक्षा की।

आवास निर्माण में रुचि नहीं ले रहे लाभुकों का आवास रद्द करने के निर्देश: वित्तीय वर्ष 16-21 के डिलेड आवासों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने पाया कि जिले में सबसे अधिक डिलेड आवासों की संख्या तरहसी के गोइंडी पंचायत में हैं । यहां 382 लाभुक आवास निर्माण में रुचि नहीं ले रहें, इसी तरह पाटन के कस्बाखाड़ पंचायत में 378 लाभुक पैसा लेने के बावजूद आवास नहीं बना रहें है । डीडीसी ने 15 दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं करने पर सभी पंचायतों के ऐसे सभी लाभुकों का आवास रद करने की बात कही।

10 नवंबर तक मृत लाभुक के आश्रित का खाता अपडेट करने के निर्देश : बैठक में डीडीसी मेघा भारद्वाज ने पंचायत सचिवों को मृत लाभुक के आश्रित का खाता आगामी 10 नवंबर तक अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई लाभुक की मृत्यु हो गयी है । ऐसे में संबंधित लाभुक के आश्रित को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जाना है । इस स्थिति में मृत लाभुक के आश्रित का खाता व अन्य डीटेल्स अपडेट रखें। बैठक में छह पंचायत सचिव अनुपस्थित रहे। इसपर उप विकास आयुक्त ने अनुपस्थित सभी पंचायत सचिवों की वेतन बंद करने के निर्देश दिये। मौके पर 46 पंचायत सचिव के अलावे जिला प्रशिक्षण समन्वयक अभय कुमार एवं जिला समन्वयक मुफ्ती अनवर उपस्थित थे।

डीएमएफटी के न्यास परिषद की बैठक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे की अध्यक्षता में शुक्रवार की शाम डीएमएफटी के न्यास परिषद की बैठक संपन्न हुई। समाहरणालय के सभागार में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, उप विकास आयुक्त मेघा भारद्वाज, विभिन्न विधायक प्रतिनिधि, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, वन प्रमंडल पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे। वहीं वर्चुअल मोड से जिले के प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया व उप मुखिया जुड़े हुए थे। बैठक में संपूर्ण जिले को खनन प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया। इसके पश्चात जिले के सभी पंचायतों में एक-एक मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही इन आंगनवाड़ी केंद्रों में प्री स्कूल किट व आवश्यक बर्तन की आपूर्ति की भी स्वीकृति प्रदान की गयी। वहीं जहां से भूमि प्रतिवेदन प्राप्त है। वहां जमींदारी बांध-तालाब का निर्माण की भी स्वीकृति दी गयी। इस बैठक में कई अन्य योजनाओं को पारित किया गया।

नहाय खाय के साथ छठ माहपर्व शुरू खरना कल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाए खाए के साथ शुरू हो गया। इस चार दिवसीय त्योहार को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है। त्योहार की समाग्री लेने के लिए श्रद्धालु पीतल का सूप ,लौटा ,दीया, बांस का दउरी, सुप ,बेना, गेहूं ,गुड़ घी,फल के लिए भीड़ का ताता प्रखंड मुख्यालय सहित शहरों के बाजार में दिनभर लगा रहा। वही महिलाएं शहर के शिवाला घाट रोड स्थित कोयल नदी में स्नान कर भगवान सूर्य की आराधना के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी के साथ पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।

लोक आस्था के पर्व को देखने दिल्ली से आई इंडियन रोटी बैंक की टीम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा महोत्सव की धूम हर ओर मची है। पलामू के इंडियन रोटी बैंक की टीम भी स्थानीय स्तर पर छठवर्तियों को समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सामने आई है। दो दिनों तक छठ घाट एवं रास्तों की साफ-सफाई की मुहिम प्रारंभ किया गया। जिसका शुभारंभ नहाय-खाय के शुभ दिवस पर आम की लड़की वितरण के साथ किया गया। वार्ड नंबर 17 स्थित आवासीय कार्यालय में इंडियन रोटी बैंक के प्रदेश संयोजक दीपक तिवारी के नेतृत्व में छठवतीयों के बीच निःशुल्क आम की लकड़ी का वितरण किया। साथ ही बताया गया कि जिन उपासकों को आम की लकड़ी की आवश्यकता है, वो रांची रोड रेड़मा स्थित आवासीय कार्यालय आकर ले जा सकते हैं। मौके पर सूर्य उपासना के महापर्व पर लोकगीत गाती महिलाओं ने आकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मौके पर आईआरबी स्टेट कॉर्डिनेटर दीपक तिवारी ने बारी-बारी से सभी आये महिला, पुरुष, बच्चों को आम की लकड़ी मुहैया कराई, एवं जरूरत पड़ने पर हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मौके पर दीपक तिवारी ने बताया कि छठ पूजा का महत्ता का बखान करना सूर्य को दीपक दिखाने के समान है। पावन, पवित्र, पारंपरिक महापर्व को मनाने में हर घर परंपरागत तरीके से जुटा हुआ है। जिसे देखने दिल्ली आईआरबी की टीम झारखंड के पलामू पहुंची है। उन्होंने बताया कि प्रसाद वितरण की परंपरा पुरानी है, लेकिन भौतिकवादी युग में आम की लकड़ी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती है। जो इंडियन रोटी बैंक हर वर्ष छठ पूजा में अहम आम की लकड़ी का वितरण करती है। मौके पर स्टेट वाइस कॉर्डिनेटर परवेज अख्तर ने कहा कि छठ पूजा प्रकृति के साथ जुड़ाव एवं पावन, पवित्रता का संदेश देता है। एकमात्र दर्शनीय देव की उपासना में हर धर्म-कर्म के लोग आस्था रखते हैं।

आयुक्त ने आम लकड़ी वितरण का किया शुभारंभ

छठ पूजा के मौके पर पर्यावरणविद कौशल ने दिखाई उदारता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर । शहर के तीनकोनिया गैरेज के समीप शुक्रवार को पर्यावरणविद ने सुखी आम की लकड़ी वितरण का कार्यक्रम किया। जिसका शुभारंभ प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी ने छठ पूजा पर सुखी लकड़ी का वितरण कर किया। मौके पर पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल सहित अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित होकर वितरण में सहयोग कर रहे थे। प्रमंडलीय आयुक्त श्री चौधरी ने छठ व्रतियों के बीच सुखी हुई आम की लकड़ी प्रदान करते हुए कहा कि पवित्रता व शुद्धता का इस महान पर्व के बेला पर व्रतियों को मदद करना न सिर्फ उत्कृष्ट समाज सेवा है। बल्कि इससे बड़ा पुण्य का काम मानव जीवन में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने पिछले 30 वर्षों से पर्यावरणविद की ओर से किये जा रहे इस पुनीत कार्य की काफी सराहना की। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने आम की लकड़ियों को दान करते हुए कहा कि अगर अभी से ही लोग आम के पौधे पर्याप्त मात्रा में नहीं लगायेंगे तो एक दिन ऐसा वक्त आयेगा कि लोगों को इस धार्मिक अनुष्ठान के लिए घी से भी ज्यादा कीमत आम की लकड़ी का देना होगा। क्योंकि आम का हरा पेड़ से धरती और आम का सूखा पेड़ जलाने से ब्राह्मणड तक प्रदूषण मुक्त होता है । पर्यावरणविद कौशल ने शहरवासियों को पिछले 30 वर्षों से दीपावली की सुबह से छठ पूजा के खीर भोजन तक दो से तीन ट्रक प्रति वर्ष आम की सूखी लकड़ियां दान करते आ रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी जन्म भूमि छतरपुर के ग्राम डाली बाजार में पूजा सामग्री के साथ व्रतियों को साड़ी - धोती पूर्वजों से दान करते आ रहे हैं । इसी कारण कई लोग छठ पूजा में आम की लकड़ी 10 गुने महंगे दाम पर बेचते हैं। जबकि पर्यावरणविद की सोच है कि गरीब से गरीब लोग छठ पूजा करें ,उन्हें इस अवसर पर आम की लकड़ी महंगे दामों पर ना खरीदना पड़े। उन्होंने बताया कि पूजा को लेकर उड़ीसा, छत्तीसगढ़ से सुखी हुई आम की लकड़ी खरीद कर इकट्ठा किया जाता है । उसे ही छठ पूजा में वितरण किया जाता है। इस कार्य की पूरी जिम्मेवारी जायसवाल टिंबर के प्रो:अरुण कुमार जायसवाल एवं छतरपुर पूर्वी जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल को दिया जाता है । इस कार्य में बसंत सिंह, अनुज कुमार ,गोपाल प्रसाद, मुनेश्वर मांझी, शमीम अंसारी, अमरेंद्र कुमार की भूमिका भी सराहनीय रहती है। मौके पर अरविंद जायसवाल , रोहित जायसवाल , मनीष सिंह, आशुतोष जायसवाल आदि उपस्थित होकर वितरण में सहयोग किया।

वार्ड आयुक्त ने आरसीसी नाले की ढलाई करवाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गुरुवार को वार्ड संख्या 27 के वार्ड आयुक्त कमर यास्मीन ने गुरूवार को स्वीकृत आरसीसी नाले के ढलाई स्वमं उपस्थित होकर करवाई। गौरतलब है कि निगम के द्वारा एक करोड़ से अधिक की राशि से नाले का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें साढ़े सात फीट के ढलाई का कार्य पूरा किया गया है। जिसके निर्माण हो जाने से स्थानीय लोगो को बहुत राहत होने वाला है। वार्ड संख्या 27 में रहने वाले लोगों के लिये नाले का निर्माण किसी वरदान से कम नही है। बरसात के दिनों में यहां के लोगो के घरो में नाली का पानी आ जाता था। जिससे घरो में रहना दुर्लभ हो जाता था। लेकिन वार्ड आयुक्त के अथक प्रयास से नाले के निर्माण की स्वीकृति मिल गई। नाले के बनने से स्थानीय लोगो मे काफी खुशी है और वार्ड आयुक्त के प्रति आभार जताया है। वार्ड के लोगो को अब गंदगी और मच्छरों से निजात मिलने की खुशी है। जनहित के कार्य को लेकर वार्ड आयुक्त निरंतर लोगों के हित के लिये कार्य कर रहीं है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय मे अपने वार्ड को एक आदर्श वार्ड के रूप में पहचान दिलवाना है। जिसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

धुरकी बीडीओ अरूण कुमार सिंह ने ने किया छठ घाट का निरीक्षण

धुरकी। बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की जायजा भी लिया। इस दौरान बीडीओ ने छठ घाटों का निरीक्षण करते हुए कहा कि आस्था का पर्व छठ महापर्व है। इसमें विशेष रूप से छठ व्रतियों के लिए छठ घाटों पर स्नान ध्यान करने में साफ-सफाई एवं टेंट लाइट की व्यवस्था मुकम्मल होनी चाहिए ताकि जो लोग छठ घाटों पर आएं उन्हें सुविधाएं उपलब्ध हो। इसके लिए प्रशासन भी ग्रामीणों को सहयोग के लिए आगे हाथ बढ़ाएगी। जरूरत है समाजसेवी एवं गांव की पूजा कमेटी के लोगों को आगे आने की जरूरत पड़ने पर प्रखंड प्रशासन आप लोगों के साथ है। हर तरह के सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने को लेकर सहयोग करेगी। वहीं थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने लोगों को अस्वस्थ किया की पर्व के अवसर पर कोई भी शरारती तत्व को छोड़ा नहीं जायेगा। शरारती तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। निधड़क होकर छठ पर्व मनाए पुलिस प्रशासन आपके साथ हैं।

युवा समाजसेवी ने दो वर्षों से खराब पड़े चापाकल का कराया मरम्मत

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या तीन में राजी मोहम्मद खान के घर के समीप लगभग दो वर्षों से खराब पड़े चापानल की मरम्मति युवा समाजसेवी शोएब आलम उर्फ गुड्डू ने कराया. वार्डवासी सद्दाम खान,रेहाना बीबी ने बताया कि कई बार स्थानीय वार्ड पार्षद रंजन कुमार उर्फ छोटू को मौखिक रूप से चापाकल मरम्मत कराने को कहा गया था, लेकिन उनके द्वारा लगातार आश्वासन ही दिया जा रहा था। ग्रामीणों ने कहा कि चापाकल खराब होने से हम लोगों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। चापानल खराब होने की सूचना मिलने पर शुक्रवार को युवा समाजसेवी शोएब आलम उर्फ गुड्डू ने अपने निजी खर्च से चापाकल कि मरम्मति कराया। युवा समाजसेवी शोएब आलम उर्फ गुड्डू ने कहा कि ग्रामीणों के द्वारा चापानल खराब होने की जानकारी मिलने के बाद तत्काल मैंने चापानल की मरम्मति करा दिया। मौके पर खुर्शीद खान, फुलटून खान,मुन्ना खान, अख़्तर खान सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित थे।

धुरकी प्रखंड क्षेत्र के किसानों को किया गया सरकार के द्वारा अनुदान में दिये गये सरसों के बीज का वितरण

धुरकी। प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को बीडीओ अरुण कुमार सिंह, प्रखंड, जिप सदस्य संगीता कुमारी, प्रखंड किसान संघ के अध्यक्ष दामोदर जायसवाल के द्वारा संयुक्त रुप से सरकार के द्वारा शत-प्रतिशत अनुदान में दिए गये सरसों का बीज का वितरण प्रखंड क्षेत्र के किसानों को किया गया। इस दौरान प्रखंड कृषि पदाधिकारी अंबुज जयसवाल ने बताया कि प्रखंड के 8 पंचायत के पांच क्लस्टर को अनुदान में दिए जाने के लिए कुल 6 क्विंटल 96 केजी सरसों का बीज सरकार के द्वारा उपलब्ध कराया गया है। जिसे प्रखंड के सभी पांच क्लस्टर के कुल ,63 किसानों का निबंधन किया गया है। निबंधित किसानों को सरसों का बीज का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों को सरसों की खेती करने के लिए अनुकूल समय पर बीज का वितरण किया जा रहा है। यह किसानों के लिए अधिक पैदावार बढ़ाने वाला सरसों का बिज है। जिससे किसान अपने खेत में बुराई कर सरसों उगा पाएंगे। मौके पर प्रखंड के सभी किसान व जन प्रतिनिधि लोग मौजूद थे।

नपाध्यक्ष विजयालक्ष्मी देवी ने नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न छठ घाट पर साफ-सफाई का ली जायजा

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के सभी छठ घाटों की साफ सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है .उक्त जानकारी देते हुये नगर पंचायत अध्यक्ष विजया लक्ष्मी देवी ने बताया कि सभी छठ घाटों की साफ सफाई नगर पंचायत के सफाई कर्मियों द्वारा तथा आवश्यकतानुसार जेसीबी लगाकर कराया गया है। उन्होंने बताया कि स्वयं सभी छठ घाटों का निरीक्षण कर नगर प्रबंधक,कनीय अभियंता व सफाई सुपरवाइजर को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के बांकी नदी तट पर स्थित सूर्यमंदिर प्रांगण,अहीपुरवा काली मंदिर परिसर,राजा पहाड़ी के निकट स्थित राजा तालाब,पुरैनी बांकी नदी,अधौरा,जंगीपुर,जतपुरा, पाल्हे कला,बभनी खांड स्थित छठ घाट की साफ सफाई कराकर छठ व्रतधारियों की सेवा में समर्पित किया गया है .उन्होंने बताया कि खरना के दिन से नगर पंचायत के द्वारा सड़को पर टैंकर से पानी का छिड़काव कराया जायेगा। सभी छठ घाटों पर सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत हमेशा की तरह छठ व्रतधारियों को आवश्यक सुविधा मुहैया कराने के लिये तत्पर है .पूरी पारदर्शिता के साथ जन सेवा के कार्यो में लगा है।

सज-धज कर छठ घाट तैयार, खरना आज

घाटों पर तैयारियां पूरी.....

गढ़वा। छठ व्रत को लेकर जिले के सभी छठ घाट सज-धज कर तैयार हो गए हैं अब विभिन्न छठ पूजा समितियों को व्रतियों को घाट पर आने की इंतजार है छठ व्रत को लेकर विभिन्न पूजा समितियों की ओर से बेहतर तैयारी की गई है घाटों की साफ-सफाई सजावट व्रतियों के नहाने की व्यवस्था की गई है वह घाट पर रात्रि में रहने के लिए भी व्रतियों के लिए व्यवस्था किया गया है जिला मुख्यालय स्थित गांव नदी के तट पर विभिन्न समितियों की ओर से आयोजित छठ पूजा महोत्सव को आकर्षक तरीका से सजाया गया है वही सरस्वती नदी में भी विभिन्न छठ पूजा समिति की ओर से छठ व्रतियों के लिए बेहतर व्यवस्था किया गया है।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का पर्व छठ प्रारंभ

नवीन मेल संवाददाता

डंई। नहाए खाए के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरूआत शुक्रवार से प्रखंड क्षेत्रों में शुरू हो गई । भगवान भास्कर और छठ माता को समर्पित आस्था का महापर्व छठ हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है । इसमें संतान की स्वास्थ्य सफलता और दीघार्यु के लिए छठव्रती पूरे 36 घंटों का निर्जला उपवास रख पर्व को मनाते हैं । वही उनके लिए कई छठ घाटों को आकर्षक व बेहतरीन डिजाइन में सजाया जाता है । डंडाई के दानरो नदी स्थित पीपल छठ घाट और बगीचा छठ घाट के साथ-साथ बेला झगड़ा गांव के पनभरिया नाला छठ घाट को सामाजिक संगठन के लोगों की ओर से अलग-अलग रूप देने का काम किया जा रहा है । बगीचा छठ घाट को जय हिंद क्लब की ओर से छठव्रतीयों को बैठने के लिए हजारों फीट के क्षेत्रफल में जहां टेंट लगाया जा रहा है वहीं उन्हें स्नान करने के लिए दो अलग-अलग स्नानागार की भी व्यवस्था की गई है । इतना ही नहीं उनके द्वारा सूर्य मंदिर तक उन्हें पहुंचने के लिए नदी में दो-दो वैकल्पिक पुल का भी निर्माण किया गया है । फ्रेंड्स क्लब की ओर से भी पीपल छठ घाट को बेहतरीन रंग देने का काम किया जा रहा ह

सुविधाएं दुरूस्त....

छठ व्रतियों को बैठने के लिए जहां डिजाइन युक्त टेंट का निर्माण कराया गया है। वही उसके बगल में काफी दूर तक रंग बिरंग के झालर व बल्ब भी लगाए गए हैं । उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कहावत के अनुसार नदी की बालू से ही छठ घाट पर थाला का निर्माण किया जाता है । उसी उद्देश्य से हम सभी आज दानरो नदी में बालू छान छान कर टेंट के नीचे थाला का निर्माण कर रहे हैं । ताकि घर की छठव्रती अपने नियत स्थल पर बैठकर अस्ताचलगामी और भगवान भास्कर का पूजा अर्चना कर सकें ।

विहंगम योग संस्थान के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। विहंगम योग संस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को ट्रॉमा सेंटर में श्री सद गुरु सदाफल देव महाराज के अनुयायियों ने सदुरु उत्तराधिकारी संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज के42 वें अवतरण दिवस के अवसर पर रकतदान शिविर का आयोजन किया गया.शिविर में 21 यूनिट रक्तदान किया गया.रक्तदान शिविर का शुभारंभ अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ सुचित्रा कुमारी ने श्री सदगुरू सदाफल देव महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान करने वालो में अमित राज, मैथलीशरण गुप्ता, रामानुज सिंह,संजय कुमार, रजनीश यादव, संतोष कुमार गुप्ता, शशि जायसवाल, जवाहर दुबे, मनोरंजन कुमार, इंद्रजीत गुप्ता, बीरबल पासवान, भूलन देवी, नीतीश कुमार पासवान,बालेश्वर यादव,उदय प्रसाद यादव,विद्या सागर,विपिन कुमार श्रीवास्तव, अरविंद प्रसाद गुप्ता,उज्ज्वल श्रीवास्तव, उदय कुमार गुप्ता तथा सतवंत कुमार यादव के नाम शामिल है। इस अवसर पर विहंगम योग संस्थान के जिला सहसंयोजक गुलाब राम चंद्रवंशी ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में जिले के विभिन्न प्रखंडों के गुरु भाई बहन रक्तदान करते हैं।

अवैध उगाही के मामला अखबार में शीर्षक से छपी खबर के बाद हरकत में आये पदाधिकारी

लाभुक व दलाल के आमने-सामने हुई पुछताछ, लगाये कई आरोप

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक में दलालों के द्वारा केसीसी ऋण में अवैध उगाही के मामला अखबार में शीर्षक से छपी खबर के बाद झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक के पदाधिकारी हरकत में आए, किया जांच। बताए चले कि बुधवार को झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक के केसीसी लाभुकों ने बैंक पहुच कर दलाल अनिरुद्ध पासवान एवं राकेश ठाकुर ने बैंक स्टाफ को मैनेज करने के नाम पर केसीसी से पैसे निकासी के बदले अवैध तरीके से पैसा उगाही का आरोप लगाते हुए जम कर हंगामा किया था। जिसकी खबर अखबार में छपने के बाद झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक बुका शाखा का रीजनल मैनेजर शंकर कुमार चौधरी बैंक में पहुच कर मामले का जांच किया। जांच के दौरान लाभुक एवं दलाल के आमने-सामने कर पूछ ताछ किया। भुक्तभोगी लाभुक रोहिनिया निवासी ईसार मोहम्मद मियां ने बैंक मैनेजर पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब हम लोग बैंक में मैनेजर से पूछते हैं तो पैसा नही होने की बात कहा जाता है जबकि दलाल अनिरुद्ध पासवान के माध्यम से पासबुक भेजा तो 20 हजार रुपये होने की बात कहते हुए निकसी कराया। जिसके बदले में 10 हजार रुपये दलाल अनिरुद्ध पासवान ने ले लिया। वहीं मनोहर प्रसाद ने बताया कि मेरे से 10 हजार पैसा निकासी के एवज में 4500 रुपये बैंक स्टाप के खर्च के नाम पर लिया था। बुधवार को हंगामा करने के बाद गुरुवार को अनिरुद्ध पासवान 2 हजार रुपये कैश दिया एवं राकेश ठाकुर ने 2 हजार रुपये सीएसपी संचालक मनोज गुप्ता के खाता में डाल कर मनोज गुप्ता के माध्यम से दिलाया। एवं एक लाभुक राम अवतार सिंह ने भी दलाल अनिरुद्ध पासवान को 24 हजार के निकासी पर 10 हजार लेने की बात कही। वही आधे दर्ज लाभुकों ने पासबुक लेने एवं जांच के दिन वापस करने की बात को कहा। रीजनल मैनेजर शंकर कुमार चौधरी ने सभी लाभुकों से कहा कि बैंक केसीसी ऋण जून, जुलाई, अगस्त में लाभुकों को पैसा देती है। अभी अक्टूबर में पैसा नहीं देना है लेकिन मैनेजर कैसे पैसा दिया है जांच का विषय है।

रिजनल मैनेजर शंकर कुमार चौधरी ने अनिरुद्ध पासवान से पूछताछ किया तो लाभुकों से पैसा लेने से साफ इनकार किया।

वही भूक्तभोगी लाभुकों को ने शुक्रवार तक दलाल अनिरुद्ध पासवान एवं राकेश ठाकुर के विरुद्ध स्थानीय थाने में आवेदन नहीं दिया गया था।

क्या कहते हैं आर एम : रीजनल मैनेजर शंकर कुमार चौधरी ने बताया कि दलाल अनिरुद्ध पासवान द्वारा लाभुकों से पैसे का उगाही किया गया है। लाभुकों से अनिरुद्ध के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कराने को कहा है। इस मे बैंक के स्टाप का संलिप्तता है कि नही इसकी भी जांच हम कराएंगे।

मंत्री ने मृतक के परिजन को मुआवजा देने की घोषणा की

चिनियां में बिजली करंट से दो लोगों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। चिनिया थाना क्षेत्र के राज बांसगांव में बिजली के चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई ।मृतक चिनिया थाना क्षेत्र के राज बांस गांव निवासी राम अवतार यादव 50 वर्ष एवं राम प्रकाश साव 40 वर्ष बताया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि राम अवतार यादव अपने सरसों का खेत पटाने के लिए मोटर के तार को मीटर में लगे तार से जोड़ रहे थे। इसी दौरान उसे करंट लग गया घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने दोनों को गंभीर स्थिति में घटनास्थल से उठाकर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल लाया। जहां चिकित्सकों ने उसे दोनों को मृत घोषित कर दिया घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है। उधर घटना की सूचना मिलने पर प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिले। उस दौरान उन्होंने कहा कि यह घटना काफी दुखद है। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत चार लाख मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिविल सर्जन को आदेश दिया गया है कि वे अभिलंबशव का पोस्टमार्टम कराकर मुक्ति वाहन से दोनों ही शव को उनके घर तक पहुंचाने मैं मदद करें। घटना की सूचना मिलने पर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सूरज गुप्ता भाजपा मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिले। उस दौरान सूरज गुप्ता ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि मृतक के परिजनों को 1000000 रुपए मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी मिलना चाहिए।

सामाजिक संगठनों ने आम की लकडी का किया वितरण

भवनाथपुर। छठ महापर्व के अवसर पर भवनाथपुर व्यवसायिक संघ की ओर से आम की लकड़ी का वितरण किया गया जिसे लेने के लिए सुबह से ही भीड़ लगी हुई थी व्यवसायिक संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि सभी तरह का फलाहारी बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाता है लेकिन आम की लकड़ी उपलब्ध नहीं हो पाने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। जिसे देखते हुए संघ की ओर से आम की लकड़ी का व्यवस्था कराया गया है। वहीं संघ के सचिव नवल किशोर प्रसाद ने बताया कि अभी तक 203 व्यवसाई को आम का लकड़ी उपलब्ध करा दिया गया है। वही आगे भी व्यवसायिक संघ व्यवसायी हित में कार्य करता रहेगा। मौके पर व्यवसायिक संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार, सचिव नवल किशोर प्रसाद, कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश आर्य, उपाध्यक्ष अवध किशोर गुप्ता, महेंद्र प्रसाद, शिवकुमार साहू आदि मौजूद थे।

ऑटो व बाइक की टक्कर में एक महिला की मौत, पांच व्यक्ति घायल

नावाडीह से लौट रही मृतका सुनीता देवी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। एनएच 343 गढ़वा-अंबिकापुर मार्ग पर गढ़वा थाना क्षेत्र के ओबरा गांव के समीप शुक्रवार की दोपहर में आटो व बाइक की टक्कर में एक महिला की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतका सुनीता देवी 30 वर्ष पति राजनंदन राम गढ़वा थाना क्षेत्र के नगर परिषद अंतर्गत सोनपुरवा मोहल्ला की रहनेवाली थी। जबकि घायलों में कांडी थाना क्षेत्र के भरत पहाड़ी गांव की बरती कुंवर, गढ़वा थाना क्षेत्र के सोनपुरवा मोहल्ला की कालिंदा देवी पति नंदलाल राम, गढ़वा थाना क्षेत्र के ओबरा गांव निवासी निकेश कुमार सिंह पिता सत्येंद्र सिंह, दिनेश कुमार सिंह पिता संजय सिंह व पिंटू कुमार प्रजापति पिता मिथिलेश प्रजापति शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया था। इनमें पिंटू कुमार प्रजापति के प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया। जबकि अन्य सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार सुनीता देवी, बरती कुंवर व कालिंदा देवी गढ़वा थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव स्थित सालोम चर्च में गए थे। चर्च में प्रार्थना में भाग लेने के बाद आटो से तीनों महिलाएं गढ़वा लौट रही थी। बताया गया कि आटो में आठ लोग सवार थे। इस दौरान ओबरा गांव में विपरीत दिशा से आए एकही मोटरसाइकिल पर सवार निकेश कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह व पिंटू कुमार प्रजापति ने आटो में टक्कर मार दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने परीक्षण कर सुनीता देवी को मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर गढ़वा थाना पुलिस ने उसके शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया।

मतांतरण के बाद नावाडीह गांव स्थित सालोम चर्च में जाती थी महिला

बताया गया कि सुनीता देवी मूल रुप से बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले के नबीनगर की रहनेवाली थी। उसके पति गढ़वा जिले के खरौंधी में शिक्षक हैं। गढ़वा शहर के सोनपुरवा में भी सुनीता देवी का घर है। बताया गया कि उसके घर के निकट में इसाई मिशनरी से संबंधित कार्यालय व एक विद्यालय का संचालन होता है। वहीं से करीब तीन वर्ष पूर्व सुनीता देवी का मतांतरण हो गया था। इसके बाद वह हमेशा ही नावाडीह स्थित चर्च में प्रार्थना में भाग लेने जाती थी। शुक्रवार को सुनीता देवी ने अपने मकान में किराए पर रहनेवाली बरती कुंवर को भी पहली बार चर्च में लेकर गई थी। बरती कुंवर के अनुसार मकान मालकिन ने उससे कहा था कि पहले चर्च में चलकर समझ लीजिए। इसके बाद आगे जो भी मन होगा, वही कीजिएगा। बरती कुंवर ने बताया कि वह चर्च में गई और वहां प्रार्थना में भाग लेकर लौट रही थी। तब यह दुर्घटना घटित हो गई। सुनीता देवी के साथ कई अन्य लोग भी चर्च में गए थे।

छठ महापर्व के पहले दिन छठ व्रती पंडा और सोन नदी में स्नान कर भगवान सूर्य की पूजा अर्चना की

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू

नवीन मेल संवाददाता

केतार। नहाय खाय के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू हो गया। छठ महापर्व के पहले दिन छठ व्रती पंडा और सोन नदी में स्नान कर भगवान सूर्य की पुजा अर्चना किया और घर जाकर पवित्रता का ख्याल रखते हुए पीतल के वर्तन में कद्दू, भात और चाना का दाल बनाकर प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को पुरे दिन छठ व्रती उपवास रखकर शाम को खरना करेंगी। खरना के साथ ही छठ व्रतीयों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा। रविवार की शाम छठ व्रती सूर्य नारायण वन छठ घाट पर डुबते हुये सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पुरी रात सपरिवार नारायण वन छठ घाट पर रहकर व्रत पुरा करेंगें और सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित के साथ छठ महापर्व का समापन हो जायेगा। छठ महापर्व को लेकर केतार सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खास उत्साह देखा जा रहा है।प्रखंड के मुकुन्दपुर गांव स्थित सूर्य नारायण वन, अमराहीदह, बत्तो कला सूर्य मंदिर, केतार पंडा नदी, बुढी खांड छठ घाट सहित विभिन्न गांवों के जलाशयों, पंडा नदी और सोन नदी किनारे छठ घाट बनाया गया है। वहीं इस बार सूर्य नारायण वन परिसर में 25 सीसीटीवी कैमरा भी लगाया जा रहा ताकि असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा छठ घाट पर साफ सफाई और लाईट की व्यवस्था किया जा रहा है। इधर मुकुन्दपुर गांव के सुप्रसिद्ध सूर्य नारायण वन छठ घाट पर छठ पूजा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। सूर्य मंदिर विकास समिति के द्वारा सूर्य नारायण वन को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। मंदिर परिसर में पार्किंग व्यवस्था, लाइटिंग व्यवस्था, स्नान के लिए झरना, पेयजल, मेडिकल कैप, सुरक्षा व्यवस्था सहित तैयारी किया जा रहा है। मंदिर कमिटी के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया की शनिवार की दोपहर तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जायेगी।छठ घाट पर दो दिवसीय मेला भी लगता है।विदित हो की सूर्य नारायण वन छठ घाट पर झारखंड के अलावे बिहार, उत्तरप्रदेश, छतिसगढ़, मध्यप्रदेश सहित अन्य पड़ोसी राज्यों से लाखों छठ व्रती छठ महापर्व करने सूर्य नारायण वन छठ घाट पर पहुंचते हैं।छठ घाट पर सुर्य भगवान का विशाल मंदिर का निर्माण कार्य भी पुर्ण हो गया है।।

न्यूज गैलरी

महुआडांड़ स्थित साईं मोबाइल स्टोर के समीप छलका टूट कर सड़क में बनाया गड्ढा, दुर्घटना को दे रहा दावत

महुआडांड़। प्रखंउ स्थित साईं मोबाइल स्टोर के समीप में छलका का निर्माण कराया गया था छलका टूट कर सड़क में एक गड्ढा बन गया है। इस रास्ते से प्रतिदिन हजारों लोगों समेत अधिकारियों का भी आना जाना लगा रहता है लेकिन इसे अभी तक बनवाया नहीं गया है। जबकि इसी रास्ते से छठ महापर्व को लेकर छठ वर्ती छठ करने रामपुर नदी छठ घाट जाते हैं। छठ महापर्व भी प्रारंभ होने वाला है लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गड्ढे को बनवाया जाए ताकि आने जाने वाले लोगों को आसानी हो सके। इससे पूर्व में भी कई मोटरसाइकिल सवार इस गड्ढे में गिरे हैं और चोटे भी आई है अगर इस गड्ढे को नहीं बनवाया गया तो कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

जिप सदस्य ने किया चपरी गांव का दौरा, राशन नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

बरवाडीह। प्रखंड के पूर्वी जिप सदस्य कन्हाई सिंह ने शुक्रवार को छेवा पंचायत के चपरी गांव का दौरा किया .मौके पर ग्रामीणों ने राशन के मुद्दे को जोर शोर से उठाया .हरा राशन कार्ड धारियों ने कहा कि सितंबर, अक्टूबर माह का राशन नहीं मिलने के कारण उनके बीच भूखमरी की स्थिति हो गई है। कन्हाई सिंह ने कहा कि पर्व त्यौहार के बीच जरूरतमंद परिवारों का राशन नहीं मिलना सरकार एवम प्रशासन की नाकामी है। उन्होंने कहा अगर अक्टूबर के अंत तक हरा राशन कार्ड धारियों को राशन नहीं मिला तो प्रखंड कार्यालय का घेराव किया जाएगा। मौके पर काफी संख्या में कार्डधारी, कमलेश सिंह, मुन्ना सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत विकास योजना को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

गिद्धौर(चतरा)। सब की योजना, सबकी विकास कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत विकास योजना 2023-24 को लेकर शुक्रवार को गिद्धौर प्रखंड के बारियातु पंचायत के बांय गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुखिया डेगन गंझू ने किया। ग्राम सभा में मनरेगा के तहत डोभा, तालाब, कूप निर्माण, मेढ़ बंदी, मुर्गी शेड़, बकरी शेड़, शुवर पालन, गाय शेड़, आमबगवानी के साथ-साथ 15वें वित्त आयोग के तहत पीसीसी, जल मीनार, पुल-पुलिया निर्माण, सोलर लाइट, कूप मरम्मती, चबूतरा निर्माण से संबंधित योजनाएं ली गई। जबकि जिला योजना के तहत पांच लाख की उपर तक की योजनाओं का चयन भी किया गया। मौके पर पंचायत सचिव महेश मिस्त्री, रोजगार सेवक सुनील कुमार, प्रीतम गंझू, किशोर रविदास, सोमार गंझू, फौजदारी गंझू, रुदन सिंग भोक्ता, नारायण यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

शहर से लेकर गांव के सभी छठ घाटों पर रहेगा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम: एसपी

लातेहार। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने शुक्रवार की सुबह शहर के मुख्य छठ घाट औरंगा नदी चटनाही का निरीक्षण किया। उन्होंने श्री सूर्यनारायण पूजा समिति चाणक्य नगरी पूजा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह से यहां छठ व्रतियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान समिति के अध्यक्ष ने कहा कि इस बार आकर्षक ढंग से लाइट व फुव्वारा की व्यवस्था की गई है। वहीं आने -जाने वाले छठ व्रतियों के लिए समिति के सदस्यों के द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। एसपी ने समिति के कार्यों की सराहना की। उन्होंने सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिया। एसपी ने कहा कि छठ व्रतियों के लिए बेहतर सुविधा एवं सुरक्षा के साथ साफ-सफाई व्यवस्था का इंतजाम किया गया है। शहर से लेकर गांव के सभी छठ घाटों पर सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है।अगर किसी भी तरह के अनहोनी पर तुरंत सूचना देने की बात कही। इस मौके पर मेजर सुशांत कुमार, संतोष कुमार, अश्विनी कुमार सिंह, समिति के महामंत्री अनिल कुमार पप्पू, उपाध्यक्ष राजेश प्रसाद आदि मौजूद थे।

व्रतियों ने सुबह पवित्र स्नान कर शाम को कद्दू-भात का प्रसाद ग्रहण किया

लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू, खरना आज

नवीन मेल संवादाता

चतरा/मयूरहंड/इटखोरी/पत्थलगड़ा। लोक आस्था का तीन दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय खाय के विधान के साथ प्रारंभ हो गया। व्रतियों ने सुबह पवित्र स्नान कर शाम को लौकी की सब्जी, चने की दाल का प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को खरना का विधान किया जाएगा और व्रती पूजा के लिए सभी तैयारी करेंगे। वहीं दिन भर के उपवास के बाद रात में खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसी के साथ 36 घण्टे का निर्जला उपवास प्रारंभ हो जाएगा। वहीं रविवार को विभिन्न नदी व तालाबों के घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा की जाएगी, जबकी सोमवार के सुबह उदयीमान सूर्य की पूजा अर्चना के साथ ही तीन दिवसीय लोक आस्था के इस महापर्व का समापन होगा। छठ पर्व के लिए जिला मुख्यालय के अलावे सभी प्रखंड़ों में नदी व तालाबों के विभिन्न घाटों में तैयारी लगभग पूरी हो गई है। इस बार लोगों में छठ की आस्था अपने चरम पर है। दुसरी ओर नहाय खाय के साथ घर में शुद्धता का बहुत ध्यान रखा जाता है, और लहसुन-प्याज बनाने की मनाही हो जाती है। छठ व्रत एक कठिन तपस्या की तरह माना जाता है। छठ व्रत मूल रूप से महिलाएं ही करती हैं। हालांकि कुछ पुरुष भी इस व्रत को रखते हैं। मान्यता के मुताबिक, छठी मैया ने कार्तिकेय को दूध पिलाकर पाला था। इसी से छठ में दूध का अर्ध्य देने की परंपरा शुरू हुई। सूर्य प्रत्यक्ष देवता माने जाते हैं।

मुखिया ने समर्थकों संग छठ घाट की कराई सफाई

कुंदा(चतरा)। लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ प्रारंभ हो चुका है। वहीं शुक्रवार को कुंदा प्रखंड अंतर्गत महादेव मठ छठ घाट की साफ-सफाई मुखिया मनोज कुमार साहू ने अपने समर्थकों संग की। मुखिया ने ने छठ घाट तक जाने के लिये उबड़ खाबड़ रास्ते को मजदूरों से समतल करवाया। साथ ही घाट के आसपास फेले कचरे की सफाई की गई। ताकी सूर्योपासना में व्रतियों को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो। मुखिया ने कहा कि हर वर्ष छठ घाट की सफाई, साउंड, लाइट की व्यवस्था व फल वितरण निजी खर्च से की जाती है। सफाई अभियान में मुखिया के साथ रवि कुमार, संदीप कुमार, सुधीर कुमार, रघुनाथ सिंह, कृष्णा गुप्ता, सोनू कुमार, राकेश कुमार समेत अन्य शामिल है।

जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में डीसी ने दिये कई दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। शुक्रवार को जिलास्तरीय आपदा प्रबंधन की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में की गयी। बैठक में उपायुक्त ने निदेश दिया कि अतिबृष्टि से हुए फसल नुकसान एवं मकान मरम्मती की अनुदान की राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाय। साथ ही गत दिनो जिले के जलाशयों में डूबने से मृत व्यक्ति के परिजनों को भी अविलंब राशि देने का निर्देश दिया। इसके अलावे उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारीयों को अग्निकांड में हुए नुकसान के लिए उप आबंटित राशि का भुगतान कर इसका उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने व वज्रपात से हुए जानमाल क्षति के एवज में अनुग्रह अनुदान की राशि जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि आपदा से संबंधित लंबित भुगतान का निबटारा जल्द से जल्द कर लिया जाय। लाभुकों को ससमय लाभ की राशि प्राप्त हो यह सुनिश्चित करें। गत कोविड 19 महामारी के संक्रमण से मृतक व्यक्ति के परिजनों को भी चिन्हित कर अविलंब राशि भुगतान करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सभी अंचलवार उप आबंटित आपदा प्रबंधन की राशि की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि वितरित की गयी राशि की उपयोगिता प्रमाण पत्र अविलंब उपलब्ध कराएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी (दक्षिणी), एसडीओ चतरा, सिमरिया, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, सभी अंचलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम में डीसी समेत छात्रों ने लिया हिस्सा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिला खेल कार्यालय के द्वारा फिट इंडिया फ्रीडम रन 3:0 का आयोजन किया गया। उपायुक्त भोर सिंह यादव, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी एवं जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखा कर दौड़ को रवाना किया गया। उपायुक्त के नेतृत्व में जिले के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट, छात्रों एवं आमजनों ने दौड़ में हिस्सा लिया। दौड़ कारगिल पार्क से शुरू होकर समाहरणालय परिसर में समाप्त हुई।

दौड़ में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नवीन सिन्हा, उप विकास आयुक्त सुरेंद्र कुमार वर्मा, परियोजना निदेशक आईटीडीए विन्देश्वरी ततमा, अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लांग, जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

बाइक पर बैठी महिला की गिरने से मौत

चंदवा। शहर के मुख्य सड़क पर थाना के समीप बाइक से गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान लोहरदगा निवासी शिवम तिर्की की पत्नी हर्षित तिर्की (62) वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार घायल महिला अपने परिजन संग बाइक पर सवार होकर इन्दिरा गांधी चौक से शुक्रबाजार की ओर जा रही थी इसी बीच थाना के समीप सड़क पर अचानक बाइक के सामने एक महिला आ गई। जिसे बचाने के क्रम में बाइक चला रहा। युवक ने स्पीड ब्रेक लगा दिया बाइक अनियंत्रित होने की वजह से पीछे बैठी महिला सड़क पर गिर गई। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई।आनन फानन में घायल महिला को परिजन ने ऑटो से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टर ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुये प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया।

मुखिया के पहल पर किसुनपुर से लुकुइया नदी तक दुर्गम पथ कराया दुरूस्त

टंडवा (चतरा)। टंडवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत किसुनपुर में शुक्रवार को छठ घाटों की सफाई मुखिया निलेश ज्ञासेन उर्फ सोनू सिन्हा द्वारा कराई गई। इस दौरान घाट तक जाने के लिए पड़ने वाले लगभग डेढ़ किलोमीटर दुर्गम पथ को मुखिया के पहल पर जेसीबी के माध्यम से दुरुस्त किया गया। वहीं पंचायत क्षेत्र के कबरा, वृंदा, सिसई एवं सनहा में भी छठ घाटों की सफाई कराई गई। ग्रामीणों के अनुसार हजारीबाग एवं चतरा जिले के बीच सीमावर्ती सड़क होने के कारण दुर्गम होने के बावजूद इसी सड़क का उपयोग अधिकांशत किया जाता रहा है। यहां से बड़कागांव की दूरी लगभग 12 किलोमीटर, टंडवा भाया केरेडारी के अपेक्षा दूरी कम पड़ती है। इस कार्य के लिए मनोज पाठक, महेंद्र महतो, रंजन सिंह, दशरथ साव, गणेश सिंह, संतोष राम, महाबीर महतो, अरविंद पाठक, प्रदीप प्रजापति, मनु महतो, संतोष प्रजापति व हजारीबाग जिले के नौवाखाप, चट्टी बारियातु, पगार, जोरदाग के ग्रामीणों ने मुखिया का आभार व्यक्त किया है।

बिरसा मुंडा जयंती धूमधाम से मनाने को लेकर हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने को लेकर शहर के गुरिटाँड़ स्थित बिरसा मुंडा स्मारक स्थल पर बिरसा मुंडा स्मारक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करमा मुंडा ने की जबकि बैठक का संचालन बबन मुंडा कर रहे थे।बैठक में आगामी 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। जयंती के अवसर पर गुरिटाँड़ स्थित स्मारक स्थल पर मेले का भी आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में वक्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में मांडर विधानसभा की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, लातेहार विधायक बैथनाथ राम,पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी राजकुमार लकड़ा,चंदवा प्रखंड प्रमुख मनीषा उंराव बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। जिसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दी गई है। बैठक में मुख्य रूप से चंदवा पूर्वी मुखिया रंजीत उंराव,जितेंद्र सिंह, बिनेश्वर उंराव, संजय मुंडा, गणेश मुंडा, रंथु मुंडा, संतोष मुंडा, सनोज मुंडा, अनजन मुंडा, राजेंद्र मुंडा समेत कई लोग मौजूद थे।

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA
Email : eedwsd.chatra01@gmail.com

Letter No :1088 **Date :28.10.2022**

Corrigendum

The following changes have been done due to some unavoidable circumstances in Tender Notice No. DWSD/MYD/DORHI/RPWSS/CH/31/2022-23 (1st Call) Detailed survey, designing and drawing, Construction of 2.50 MLD Capacity Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir (i) 2.70 Lakh Litre capacity with 23 M Staging, (ii) 2.50 Lakh Litre capacity with 16 M Staging, (iii) 1.40 Lakh Litre capacity with 22 M Staging, Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of Centrifugal pump motor and five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for Dorhi (Mayurhund) Block Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W. & S. Division Chatra "On Turnkey Basis" Under D.W.&S. Division, CHATRA for the Year 2022-23 under (JJM) published vide P.R. No. – 279998 (DWSD) 2022-23

Sl. No.	Particular	Previously Published	Amended as follow
1.	Estimated Cost	Rs. 21,68,43,000/- (Rs. Twenty One Crore Sixty Eight Lac Forty Three Thousand Only)	Rs. 21,21,99,000/- (Rs. Twenty One Crore Twenty One Lac Ninety Nine Thousand Only)
2.	Earnest Money	Rs. 21,69,000/- (Rs. Twenty One Lac Sixty Nine Thousand Only)	Rs. 21,22,000/- (Rs. Twenty One Lac Twenty Two Thousand Only)
3.	Date of Uploading Tender on Website	29.10.2022 at 05:00 P.M.	07.11.2022 at 05:00 P.M.
4.	Pre-bid meeting	07.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.	17.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng. -in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.
5.	Last Date and Time for Online Submision of Bid.	16.11.2022 up to 05:00 P.M.	21.11.2022 up to 05:00 P.M.
6.	Last Date & Time of Receiving EMD/Cost of BOQ (Hard Copy)	17.11.2022 up to 03:00 P.M. at Executive Engineer, D.W.&S. Division, CHATRA, Jharkhand	22.11.2022 up to 3:00 P.M In the Office of (i) Executive Engineer, D.W & S. Division, Chatra (ii) Suprintending Engineer, D.W&S. Circle, Hazaribagh AND (iii) Regional Chief Eng. DW&SD, Ranchi Zone, Ranchi.
7.	Date of Opening of Tender	18.11.2022 at 03:00 P.M.	23.11.2022 at 11:30 A.M.

• Other Terms & condition will be same as mentioned in NIT & B.O.Q

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

PR.NO.281010 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

Office of the Deputy Commissioner, Chatra, Jharkhand
Tel. No.: +91 8789395642 Email: drda.chatra@gmail.com,
Website: www.chatra.nic.in
(District Social Welfare Office)

Walk in Interview
(For various posts under District Social Welfare Office, Chatra)

Qualified, competent and eligible candidates are invited to attend the Walk-in – Interview on 11th November 2022 from 10:30 a.m. to 2 p.m. The candidate application should provide resume and original and self-attested photocopies of identity proof, education and professional experience certificates along with 2 passport size photographs for the following positions mentioned below on contractual basis only. The criterion of qualification and salary are mentioned below, but based on the candidate experience and expectations, emoluments and terms and conditions are flexible and negotiable.

Sr. No.	Designation	Number of positions available	Qualification	Tentative Remuneration per month
1	Nutritionist	12	NHM Standards. Masters/Bachelors in food and nutrition/home sciences (Hons/pass). minimum 1-year work experience in Health sector/relevant field. Basic computer skills especially those related to MS Office good data management skills. Would be given preference to female candidates. Fluency in local language both written and spoken. Ability to work in a team	`15,000 *Field allowance of maximum 500 per visit (including TA/DA) will be provided, but to a maximum of 26 days in a month. The allowance will be based on decision of the selection committee.
2	Expert in Public Health Management	1	Masters or MBA in Public Health/Nutrition/health care management/Hospital management/Hospital administration/MPH/health sciences or related fields from a reputed institute with minimum 50% marks. Preference will be given to PhD holders, MBBS, Public Health management, 0-2 years' work experience mandatory.	`55,000 (negotiable for MBBS doctors)
3	DEO-MIS expert	2	Graduation with Diploma in Computer Application (DCA). Typing speed 30 wpm on computer test. OR must have passed BCA/BSC.IT/BE/B.Tech/MCA or equivalent from a recognized Board. 0-2 years of work experience in related job roles. Desirable work experience in software application, data management, Microsoft office etc.	`18,000

Location of Walk-In Interview: 1st Floor, Conference Hall, Vikas Bhavan (DRDA Building), Nagwa Chowk, Chatra, Jharkhand,825401

NOTE:
1. The District Administration reserves the right to change the schedule. The above-mentioned date may change due to abrupt declaration of holiday. Please visit the website www.chatra.nic.in for the same.
2. The panel holds the right to withdraw/cancel the appointment of any candidate, if found furnishing wrong information or otherwise at any stage
3. For more details, please visit the website www.chatra.nic.in

In-Charge Selection Committee
District Social Welfare Office
Chatra, Jharkhand

PR.NO.280994 Social Welfare,Women and Child Development(22-23):D

राज्य के मुख्य सचिव ने भ्रमण किया लोधा फॉल

महुआडांड़। जिले की प्रसिद्ध महुआडांड़ स्थित लोध फॉल का मुख्य सचिव सुखदेव सिंह अपने पूरे परिवार के साथ भ्रमण कर लोध फॉल का नजारा देखा इससे पूर्व नेतरहाट से निकलकर रास्ते में पढ़ने वाली पकरीपाठ स्कूल का भी निरीक्षण किया। लोध फॉल देखने के क्रम में उन्होंने कहा कि लोध फॉल का मनोरम दृश्य बहुत ही सुंदर है । यह स्थल पर्यटन के रूप में विकास के होता हे तो लोगों को रोजगार मिल पायेगा। मुख्य सचिव इसके पश्चात मुख्य सचिव गारू स्थित मारोमार गए जहां मिर्चाइया फॉल का भी लुफ्त उठाया। मौके पर एसडीओ नीत निखिल सुरीन, बीडीओ अमरेग डांग, डीएसपी राजेश कुजूर, पुलिस निरिक्षक धर्मदेव पासवान सहित वन विभाग के इको समिति के सदस्य उपस्थित थे ।

बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र में विधि-विधान के साथ हुआ नहाय-खाय का अनुष्ठान

सूर्योपासना का पर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में सूर्य उपासना आस्था महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाए खाए के साथ ही शुरू हो गया। आस्था महापर्व छठ के पहले दिन व्रतियों द्वारा पूरे विधि विधान से अपने नजदीक के सरोवर, कुआं,तालाब आदि जगहों में स्नान कर अरवा चावल की भात, चना दाल एवं लौकी की सब्जी बनाकर अपने पूरे परिवार के साथ नहाए खाए का अनुष्ठान कर शुरू किया। सूर्य उपासना पर्व नहाय खाय को लेकर शुक्रवार बाजार में लौकी की बिक्री खूब रही।

वही नहाए खाए संपन्न होने के बाद सूर्य उपासना खरना पर्व की तैयारी भी शुरू हो गया। खरना पर्व की तैयारी को लेकर शुक्रवार को बाजार में खरीदारी को लेकर काफी भीड़ भाड़ रहीं। छठ व्रत की तैयारी में बाजार में सूप टोकरी आदि पूजन सामग्री की बाजार में खरीदारी को लेकर काफी भीड़ रही।

छठ व्रतियों के लिए निःशुल्क आम की लकड़ी का वितरण

बरवाडीह। छठ पूजा सहायतार्थ समिति द्वारा शुक्रवार की सुबह प्रखंड मुख्यालय के बस स्टैंड के समीप सुबह 7 बजे सभी छठवर्तियों के बीच निशुल्क आम की लकड़ी का वितरण किया गया. जिसके बाद सरईडीह स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में 10 बजे आम की लकड़ी का वितरण किया गया। छठ पूजा सहायतार्थ समिति द्वारा आम की लकड़ी की वितरण किए जाने की सूचना पर शुक्रवार सुबह से ही प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र के काफी संख्या में छठ व्रतियों के परिवार आम की लकड़ी लेने पहुंचे हुए थे। अत्यधिक भीड़ देखते हुए छठ व्रतियों के परिवारों को कतार बद्ध करा कर व्रतियों के बीच बारी बारी से आम का लकड़ी का वितरण किया गया। प्रखंड मुख्यालय में करीब 500 से अधिक छठ व्रतियों के बीच आम का लकड़ी वितरण किया गया। इसके उपरांत सरईडीह शिव मंदिर परिसर के सामने छठ व्रतियों के बीच बरवाडीह छठ पूजा समिति द्वारा आम का लकड़ी वितरण किया गया.समिति के दीपक राज ने बताया कि धार्मिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सहायतार्थ समिति के लोग बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते आ रहें है. हर वर्ष छठ पूजा के अवसर पर समिति के सदस्यों के द्वारा आम की लकड़ी का वितरणकिया गया। वही इसके -साथ हीअर्घ्य के लिए दूध, गन्ना या फल इत्यादि का वितरण किया जाता रहा है. छठ व्रतियों की सुविधाओं के मद्देनजर समिति के सदस्य सक्रिय है. वहीं आम की लकड़ी वितरण कार्यक्रम में छठ पूजा सहायतार्थ समिति के दीपक राज, हेमंत कश्यप, दीपक गुप्ता, आर्या ठाकुर डब्लू, अंकित गुप्ता, सोनू सिंह, उपेंद्र कु.यादव, नरेश चौरसिया, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

अधिकारियों ने दिखाई मानवता घायलों का कराया इलाज

सिमडेगा। श्रम अधीक्षक पुनीत मिंज और ईडीएफ असीम जी ने दिखाई मानवता। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को अपनी गाड़ी में पहुंचाया सदर अस्पताल। बताया गया कि दोनों अधिकारी सिमडेगा की ओर आ रहे थे, इसी क्रम में शुक्रवार को उन्होंने सड़क किनारे दो वाहन को दुर्घटनाग्रस्त देखा। दुर्घटना में वाहन में सवार लोग को हल्की चोट आई थी और दर्द से कराह रहे थे। दोनों अधिकारी ने तुरंत सभी घायलों को अपनी गाड़ी में बैठाया और सदर अस्पताल सिमडेगा में लाकर इलाज कराया अधिकारियों के व्यवहार से घायल के परिजन काफी खुश दिखे इधर घायल परिवार ओडिशा राज्य के रहने वाले बताए जा रहे हैं।अधिकारियों की कार्यशैली कि सभी लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

बोलबा शंख नदी का प्रशासन व जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण, आज से होगी सफाई

बोलबा। बोलबा प्रखण्ड मुख्यालय के शंख नदी स्थित छठ घाट का प्रखण्ड प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण किया एवं आज से होगी सफाई बताया गया कि बोलबा प्रखण्ड मुख्यालय के सभी छठ व्रतियों ने प्रत्येक वर्ष के भाँति छठ व्रत के मौके पर भगवान भास्कर को अर्घ्य शंख नदी में देते हैं जिसका पूर्व से ही छठ घाट एवं रास्ते की साफ-सफाई किया जाता है। आज अंचल अधिकारी बलिराम माँझी, समसेरा पंचायत मुखिया सुरजन बड़ाईक एवं ग्रामीणों ने छठ घाट जाने का रास्ते एवं घाट का निरीक्षण किया। बताया गया कि कल से साफ-सफाई का काम शुरू किया जायेगा।

छठ महापर्व के मद्देनजर कैरो थाना सब इंस्पेक्टर ने किया निरीक्षण

कैरो / लोहरदगा। छठ महापर्व के मद्देनजर कैरो थाना सब इंस्पेक्टर हरिऔध करमाली के द्वारा ग्राम सढाबे, टाटी, खरता और हनहट के छठ घाटों जैसे- टाटी तालाब, शंख नदी घाट, सढाबे नदी घाट और धरहरा नदी घाट का निरीक्षण कर छठ घाट स्थल के साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था व छठ व्रतियों की सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि आस्था का महापर्व छठ पर व्रतियों को छठ घाटों पर किसी तरह की परेशानी न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दौरान उपस्थित स्थानीय ग्रामीणों को छठ घाटों में लाइटिंग व्यवस्था करने, भोलेन्टियर्स रखने, बच्चों को गहरे पानी में जाने से रोकने एवं महिला छठव्रतियो के कपड़े बदलने के स्थान की पदार्युक्त घेराबंदी करने संबंधी उपाय के बारे आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा किसी भी प्रकार घटना घटित होने पर तुरंत लोगों को 100 नम्बर या कैरो थाना पुलिस को सूचना दे।

पांच माह पूर्व हुए डबल हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने किया निरीक्षण

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत उगरा पंचायत ग्राम स्थित उगरा मुरपा सिमाना टोंगरी जंगल में विगत पांच माह पूर्व महिला व युवक की हत्या किया गया था। जिसमें सेन्हा पुलिस की कारवाई जारी होने के बाबजूद संलिप्त अपराधी प्रशासन के गिरफ्त में नही आया है। जिस पर पुलिस द्वारा कारवाई जारी है। इसी संदर्भ में घटना का उतभेदन को लेकर शुक्रवार को सेन्हा थाना प्रभारी ऋषिकांत दलबल के साथ घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए कारवाई में जुट गए है। वहीं मृतक प्रताप महली के पिता सीताराम महली ने बताया कि अपराधी बेखौप हो घूम रहा है। जिससे हम सभी परिवार असुरक्षित महसूस कर रहें है। साथ ही थाना प्रभारी से अर्जी लगाते हुए न्याय का गुहार लगाया था। इस संदर्भ में थाना प्रभारी ऋषिकांत ने मृतक के पिता की बात को गम्भीरता से सुनते हुए उन्होंने कहा घटना में संलिप्त अपराधी की गिरफ्तारी में पुलिस कदम उठा रही है और जल्द ही न्याय मिलेगा। पीड़ित परिवार को आश्वस्त कराते हुए कहा इस घटना में जंचपरांत जो भी दोषी पाया जाएगा उसपर सख्त कानूनी कारवाई होगी।

विधायक भूषण बाड़ा के प्रतिनिधियों-कार्यकर्ताओं ने शंख छठ घाट पहुंच सुविधाओं का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि और उनके कार्यकताओं ने शंख छठ घाट पहुंच सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही छठ घाट को सुविधायुक्त बनाने में अपने स्तर से हर सम्भव मदद करने का भरोसा जताया। विधायक के जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह व जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन ने संयुक्त रूप से बताया कि विधायक का जिले से बाहर कार्यक्रम रहने के कारण वे जिले के छठ घाट नहीं पहुंच पाए। साथ ही अपने प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को छठ घाटों में मौजूद सुविधाओं का जायजा लेने भेजे हैं। उन्होंने बताया कि शंख छठ घाट में होने वाली कमी को दूर

करने की दिशा में विधायक भूषण बाड़ा लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के दौरान छठ घाट को सुविधायुक्त बनाने के लिए विधायक हर सम्भव मदद करने के लिए तैयार हैं। कमेटी के लोग किसी तरह की परेशानी होती है तो सीधे विधायक से सम्पर्क कर अपनी समस्या रख सकते हैं। कहा कि इस सम्बंध में विधायक ने अधिकारियों को भी छठ घाट का निरीक्षण कर समय पर सभी सुविधाओं को दुरुस्त करने का निर्देश पूर्व में ही दे

> उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के दौरान छठ घाट को सुविधायुक्त बनाने के लिए विधायक हर सम्भव मदद करने के लिए तैयार हैं। कमेटी के लोग किसी तरह की परेशानी होती है तो सीधे विधायक से सम्पर्क कर अपनी समस्या रख सकते हैं।

चुके हैं। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी सह पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अजित लकड़ा, उपप्रमुख सिल्वेस्टर बघवार, विक्की केसरी सहित कमेटी के सुबीर कुमार, कांग्रेसी नेता से छठ पूजा कमेटी के प्रदीप केसरी, चंदन लाल, अमित मित्तल, रवि वर्मा सहित कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे।

लोहरदगा में आजादी के 75 साल फिटनेस रहे बेमिसाल का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पर्यटन,कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन, लोहरदगा के संयुक्त तत्वधान में फिट इंडिया फ्रीडम रन/वॉक 3.0 का आयोजन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चौक समाहरणालय मैदान लोहरदगा से किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत थीम आजादी के 75 साल, फिटनेस रहे बेमिसाल का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और विशिष्ट अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी लोहरदगा शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा विधिवत रूप से झंडा दिखा कर खिलाड़ियों को रवाना किया गया। झारखंड के नवा मंजर संस्था सेन्हा के कलाकारों, दीप नारायण सिंह के कलाकारों, आलोक राज लोकनाथ लोहरा काला जत्था दुंदरू पेशरार के कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिरसाय उरांव,जिला खेल पदाधिकारी लोहरदगा शिवेंद्र कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, कार्यालय के खेल सहायक लखन राम,राम चरण राम, जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष महादेव उरांव , मनोज गोप विजय कुमार महतो एमएम उच्च विद्यालय लोहरदगा के खेल प्रशिक्षक अनिल ठाकुर राम जगनंदन पुराणिक, संजय भगत शारीरिक शिक्षक एवं संत स्तानिसलास उच्च विद्यालय कैमो पतराटोली लोहरदगा के विद्यार्थी जिला कुश्ती संघ के महिला पुरुष पहलवान एवं कराटे संघ कुडू के खिलाड़ी शामिल हुए।

बच्चा का शव बरामद के पश्चात प्रशासन ने डॉग स्कॉट टीम की ली मदद

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। पारही विसाहा टोली में कुएं से बच्चा का शव बरामद होने के पश्चात डॉग स्कॉट टीम के मदद से गुथी सुलझाने के दिशा में प्रशासन ने उठाया कदम। सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत भड़गांव पंचायत के पारही विसाहा टोली से लापता बच्चा का पाँचवे दिन बाद शव

बरामद होते ही ग्रामीणों के बीच संदेहात्मक चर्चा हो रहा था। जिसे प्रशासन द्वारा संज्ञान में लेते हुए डॉग स्कॉट टीम के सहारे घटना की गुथी सुलझाने में कदम उठाया गया। जानकारी के अनुसार बता दें कि बुधवार को गांव के निर्मल उराँव के कुएं से लापता बच्चा का शव पुलिस ने बरामद किया था। जिसके बाद ग्रामीणों में चर्चा था कि किसी के द्वारा हत्या कर कुएं में शव को डाला गया है। यह बात प्रशासन तक पहुंचते ही मामला को संज्ञान में लेते हुए डीएसपी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व मे इंस्पेक्टर चंद्रमोहन हांसदा थाना प्रभारी ऋषिकांत पुआनि संतोष कुमार शस्त्र बल के साथ डॉग स्कॉट टीम द्वारा सर्च अभियान चलाया। इस संदर्भ में इंस्पेक्टर चंद्रमोहन हांसदा ने बताया कि बच्चा लापता होने के पश्चात बच्चा चोरी का अफवाह फैला था। और स्थानीय पीड़िता द्वारा डॉग स्कॉट टीम से सर्च कराने का गुहार लगया गया था। जिसके आलोक में रांची से डॉग स्कॉट टीम मंगवा कर बच्चा हत्या मामला को सुलझाने के दिशा में कदम उठाया गया है। और आगे की कारवाई अभी जारी है।

छठ पूजा के अवसर भाजपा नगर अध्यक्ष ने बांटा व्रतियों के बीच साड़ी व गेहूं

सिमडेगा। लोक आस्था का महापर्व छठ नहाए खाए के साथ शुरू हो गया जहां पर लोग अपनी अपनी श्रद्धा अनुसार सहयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को समाजसेवी सह भाजपा नगर अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद द्वारा कुंज नगर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण के समीप छठ व्रत करने वाली महिलाओं के बीच गेहूं एवं साड़ी का वितरण किया इस मौके पर छात्रवृत्ति पहुंचकर गेहूं साड़ी लेकर उनका धन्यवाद दिया। मौके पर सत्यनारायण प्रसाद ने कहा कि यह पर्व सभी लोगों की आपसी मेलजोल के साथ मनाया जाता है इसमें सभी लोगों को बढ़-चढ़कर सहयोग करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में हरसंभव हम छठ व्रतियों के लिए कर सकें मौके पर पूर्व नगर अध्यक्ष फुल सुंदरी देवी समाजसेवी भरत प्रसाद नंदनी दास सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

ठेठईटांगर प्रखंड में नहाए खाए कद्दू भात के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। लोक आस्था सूर्योपासना का छठ महापर्व नहाए खाए कद्दू भात के साथ शुक्रवार से शुरू हो गया । लोक आस्था का महापर्व 4 दिनों तक मनाया जाता है जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। ठेठईटांगर प्रखंड मुख्यालय स्थित छठ तलाब की साफ-सफाई शुरू हो चुकी है। ठेठईटांगर प्रखंड विकास पदाधिकारी दूरभाष पर जानकारी लेने पर बताया प्रखंड मुख्यालय स्थित छठ तालाब साफ सफाई की जिम्मेवारी पंचायत सचिव, एवं कल्याण विभाग पदाधिकारी महावीर बडाईक को सौंपी गई है। प्रखंड मुख्यालय स्थित तालाब में 2 किलोमीटर दूर जोराम से भी छठ व्रती छठ करने पहुंचते हैं। ग्रामवासी लाइट एवं विद्युत सज्जा करेंगे। घरों मे छठ के लोकगीत बज रहे हैं। चार

दिवसीय छठ महापर्व नहाए खाए में अरवा चावल चने की दाल कद्दू की सब्जी खाने के साथ छठ व्रती महापर्व की शुरूआत करती हैं, कद्दू भात के अगले दिन छठ व्रती पूरे दिन उपवास रहकर शाम में खरना करती हैं, उसके बाद परिवार के लोग एवं आस पड़ोस के लोग घर जाकर प्रसाद प्राप्त करते हैं। तीसरे दिन आस्थाचलगामी डूबते हुए सूर्य भास्कर तालाब या नदी में जाकर अर्ध दिया जाता है, उसके अगले अंतिम एवं चौथे दिन उदयीमान उगते हुए सूर्य भगवान भास्कर को प्रातः कालीन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा। इस साल 29 अक्टूबर को खरना 30 अक्टूबर को डूबते सूर्य भगवान भास्कर को अर्घ्य, 31 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। शुक्रवार को सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बड़ाईक अंचलाधिकारी समीर कच्छप, मुखिया संगीता मिंज छठ घाट का निरीक्षण कर आवश्यक सभी चीजों पर दिशा निर्देश दिए।

लोहरदगा में महिला से बाइक सवार अपराधियों ने लूटा रुपयों से भरा बैग

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के राणा चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा से शुक्रवार को 20 हजार रुपया निकाल कर जा रही महिला लक्ष्मी उरांव से घात लगाए दो बाइक सवार अपराधियों ने रुपए से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। घटना शुक्रवार दोपहर लगभग 11:30 बजे की है। सदर थाना में पीड़िता लक्ष्मी उरांव द्वारा अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, थाना प्रभारी अनिल उरांव, पुलिस पदाधिकारी पंकज शर्मा ने फौरी कार्रवाई करते हुए फरार हुए लुटेरों का पीछा किया। बावजूद लुटेरे भागने में सफल रहे। एसडीपीओ बी एन सिंह ने लूटकांड को लेकर तत्काल तहकीकात शुरू किया। घटनास्थल पहुंचकर अपराधियों के फरार होने की दिशा का लोकेशन लेकर उनकी घेराबंदी के लिए संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया। मिली जानकारी के अनुसार सेन्हा थाना क्षेत्र के बस गढ़िया गांव निवासी लक्ष्मी उराव अपने बचत बैंक खाता से 20 हजार रुपया की निकासी

पीएनबी शाखा से किया। बैंक से बाहर आकर वह पैदल मिशन चौक की ओर ऑटो लेने के लिए जा रही थी। घात लगाकर बैंक से ही उसका पीछा कर रहे काला रंग के हीरो हंक बाइक में सवार दो अपराधियों ने रुपयों से भरा उसका बैग छीना और बरवाटोली चौक की ओर फरार हो गया। तत्काल महिला द्वारा हो हल्ला करने के बाद लोगों को लूट कांड का एहसास हुआ और कुछ दूर तक युवकों ने अपराधियों का पीछा भी किया। घटना के बाद तत्काल पुलिस घेराबंदी करने के बावजूद अपराधी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। इस संदर्भ में एसडीपीओ बीएन सिंह ने कहा कि लूट कांड में शामिल अपराधी किसी हाल पर बक्से नहीं जाएंगे। शीघ्र उनकी गिरफ्तारी होगी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं पर गहन पड़ताल कर संवेदनशीलता से कार्रवाई कर रही है।

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू, खरना आज

छठ की तैयारियां हुई तेज, पूजन सामग्री खरीदने में जुटे लोग

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। छठ महापर्व में नहाय खाय का खास महत्व होता है। व्रतियों ने शुद्धता पूर्वक स्नान कर सात्विक भोजन कीं साथ ही ठेकुआ के लिए गेंहू को धोकर उसे सुखाने में जुट गई हैं। नहाय खाय के दिन विशेष तौर पर लौकी की सब्जी बनती है। इसके पीछे ये मान्यता है कि लौकी काफी पवित्र होता है. और लौकी में पर्याप्त मात्रा में जल होता है। इसमें लगभग 96 फीसदी पानी होता है जो व्रती को होने वाले पानी की कमी को दूर करता है। नहाय खाय के बाद दूसरे दिन शनिवार को खरना के साथ उपवास शुरू होता है। खरना के दिन शाम को व्रती सात्विक आहार जैसे- गुड़ की खीर का सेवन करेंगी। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू

होगा। तीसरे दिन छठव्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देती हैं और फिर चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस पर्व का समापन होता है। इधर लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर लोहरदगा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजार में सूप-दौरा और पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। छठ महापर्व को लेकर भक्ति की धारा बहने लगी है। लोग अपने तरीके से छठ पूजा की तैयारियों में जुट गए हैं। छठ मइया और भगवान भास्कर की पूजा अर्चना को लेकर छठव्रती जुट गए हैं। शहर से लेकर गांव-गावं में छठ पूजा की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इधर छठ पूजा से संबंधित सामग्री की खरीदारी में श्रद्धालु जुट गए हैं। सूप, दौरा, कलशा, चौका, दीया, चावल-गेहूं सहित अन्य सामान की खरीदारी चल रही है। साथ ही दूध की बुकिग की जा रही है। छठ पूजा को लेकर हर कोई जैसे खुद को समर्पित कर चुका है। छठ महापर्व को लेकर बाजार में चहल-पहल नजर आ रही है। बाजार में पूजन सामग्री और छठ महापर्व के मौके पर उपयोग में आने वाले सामान

लगी है ईख व नारियल की दुकानें

जिले के विभिन्न बाजारों में छठ पर्व की पूजन सामग्रियों में ईख व नारियल के फलों की दुकानें भी लगायी गई है। हर ओर पूजन सामानों की ही दुकानें लगी है। सड़क किनारे ईख, नारियल, टाभ, कद्दू, सेव, नारंगी सहित अन्य पूजन समानों की दुकानें लगी है। सड़क किनारे लगे फलों व पूजन सामानों की फुटकर दुकानों से जाम बढ़ा है।

जगह-जगह सूप व टोकरी की हो रही है बिक्री : बाजारों में जगह-जगह सूप व टोकरी की भी दुकानें लगी है। वहीं बर्तन दुकानों पर भी पीतल की सूप की खूब बिक्री हो रही है। बांस की छिट्टा व टोकरी की भी खूब डिमांड है। खरीदारों की भीड़ लगी है। छठ पर्व की खरीदारी से बाजार में व्रतियों की भीड़ है। सड़क किनारे लगे दुकानों से सड़क छोटी पड़ गई है।

समाज को एक सूत्र में पिरोने का आस्था का महापर्व है छठ, लोक आस्था और आत्म संयम का महापर्व है छठ

महाभारत काल में सबसे पहले सूर्य पुत्र कर्ण ने सूर्य देव की पूजा शुरू की थी

राहुल कौशल

लोहरदगा। लोक आस्था और आत्म संयम का चार दिनों तक चलने वाला छठ केवल एक पर्व ही नहीं बल्कि आस्था को पर्यावरण ,प्रकृति और जीवन दर्शन से जोड़ने तथा जातीयता की सारी हदें तोड़ समाज को एक सूत्र में पिरोने का महापर्व है। इस पर्व में देवी देवताओं की नहीं बल्कि संसार को चलाने वाले प्रकृति के सबसे महत्वपूर्ण अवयव सूर्य को श्रद्धापूर्वक नमन किया जाता है। आज के सुपर वैज्ञानिक युग में सूर्य को विज्ञान की धुरी कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा क्योंकि जीव विज्ञान से लेकर अन्तरिक्ष विज्ञान तक इसमें समाहित है। सूर्य की किरणों के बिना स्वस्थ जीवन की परिकल्पना असंभव है और यह पर्व सूर्य के इसी पहलु को स्मरण करता है। व्रत करने वाले का महत्त्व ऐसा कि ब्राह्मणवाद-दलितवाद के सारे मिथक टूट जाते हैं और सभी एक साथ जल में खड़े हो कर भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हैं।

> अस्त और उदय होते सूर्य की उपासना जीवन के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है। मेक्सिको, जापान से लेकर यूनाइटेड स्टेट्स के कोलाराडो में मेसा वेर्दे नेशनल पार्क और प्राचीन माया सभ्यता में भी सूर्य मंदिर होने के संकेत मिले हैं।

एक ब्राह्मण भी दलित छठ व्रती के चरण को पूरी श्रद्धा से छू कर इस पर्व में आशीर्वाद लेता है और भूलवश पैर लग जाने पर उनके चरण स्पर्श कर क्षमा प्रार्थना भी करता है। करोड़ों लोगों के एक साथ मिल कर अस्त और उदय होते सूर्य की उपासना जीवन के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देना उम्मीद और आशा का दामन भी थामना सिखाता है। चाहे कोई कितना भी शक्तिशाली हो अवसान अवश्यम्भावी है। उगते हुए सूर्य को नमन यह भी बताता है कि हमें धैर्यपूर्वक समय का इंतजार करना चाहिए क्योंकि जिसका अंत हुआ है उसका उदय भो होगा। यह पर्व केवल बिहार ही नहीं अपितु पूरे भारत में श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है और अब तो विदेशों में बसे भारतीयों ने अन्य देशों में भी इसे प्रचारित कर दिया है। चीन और मिश्र में पुरातन काल में सूर्य मन्दिर का होना यह दशार्ता है कि भगवान भास्कर का महत्त्व पूरे विश्व में था। चीन के बीजींग में वहां की मिंग शासन के रजा जियाजिंग ने 1530 ई. में सूर्य मंदिर बनवाया था जहाँ सूर्य की उपासना उपवास रख कर होती थी। मिश्र के इतिहास को देखा जाये तो वहां अनेक सूर्य मंदिर के होने का जिक्र मिलता है जिसमें प्रमुख रूप से अबू सिमबेल, उसेकार्फ और निउसेरे शामिल हैं। मेक्सिको, जापान से लेकर यूनाइटेड स्टेट्स के कोलाराडो में मेसा वेर्दे नेशनल पार्क और प्राचीन माया सभ्यता में भी सूर्य मंदिर होने के संकेत मिले हैं।

केरसई कारवारजोर में दीपावली के अवसर पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

समाज में नशा व सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की आवश्यकता : थाना प्रभारी राजेश

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। दीपावली पर्व के पावन मौके पर प्रखंड के बासेन पंचायत अंतर्गत करवारजोर गांव में गुरुवार की देर शाम रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि थाना प्रभारी राजेश कुमार ,विशिष्ट अतिथि मजदूर नेता राजेश कुमार सिंह ,सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता ,मुख्य संरक्षक संजय सिंधिया, संरक्षक वीरेंद्र सिंधिया के द्वारा संयुक्त रुप से रिबन काट कर किया गया। अपने संबोधन में थाना प्रभारी राजेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन करने से क्षेत्र में आपसी सामाजिक सद्भाव बनी रहती है और लोग मनोरंजन करते

हैं उन्हें आयोजन कमेटी के इस पहल का सराहनीय करते हुए सभी लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की मौके पर उन्हें समाज में फैली कुरीतियां जिसमें शराब अंधविश्वास साइबर क्राइम आदि चीजों को लेकर उपस्थित लोगों को जागरूक कर हर उन्हें दूर करने एवं संभव किसी भी परेशानी के लिए पुलिस से मदद लेने की बात कही। मजदूर नेता राजेश सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन हमेशा होनी चाहिए जिससे कि लोगों का जुड़ाव कला संस्कृति के प्रति बनी रहे और विलुप्त होती हुई संस्कृति को हम पुनर्जीवित कर सकें। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई भी मजदूरों से संबंधित समस्याओं के लिए याद करें आपकी समस्याओं का निदान किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई– प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-16/2022-23 (1st Call) (RABDA-NENUA-KANKARI-BASARIYA KALA RPWSS) जो PR No. 280075 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 P.M.	09/11/2022 / 12.30 P.M.
प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 P.M.	16/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 P.M.	23/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 P.M.	24/11/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 P.M.	25/11/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।

PR.NO.280945 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-17/2022-23 (1st Call) (Parta-Kabra Khurd-Bhadua-Soba RPWSS) जो PR No. 280115 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 P.M.	11/11/2022 / 12.30 P.M.
प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 P.M.	21/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 P.M.	28/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 P.M.	29/11/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 P.M.	30/11/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।

PR 280946 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

Office of the Nagar Parishad, Lohardaga

E-Procurement Notice
NIT No: LNP/10/2022-23

1.	Name of the work	Development of Football Ground/Play Ground Near B.S.College Under Nagar Parishad, Lohardaga During the year 2021-22
2.	Approx Value of work (in Rs.)	Rs- **3,14,67,023.00**
3.	Tender Fee (In INR)	Tender Fee: Rs .10,000.00
4.	EMD Fee (In INR)	EMD Rs.- 3,15,000.00
5.	Time of Completion	12 Months
6.	Date of Publication of Tender on Website	01.11.2022 at 10:30 AM
7.	Start Date of Online Bid downloading	01.11.2022 at 11:30 AM
8.	End Date of online Bid Submission	21.11.2022 at 05:00 PM
9.	End Date for Submission of tender fee and earnest money (Hard Copy)	22.11.2022 up to 03:00 PM
10.	Date of Bid Opening (Online)	23.11.2022 up to 03:30 PM
13.	Mode of Submission of Bids	e-Tenderning (https://jharkhandtenders.gov.in)
14.	Name & address of office Inviting tender	Executive Officer , Nagar parishad Lohardaga
15.	Helpline number	9304502260

Note:- Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Excutive Officer
Nagar parishad Lohardaga

PR 280963 Lohardaga(22-23).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-13/2022-23 (1st Call) (Devri Khurd-Devri Kalan-Baniyadih-Belvigaha-Pathra– Poldih RPWSS) जो PR No. 280076 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 P.M.	12/11/2022 / 12.30 P.M.
प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 P.M.	18/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 P.M.	25/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 P.M.	28/11/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 P.M.	29/11/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।

PR 280948 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

पिछले साल इसी तिमाही में उसकी समेकित परिचालन आय 3,022 करोड़ रुपये थी

टाटा केमिकल्स का सितंबर तिमाही में समेकित लाभ में 176 प्रतिशत आया उछाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। टाटा केमिकल्स ने विगत गुरुवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 की सितंबर तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ लागत प्रबंध में सुधार और उत्पादों की कीमत में सुधार की बदौलत 248 करोड़ रुपये की तुलना में 176 प्रतिशत उछल कर 685 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से उसकी समेकित आय सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर 4,239 करोड़ रुपये रही। पिछले साल इसी तिमाही में उसकी समेकित परिचालन आय 3,022 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कहना

है कि परिचालन लाभ में यह वृद्धि उन्नत ऊर्जा और उत्पादन के साधनों की लागत के बेहत प्रबंधन और उत्पाद पर अच्छी प्राप्ति को दशार्ता है। कंपनी ने बताया है कि एकल आधार पर टाटा केमिकल्स लिमिटेड की परिचालन आय पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 847 करोड़ रुपये की तुलना में 40 प्रतिशत बढ़कर 1,185 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ एक साल पहले के 135 करोड़ की तुलना में 80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 243 करोड़ रुपये रहा। टाटा केमिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर. मुकुंदन ने कहा, चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण से रास्ता निकालने के लिए हम अपने ग्राहकों और भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। हमारे उत्पादों और उनके अनुप्रयोगों की मांग सकारात्मक बनी हुई है जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर प्राप्तियां हुई हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-18/2022-23 (1st Call) (Chhattarpur-Naudiha Bazar-Hariharganj-Pipra RPWSS), जो PR No. 280703 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	10/11/2022 / 12.30 P.M.	16/11/2022 / 12.30 P.M.
प्री बीड की तिथि एवं समय	14/11/2022 / 12.30 P.M.	23/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	24/11/2022 / 05.00 P.M.	30/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	25/11/2022 / 05.00 P.M.	01/12/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	26/11/2022 / 04.00 P.M.	02/12/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।

PR.NO.280949 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

Email : eedwsd.chatra01@gmail.com

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA

Letter No : 1087 Date :28.10.2022

Corrigendum

The following changes have been done due to some unavoidable circumstances in Tender Notice No. DWSD/CKGD/RPWSS/CH/32/2022-23 (1st Call) Detailed survey, designing and drawing, Common Raw Water Rising Main at WTP of Chatra, Kanhachatti, Gidhour, Dorhi (Mayurhund) Block and five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for Chatra, Kanhachatti, Gidhour, Dorhi (Mayurhund) Block Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W. & S. Division Chatra "On Turnkey Basis" Under D.W.&S. Division, CHATRA for the Year 2022-23 under (JJM) published vide P.R. No. – 279981 (DWSD) 2022-23

Sl. No.	Particular	Previously Published	Amended as follow
1.	Estimated Cost	Rs. 90,93,90,000/- (Rs. Ninety Crore Ninety Three Lac Ninety Thousand Only)	Rs. 88,84,74,000/- (Rs. Eighty Eight Crore Eighty Four Lac Seventy Four Thousand Only)
2.	Earnest Money	Rs. 90,94,000/- (Rs. Ninety Lac Ninety Four Thousand Only)	Rs. 88,89,000/- (Rs. Eighty Eight Lac Eighty Nine Thousand Only)
3.	Date of Uploading Tender on Website	29.10.2022 at 05:00 P.M.	07.11.2022 at 05:00 P.M.
4.	Pre-bid meeting	07.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.	21.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.
5.	Last Date and Time for Online Submision of Bid.	16.11.2022 up to 05:00 P. M.	23.11.2022 up to 05:00 P.M.
6.	Last Date & Time of Receiving EMD/Cost of BOQ (Hard Copy)	17.11.2022 up to 03:00 P.M. at Executive Engineer, D.W.&S. Division, CHATRA, Jharkhand	24.11.2022 up to 3:00 P.M In the Office of (i) Executive Engineer, D.W & S. Division, Chatra (ii) Suprintending Engineer, D.W&S. Circle, Hazaribagh AND (iii) Regional Chief Eng. DW&SD, Ranchi Zone, Ranchi.
7.	Date of Opening of Tender	18.11.2022 at 03:00 P.M.	25.11.2022 at 11:30 A.M.

• Other Terms & condition will be same as mentioned in NIT & B.O.Q

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

PR 281006 (Drinking Water and Sanitation) 22-23 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढवा

अतिअल्पकालिन आमंत्रण सूचना

1.	विभाग का नाम	:–	भवन निर्माण विभाग।
2.	विज्ञापन दाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
3.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	:–	09.11.2022 को (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक)
4.	मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:–	10.11.2022 को अपराहन 01:00 बजे अपराह्न से 03:00 बजे तक
5.	मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	10.11.2022 को 03:30 बजे अपराह्न तक।
6.	परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान	:–	1. कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा द्वारा प्रतिनियुक्त, पदाधिकारी द्वारा पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के कार्यालय परिसर में। 2. अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02, राँची के कार्यालय में।
7.	निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान	:–	क्रमांक 6 के क्र0 सं0 1 एवं 2 के स्थान पर।
8.	कार्य का विवरण:–		

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राषि	अग्रधन की राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	व्यवहार न्यायलय, गढ़वा के मुख्य गेट का आपात मरम्मति कार्य।	₹ 2,49,800.00	₹ 5,000.00	₹ 500.00	07 दिन
2.	व्यवहार न्यायलय, गढ़वा के जेनरेटर शेड का आपात मरम्मति कार्य।	₹ 2,48,500.00	₹ 5,000.00	₹ 500.00	07 माह
3.	अनुमण्डल पदाधिकारी, नगर उंटारी आवास परिसर में पेबर ब्लॉक फूटपाथ का निर्माण कार्य।	₹ 4,49,450.00	₹ 9,000.00	₹ 750.00	15 दिन
4.	पुलिस लाईन, गढ़वा के सरजैंट आवास का आपात मरम्मति कार्य।	₹ 2,49,500.00	₹ 5,000.00	₹ 500.00	07 दिन
5.	6 कोर्ट न्यायलय, नगर उंटारी में जलापूर्ति एवं स्वाच्छता अधिष्ठापन कार्य का आपात मरम्मति कार्य।	₹ 2,23,500.00	₹ 5,000.00	₹ 500.00	07 दिन
6.	गढ़वा स्थित लीवस्टॉक भवन का आपात मरम्मति कार्य।	₹ 9,85,100.00	₹ 20,000.00	₹ 1,250.00	15 दिन

नोटः– निविदा की शर्ते *WWW.jharkhand.gov.in* एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमण्डल,
गढ़वा

PR 280982 (Building)22-23*D

Email : eedwsd.chatra01@gmail.com

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA

Letter No : 1089 Date :28.10.2022

Corrigendum

The following changes have been done due to some unavoidable circumstances in Tender Notice No. DWSD/FULL/COVRG/KNC/RPWSS/CH/30/2022-23 (1st Call) Detailed survey, designing and drawing, Construction of 5.80 MLD Capacity Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir (i) 2.90 Lakh Litre capacity with 24 M Staging, (ii) 5.75 Lakh Litre capacity with 24 M Staging, (iii) 6.90 Lakh Litre capacity with 23 M Staging, Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of Centrifugal pump motor and five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for Kanhachatti Full Coverage Block Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W. & S. Division Chatra "On Turnkey Basis" Under D.W.&S. Division, CHATRA for the Year 2022-23 under (JJM) published vide P.R. No. – 279995 (DWSD) 2022-23

Sl. No.	Particular	Previously Published	Amended as follow
1.	Estimated Cost	Rs. 47,33,12,000/- (Rs. Forty Seven Crore Thirty Three Lac Twelve Thousand Only)	Rs. 45,09,04,000/- (Rs. Forty Five Crore Nine Lac Four Thousand Only)
2.	Earnest Money	Rs. 47,34,000/- (Rs. Forty Seven Lac Thirty Four Thousand Only)	Rs. 45,10,000/- (Rs. Fifty Five Lac Ten Thousand Only)
3.	Date of Uploading Tender on Website	29.10.2022 at 05:00 P.M.	07.11.2022 at 05:00 P.M.
4.	Pre-bid meeting	07.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.	16.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.
5.	Last Date and Time for Online Submision of Bid.	16.11.2022 up to 05:00 P.M.	19.11.2022 up to 05:00 P.M.
6.	Last Date & Time of Receiving EMD/Cost of BOQ (Hard Copy)	17.11.2022 up to 03:00 P.M. at Executive Engineer, D.W.&S. Division, CHATRA, Jharkhand	21.11.2022 up to 3:00 P.M In the Office of (i) Executive Engineer, D.W & S. Division, Chatra (ii) Suprintending Engineer, D.W&S. Circle, Hazaribagh AND (iii) Regional Chief Eng. DW&SD, Ranchi Zone, Ranchi.
7.	Date of Opening of Tender	18.11.2022 at 03:00 P.M.	22.11.2022 at 11:30 A.M.

* Other Terms & condition will be same as mentioned in NIT & B.O.Q

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

PR 281012 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

Email : eedwsd.chatra01@gmail.com

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA

Letter No :1086 Date :28.10.2022

Corrigendum

The following changes have been done due to some unavoidable circumstances in Tender Notice No. DWSD/FULL/COVRG/GID/RPWSS/CH/29/2022-23 (1st Call) Detailed survey, designing and drawing, Construction of 3.30 MLD Capacity Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir (i) 4.60 Lakh Litre capacity with 20 M Staging, (ii) 2.20 Lakh Litre capacity with 24 M Staging, (iii) 2.10 Lakh Litre capacity with 19 M Staging, Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of Centrifugal pump motor and five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for Gidhour Full Coverage Block Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W. & S. Division Chatra "On Turnkey Basis" Under D.W.&S. Division, CHATRA for the Year 2022-23 under (JJM) published vide P.R. No. – 279990 (DWSD) 2022-23

Sl. No.	Particular	Previously Published	Amended as follow
1.	Estimated Cost	Rs. 33,94,98,000/- (Rs. Thirty Three Crore Ninety Four Lac Ninety Eight Thousand Only)	Rs. 33,39,28,000/- (Rs. Thirty Three Crore Thirty Nine Lac Twenty Eight Thousand Only)
2.	Earnest Money	Rs. 33,95,000/- (Rs. Thirty Three Lac Ninety Five Thousand Only)	Rs. 33,40,000/- (Rs. Thirty Three Lac Forty Thousand Only)
3.	Date of Uploading Tender on Website	29.10.2022 at 05:00 P.M.	07.11.2022 at 05:00 P.M.
4.	Pre-bid meeting	07.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng.-in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.	18.11.2022 at 12:30 P.M. in the Office of Eng. -in-Chief, DWSD, Nepal House, Doranda, Ranchi.
5.	Last Date and Time for Online Submision of Bid.	16.11.2022 up to 05:00 P.M.	21.11.2022 up to 05:00 P.M.
6.	Last Date & Time of Receiving EMD/Cost of BOQ (Hard Copy)	17.11.2022 up to 03:00 P.M. at Executive Engineer, D.W.&S. Division, CHATRA, Jharkhand	22.11.2022 up to 3:00 P.M In the Office of (i) Executive Engineer, D.W & S. Division, Chatra (ii) Suprintending Engineer, D.W&S. Circle, Hazaribagh AND (iii) Regional Chief Eng. DW&SD, Ranchi Zone, Ranchi.
7.	Date of Opening of Tender	18.11.2022 at 03:00 P.M.	23.11.2022 at 11:30 A.M.

•Other Terms & condition will be same as mentioned in NIT & B.O.Q

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

PR 281003 (Drinking Water and Sanitation)22-23*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

e-mail ID : eedwsd.lohardaga@gmail.com

ई–प्रोक्योरमेंट अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 11/2021–22
PR No. – 257279 का अष्टम् आमंत्रण

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड़।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा।
3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 01.11.2022 के अपराह्न 3.30 बजे से
4. बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 09.11.2022 को अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी में) जमा करने की तिथि, समय एवं स्थान :– 10.11.2022 को अपराह्न 3.30 बजे तक, 1. कार्यपालक अभियन्ता, लोहरदगा के कार्यालय में। 2. अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला के कार्यालय में।
6. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 11.11.2022 को पूर्वाह्न 11.30 बजे से।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा।
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 9431516030
9. कार्य की विवरणी :– Construction of Cluster wise Single Village Water Supply Scheme on Solar Energy based Mini Water Supply Scheme in different blocks of Lohardaga District which are not included in MVS/Other Schemes to supply water and house connection with 05 years Operation and maintenance works on "Turn-key basis" under D.W.& S.Division, Lohardaga for the year 2021-22 under JJM.

क्र0	प्रखण्ड	ग्रामों की संख्या	टोलों की संख्या	योजना की संख्या	FHTC की संख्या	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि लगभग (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Pesrar	18	57	73	1549	Loh/SVS/Cluster-02A	5,93,17,000.00	5,94,000.00	10,000.00	09 months
2	Pesrar	18	49	65	1218	Loh/SVS/Cluster-02B	5,64,11,000.00	5,65,000.00	10,000.00	09 months

नोट :–1. निविदा की नियम एवं शर्ते आदि कार्यालय सूचना पट्ट एवं झारखण्ड सरकार के वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर उपलब्ध है।
2. परिमाण विपत्र की राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में प्राथमिकता के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक का देय होगा।
3. संवेदकों का UCAN निबंधन अनिवार्य है।
4. प्राक्कलित राशि घट या बढ़ सकती है, तदनुसार ही अग्रधन की राशि देय होगी।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

PR.NO.281026 Lohardaga(22-23):D

सम्पादक की कलम से...

त्योहारों का मौसम व हमारी जरूरत

झारखंड में त्योहारों की धूम है। दीपावली के बाद चित्रगुप्त पूजा और भाई बहन के प्यार का प्रतीक भाई दूज का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अब छठ की बारी है। वह भी शुक्रवार से प्रारंभ हो गया है। इस प्रकार त्योहारों के इस मौसम में यह ध्यान रखना जरूरी है कि हमारे आस-पड़ोस कोई दुखी न हो। त्योहार यही सीख देने हमारे जीवन में आते हैं कि समाज में समरसता का वातावरण बना रहे। इसलिए हमारा कर्तव्य होता है कि इन बातों पर हम अवश्य ध्यान दें। बहरहाल पूरे राज्य में बहनों ने पूजा-अर्चना कर अपने भाई के दीर्घायु की कामना की। इस त्योहार को लेकर जितना उत्साह बहनों में दिखा, उतना ही भाइयों में भी देखने को मिला। भाइयों ने भी अपनी बहनों को आकर्षक उपहार भी दिये। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इसी दिन मृत्युदाता यमराज अपनी बहन यमी के घर आये थे। यमी ने उनके माथे पर तिलक लगाकर उनकी सलामती की कामना की थी। इसके बाद यमराज ने अपनी बहन यमी को हमेशा इसी दिन उनके पास आने का वचन दिया था। भाई दूज के त्योहार को यमद्वितीय भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब माता यमी ने यमराज के माथे पर तिलक लगाया था तो यमराज ने प्रसन्न होकर यमी से कोई भी वरदान मांगने को कहा था। जिस पर माता यमी ने ये मांगा कि आज के दिन जो बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगायेगी। उस भाई को यमराज लंबी आयु प्रदान करेंगे। माता यमी द्वारा मांगे गये इस वरदान को यमराज ने स्वीकार किया था। तब से हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि को भैया दूज के रूप में मनाया जाने लगा। भाई दूज के दिन बहनें एक थाली तैयार करती हैं। जिसमें रोली, मिठाई फल-फूल, चंदन, सुपारी रखी जाती है। शुभ मुहूर्त में बहने अपने भाई की आरती उतारती हैं। इसके बाद अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं। तिलक के बाद बहन अपने भाई को, गोला, मिठाई, फल, वगैरह देती है। भाई अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप उपहार देता है। इधर, कायस्थों समुदाय के इष्टदेव भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की धूम रही। इस अवसर पर शहर के कई स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित कर धूमधाम से चित्रगुप्त पूजा का आयोजन किया गया। कायस्थ समाज के लोगों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलम, दवात, कॉपी व पुस्तक की पूजा की। कायस्थ समाज के लोगों ने सुबह अपने-अपने घरों में भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। अब छठ को लेकर बाजारों की रौनक बढ़ गयी है। छठव्रती छठ की तैयारी को अंतिम रूप करीब-करीब दे चुके हैं। साथ ही, उससे जुड़े सामानों की खरीदारी कर ली गयी है। सूर्योपासना और लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। इसको लेकर छठव्रती तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। छठ को लेकर बाजारों की भी रौनक बढ़ गयी है। थोड़ी महंगाई के बावजूद व्रत की आस्था उस पर भारी पड़ती दिख रही है। दुकानदार भी ज्यादा नफा-नुकसान की चिंता किये बगैर छठव्रतियों को जरूरत की चीजें उपलब्ध करा रहे हैं। नेम-धर्म के पर्व छठ में कई छोटी-बड़ी चीजों की जरूरत होती है, लेकिन रांची के बकरी बाजार समेत कई दूसरी जगहों पर छठ को लेकर विशेष बाजार लगाये जाते हैं, जहां एक ही स्थान पर व्रतियों को सारे सामान उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसे में ऐसे मौके पर सामाजिक समरसता को बनाये रख,पूरी सृष्टि की कामना कर छठ मैया से आशीर्वाद लेने की जरूरत है।

आज का इतिहास

2003 : पाकिस्तान ने हत्फ-मिसाइल का परीक्षण किया।
2011 : पेंटर बाबू के नाम से चर्चित पाकिस्तानी चित्रकार वसील ने दुनिया को शांति और प्रेम का संदेश देने के लिए अपने खून से महात्मा गांधी का चित्र बनाया।
2011 : विश्व के चौथी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अमेरिका के डोनल्ड यंग को हराकर एटीपी थाईलैंड ओपन का एकल खिताब जीत लिया है।
1904 : भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लालबहादूर शास्त्री का जन्म हुआ।
1924 : राष्ट्रसंघ को शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से लाया गया जेनेवा प्रस्ताव महासभा द्वारा स्वीकृत हुआ किंतु बाद में उसकी पुष्टि नहीं हुई।
1492 : ब्रिटेन के किंग हेनरी सप्तम ने फ्रांस पर आक्रमण किया।
1869 : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म हुआ।
1932 : इराक ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ।
1978 : कलकत्ता (अब कोलकाता) में पहले और दुनिया में दूसरे टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म हुआ।
1984 : भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन हिमसागर एक्सप्रेस कन्याकुमारी से जम्मू तवी के लिए रवाना की गई।
1992 : गीत सेठी ने विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप जीता।
1994 : भारत ने सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से अपना दावा पेश किया।
1995 : चीन एवं इंग्लैंड के बीच हांगकांग के सुगम हस्तांतरण पर सहमति बनी।
1996 : पाकिस्तानी बल्लेबाज शाहिद अफरीदी ने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 37 गेंदों में शतक बनाकर इतिहास रचा।
2013 : इतालवी द्वीप लात्पेदुसा के पास एक नाव के डूब जाने से करीब 134 लोगों की मौत हो गई।
1998 : बिहार के प्रमुख गाँधीवादी रचनात्मक कार्यकर्ता एवं स्वतंत्रता सेनानी प्रजापति मिश्र का जन्म हुआ।

हथियारों से खेलती महाशक्तियां

> 2018 के बाद से यह पाकिस्तान को की गई सबसे बड़ी मदद है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद पर यह कह कर रोक लगा दी थी कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में कोई सहायता नहीं कर रहा है। दरअसल, बाइडेन ने यह मदद देकर भारत के संदर्भ में जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। बाइडेन ने यह बयान लास एंजिलिस में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए चीन, रूस और पाकिस्तान से जुड़ी समस्याओं को अमेरिका की विदेश नीति के समक्ष तीन चुनौतियों के रूप में पेश किया।

ये चुनी हुई सरकार को गिरा कर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है और परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं, तो तय है कि पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरनाक देश बनने में देर नहीं लगेगी। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चिंता जताते हुए कहा कि परमाणु हथियार संपन्न पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक देश है। भारत ऐसा अनेक बार कह चुका है। इस चेतावनी के बावजूद बाइडेन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस वाजिब चिंता को दूर करने के लिए अमेरिका क्या कदम उठायेगा। जब तक इस चिंता को दूर करने के लिए कोई पहल नहीं की जायेगी, ऐसे बयानों का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है। वैसे अमेरिका का यह बयान कुटिल चतुराई लगता है, क्योंकि हाल ही में उसने पाकिस्तान को सोलह लड़ाकू विमान और उनके रखरखाव के लिए पैंतालीस करोड़ डालर की आर्थिक मदद की है। 2018 के बाद से यह पाकिस्तान को की गई सबसे बड़ी मदद है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद पर यह कह कर रोक लगा दी थी कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में कोई सहायता नहीं कर रहा है। दरअसल, बाइडेन ने यह मदद देकर भारत के संदर्भ में जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। बाइडेन ने यह बयान लास एंजिलिस में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए चीन, रूस और पाकिस्तान से जुड़ी समस्याओं को अमेरिका की विदेश नीति के समक्ष तीन चुनौतियों के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग को मालूम है कि वे क्या चाहते हैं, लेकिन उनके साथ कई तरह की समस्याएं भी हैं। मुझे लगता है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं और वहां कोई सामंजस्य नहीं है। बाइडेन ने चीन की तरफ से अमेरिका को मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा और यूक्रेन-रूस संकट से उपजे वैश्विक हालात को भी रेखांकित किया। दरअसल, हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु युद्ध की परोक्ष धमकी दी है। इधर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर भारत समेत कई पश्चिमी देश चिंता जता चुके हैं। उन्हें आशंका है कि पाकिस्तानी परमाणु हथियार कहीं आतंकियों और जिहादियों के हाथ लग गये, तो संकट खड़ा हो सकता है। परमाणु हथियारों पर नजर रखने वालों की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास इस समय 140 से 150 परमाणु हथियार हैं। अगर परमाणु अस्त्र निर्माण की उसकी यही गति जारी रही तो 2025 तक इनकी संख्या बढ़ कर 220 से 250 हो जायेगी। इस तरह पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा परमाणु हथियार संपन्न देश हो जायेगा। अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआइए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट ने भी कहा कि पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खुंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में बढ़ रहे हैं। आतंकवाद, ढह रही अर्थव्यवस्था और परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण। आर्थिक संकट के ऐसे ही बदतर हालात से उत्तर कोरिया भी जूझ रहा है। ये दोनों देश भारत और अमेरिका पर परमाणु हमला करने की धमकी देते रहते हैं। पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरनाक देश हो या न हो, लेकिन भारत के लिए जरूर है। दशकों से वह भारत पर हमला करने के लिए आतंकियों का इस्तेमाल करता रहा है। मुंबई और संसद पर हमले के सरगना दाऊद और हाफिज सईद को पाक ने शरण दे रखी है। इसके अलावा वह कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करा कर भारत की नाक में दम किए हुए है। हालांकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को संरक्षण देने के उपाय अब उसके लिए भी संकट बन रहे हैं। वहां आतंकी संगठनों का संघर्ष शिया बनाम सुन्नी अतिवाद में तब्दील होने लगा है। इससे पाक में अंतर्कलह और अस्थिरता बढ़ी है। बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में इन आतंकियों पर नियंत्रण के लिए सैन्य अभियान चलाने पड़े हैं। बावजूद इसके, पाकिस्तान की एक बड़ी आबादी सेना और खुफिया तंत्र तालिबान, अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी गुटों को खतरनाक नहीं मानते।

■ प्रमोद भार्गव

घाटे की खेती

सरकार ने 2015-16 में किसानों की आमदनी दुगनी करने का भरोसा दिलाया था। बेशक पिछले छह सालों में विभिन्न फसलों का समर्थन मूल्य काफी बढ़ गया है और सरकार ने अपने बजट में कृषि पर 1.23 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का एलान भी किया है, किसानों की भलाई के लिए कई उपाय भी किये हैं। इसके बावजूद किसानों की आर्थिक स्थिति में किसी किस्म का सुधार होता हुआ दिखाई नहीं देता, बल्कि स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। खेती में काम आने वाले बीज, खाद, कीटनाशक, डीजल तथा मजदूरी पहले से ज्यादा महंगे होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ गई है। लेकिन सरकार की कृषि व्यापार नीति व कृषि आय बढ़ाने की नीति किसानों के लिए फायदेमंद साबित नहीं हुई। इतना ही नहीं, सरकार की तरफ से किसानों को मिलने वाली सम्मान निधि का भी कोई फायदा नहीं हुआ। मौसम व बरसात के अनिश्चित तथा अनियमित होने के कारण फसलों का उत्पादन कम हो गया है। इस साल गर्मी ज्यादा होने की वजह से गेहूं की फसल जल्दी पक गई, जिसके फलस्वरूप गेहूं का उत्पादन पहले से तेईस लाख टन कम हुआ! कुछ समय के लिए गेहूं का निर्यात किया गया, लेकिन देश में इसकी कमी को देखते हुए यह बंद कर दिया गया। विदेश में भारत के चावल की मांग भी कम हो गई है। कृषि क्षेत्र पहले के मुकाबले में कम हो रहा है। फसलों पर बहुत ज्यादा ठंड और पाले का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। लंबे किसान आंदोलन के बावजूद कृषि पदार्थों का एमएसईबी नहीं मिल सका। कृषि क्षेत्र में कारपोरेट के घुसपैठ करने के कारण किसानों को लागत से भी कम कीमत पर अपना उत्पादन उनको बेचना पड़ता है, जिसे वे बहुत ऊंचे दामों पर बेचकर उपभोक्ताओं का शोषण करते हैं। जिस तरह खाद्य पदार्थों तथा सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, अगर यह आमदनी किसानों को प्राप्त हो जाए तो उनकी तो बल्ले-बल्ले हो जाय! लेकिन ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि फसलों को पैदा करने के लिए किसानों को जो खाद, बढ़िया बीज, सिंचाई की सुविधाएं, ऋण आदि चाहिए, वह उपलब्ध नहीं है। किसान फसलों की लागत के ज्यादा और आमदनी के कम होने के कारण लिया हुआ ऋण वापस नहीं कर पाते, जिसकी वजह से देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने के मामले बढ़ते जा रहे। क्या किसी ने कभी किसी उद्योगपति द्वारा लागत के मुकाबले में आमदनी कम होने के कारण आत्महत्या करने की बात सुनी है? नहीं सुनी होगी, क्योंकि उन्हें लागत के मुकाबले ज्यादा आमदनी मिलती है। यह है कि हमारे तीन-चौथाई सांसद ग्रामीण क्षेत्रों से चुनकर संसद में पहुंचते हैं, उनमें से बहुत सारे किसान परिवारों से होते हैं, इसके बावजूद कृषि संबंधी ऐसी नीतियां नहीं बनाई जा सकीं, जिससे किसानों को विभिन्न फसलों को पैदा करने की लागत के मुकाबले में आमदनी ज्यादा मिले। यह सचमुच शर्म की बात है कि सारे देश का पेट भरने वाला अन्नदाता किसान भूख से और कर्ज न उतार सकने के कारण या तो शहरों में मजदूरी कर रहा है या फिर आत्महत्या कर रहा है!

■ शाम लाल कौशल

भारतवंशियों को अपनी ताकत बनाये देश

ऋषि सुनक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने से संपूर्ण विश्व के भारतवंशियों में आनंद की अनुभूति स्वाभाविक है। लेकिन ध्यान रखने की बात यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें अपने देश ब्रिटेन के हित के लिए ही काम करना है। दूसरी बात यह कि उन्हें समर्थन ब्रिटेन के आर्थिक संकट में फंसने के कारण और उनकी योग्यता को देखते हुए मिला है। अगर उन्होंने देश को आर्थिक संकट से मुक्त नहीं किया तो उनकी भी स्थिति लिज ट्रस और बोरिस जॉनसन जैसी हो सकती है। इसलिए भारतीयों को बहुत उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। **भारत से जुड़ाव :** किंतु इसके कई अन्य पहलू भी हैं, जो दूरगामी दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऋषि सुनक का भारत से रिश्ता बना हुआ है। वह इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं, इसलिए उनका भारत आना-जाना लगा रहता है। उनके घर में वे सारे पर्व-त्योहार आज भी मनाये जाते हैं, जो आम भारतीय मनाते हैं। वह पूजा-पाठ करने और मंदिरों में देवी-देवताओं के सामने सर झुकाने में संकोच नहीं करते। पिछली बार उन्हें ब्रिटेन के एक मंदिर में देखा गया, जहां उन्होंने अपनी पत्नी अक्षता के साथ जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की। भारत और भारतीयता को गहराई से समझने वाले हमारे मनीषियों ने भारतीय संस्कृति, धर्म, अध्यात्म के आधार पर ही एक राष्ट्र के रूप में इसके शीर्ष पर पहुंचने और विश्व के लिए रास्ता दिखाने योग्य बनने की कामना की थी। इस तरह विचार करने पर ऋषि सुनक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने का महत्व समझ में आ जाता है। संपूर्ण विश्व में नजर दौड़ाएं तो साफ हो जाता है कि इस दृष्टि से भारत से ज्यादा सशक्त और सौभाग्यशाली राष्ट्र कोई और नहीं हो सकता। विश्व के 25 देशों में भारतीय मूल के लगभग 313 राजनेताओं ने कोई न कोई पद संभाला है। इनमें अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश भी शामिल है। भारतीय मूल के लोगों ने 10 देशों में 31 बार प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के रूप में सत्ता संभाली है। पड़ोसी मॉरिशस में 10 बार, सूरीनाम में 5, गयाना में 4, सिंगापुर, त्रिनिदाद और टोबैगो में 3-3 बार, पुर्तगाल में 2, फिजी, आयरलैंड और सेशेल्स में 1-1 बार भारतीय मूल के नेता प्रधानमंत्री रहे हैं। कनाडा में तो 19 प्रमुख नेता ऐसे हैं, जो भारतीय मूल के हैं। इनमें 8 सरकार में शामिल हैं। भारत ने अपनी इस शक्ति को थोड़ी देर से पहचाना। नरसिंह राव सरकार के कार्यकाल में इन्हें अनिवासी भारतीय कहा गया तो अटल बिहारी बाजपेयी सरकार ने इन्हें प्रवासी भारतीय नाम दिया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व भर के भारतवंशियों को जिस रूप में संबोधित कर भारत से जोड़ने का प्रयास किया, वैसा पहले नहीं हुआ। अपने पहले कार्यकाल में वह जहां भी गये, भारतवंशियों का प्रभावी कार्यक्रम रखा। मोदी ने कई दूसरे देशों के नेताओं और राजवंशों के संबंध प्राचीन भारत के साथ स्थापित किये। यह भावनाओं के आधार पर भारत के प्रभाव विस्तार का आधार बन रहा है। इसके कुछ और महत्वपूर्ण पहलू हैं। भारतवंशी जहां भी हैं उन्होंने किसी न किसी रूप में अपनी संस्कृति को जीवित रखा है और धार्मिक-सांस्कृतिक-सामाजिक उत्सव वहां मनाये जाते हैं। मोदी सरकार आने के बाद ऐसे सारे आयोजन प्रखर रूप में सामने आए हैं। इनका प्रभाव वहां के नेताओं पर भी पड़ा है। उदाहरण के लिए, कमला हैरिस लिबरल खेमे की नेता हैं ,लेकिन भारतीयों का प्रभाव देखते हुए उन्हें भी अपने यहां दीपावली का आयोजन करना पड़ा। पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टाइम्स स्क्वेयर में दीपावली उत्सव का भव्य आयोजन किया। अभी अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत ने अक्टूबर 2022 को हिंदू विरासत महीना घोषित किया है। हालांकि भारतवंशियों का एक हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी और आरएसएस का उसी तरह विरोधी है, जैसा भारत में एक वर्ग है। कुछ देशों में भारतवंशियों के सत्ता के शीर्ष पर होते हुए भी हमारे उन देशों से संबंध अच्छे नहीं है। कनाडा इसका उदाहरण है, जहां नेताओं ने ही वहां सिखों के एक वर्ग में खालिस्तान की भावनाएं भरी हैं। इन सबके बावजूद जिस तरह से संपूर्ण विश्व में भारतीय नेताओं और आम भारतीयों में अपनी संस्कृति को लेकर संकोच का भाव खत्म हुआ है, उसका गहरा असर हो रहा है। भारत इसे समझे और अपनी ताकत बनाने के लिए एक सुविचारित नीति बनाये। इसके दो पहलू होंगे- एक तात्कालिक और दूसरा दूरगामी।

■ अवधेश कुमार

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

ये सभी ठग, दम्भी तथा बकवृत्तिवाले (पाखण्डी) हैं। आवश्यक कार्य पड़नेपर हमने विनम्रतापूर्वक इनसे धनकी याचना की थी, किंतु इन्होंने नहीं दिया। यहाँतक कि चतुर्थांशवृद्धिपर भी धन माँगनेपर हम याचकोंको अत्यन्त दुःखित देखकर इन निष्ठुर ब्रह्म 'हमारे पास नहीं है' ऐसा कहा ॥ 33-34 ॥

महाराज कार्तवीर्यसे धन प्राप्त करके इन्होंने किस प्रयोजनसे धनको रक्षा की ? इन्होंने न तो प किये और न तो याचकोंको ही प्रचुर दान दिया ॥ 35 ॥

ब्राह्मणोंकी कभी भी धनका संग्रह नहीं करना चाहिये। यज्ञ करने, दान देने तथा सुखोपभोगमें यथेच्छ धनका उपयोग करना चाहिये ॥ 36 ॥

हे विप्रो पासमें धन रहनेपर चोर, राजा, अग्नि तथा धूतोंसे महान् भय कहा गया है ॥ 37 ॥

जिस किसी भी उपायसे अपनी ही रक्षा करनेवालेको धन छोड़ देता है अथवा वह व्यक्ति धन छोड़कर स्वयं मर जाता है और दुर्गतिको प्राप्त होता है ॥ 38 ॥

हम सबने बड़ी विनम्रताके साथ इन लोगों से चतुर्थांशवृद्धिपर धन माँगा था, फिर भी लोभके कारण संशयमें पड़े हुए पुरोहितोंने हमें धन नहीं दिया ॥ 39 ॥

दान, भोग तथा नाश - धनकी इस प्रकारको गति होती है। पुण्यशाली प्राणियोंके धनकी गति दान तथा भोग है और दुष्ट आत्मावाले प्राणियोंके धनकी गति नाश है। जो कृपण व्यक्ति न दान करता है और न धनका उपभोग करता है, अपितु केवल धनके संग्रहमें लगा रहता है, वह वंचक प्राणी राजाके द्वारा सर्वथा दण्डनीय है और दुःखका भागी होता है ॥ 40-41 ॥

इसीलिये इन वंचक गुरुओं तथा अधम ब्राह्मणोंको मारनेके लिये हम सभी उद्यत हुए हैं। आप महात्माजन इसके लिये हमपर कोप न करें ॥ 42 ॥

व्यासजी बोले- इस प्रकार सहेतुक वचन कहकर उन मुनियोंको पूर्ण आश्वस्त करनेके बाद वे पुनः भृगुकुलकी स्त्रियोंको खोजते हुए भ्रमर करने लगे ॥ 43 ॥

भयार्त तथा अत्यन्त कृश शरीरवाली भृगुवंशीय पलियाँ हिमवान् पर्वतपर रोती तथा काँपती हुई पहुच ॥ 44 ॥

इस प्रकार धनलोलुप तथा पापकर्मोंसे अभिभूत हैहयोंने उन ब्राह्मणोंको बहुत पीड़ित किया तथा उनका संहार किया ॥ 45 ॥

लोभ मनुष्योंके देहमें रहनेवाला सबसे बड़ा शत्रु है। यह समस्त दुःखोंका आगार, दुःखदायी तथा प्राणोंका नाश करनेवाला कहा गया है ॥ 46 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

गलत शब्द का प्रयोग न करें

हम किसी भी शहर मे चले जायें, वहां पर लोग आपस में बातचीत मे धड़ल्ले से गाली का प्रयोग करते हैं। यह हमारे लिए काफी शर्म की बात है। कई लोग तो ऐसे हैं जो अपना एक भी वाक्य बिना गाली की नहीं करते हैं। कई शहरों में किसी खास गाली का प्रचलन रहता है। इन गालियों में मां-बहनों को अपमानित किया जाता है। गाली देने से ही हम समझ जाते हैं कि वह व्यक्ति कैसे परिवार से संबंध रखता है। उसमें अच्छे संस्कारों की कमी है। कई जगहों पर तो महिलाओं को भी बेधड़क गाली देते देखा जा सकता है। गाली देने वालों को कभी भी सभ्य नहीं कहा जा सकता है। इस बारे में ना तो सामाजिक संस्था पहल करती है और ना ही सरकारी पहल होती है। अगर हमारी जुबान ही गंदी होगी तो हम अपने शहर व समाज को साफ कैसे रखेंगे ? मैं आपके लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से लोगों से अपील करता हूं कि अपनी बातचीत में गाली का प्रयोग नहीं करें। ना ही किसी को करने दें। इस तरह की गाली से हमारे आसपास की महिलाओं को शर्मिंदा होना पड़ता है। गाली देकर हम अपनी बहादुरी प्रकट करने की कोशिश करते हैं जो शर्मनाक है। कई जगहों पर कई तरह की गालियों का प्रयोग किया जाता है,जिसकी चर्चा करना भी शर्मनाक है। इन गालियों के प्रयोग से महानगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र प्रभावित हैं । जिस प्रकार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है । उसी प्रकार जुबान की गंदगी को भी साफ करने का अभियान चलाना चाहिए,जिससे की आम बातचीत में लोग गाली का प्रयोग नहीं करें। वहीं कई पढ़े-लिखे लोग भी गाली प्रयोग अंग्रेजी में कर अपने को पढ़ा लिखा साबित करने की कोशिश करते हैं,लेकिन गाली तो गाली है। इनको कहने व सुनने से हमें दूर रहना चाहिए और इसे सामाजिक बुराई मानकर इसे खत्म करना चाहिए।

■ रेखा कुमारी , मेदिनीनगर।

ब्रिटिश सत्ता के शीर्ष पर एक भारतवंशी

यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने के बाद ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के चौथे नेता हैं, जिनको देश की कमान मिली है। 'ब्रेग्जिट' ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को खासी चोट पहुंचाई है। रही-सही कसर पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस की आर्थिक नीतियों ने पूरी कर दी, जिसके कारण उनको अपना पद तक छोड़ना पड़ा। ऐसे में, स्वाभाविक ही सुनक की पहली प्राथमिकता ब्रिटेन की डूबती अर्थव्यवस्था को उबारना होगी। अभी आलम यह है कि ब्रिटेन का आयात बिल बढ़ रहा है और निर्यात से उसे पूर्व की तरफ फायदा नहीं मिल रहा। ब्रिटिश पाउंड भी तेजी से गिर गया है। मगर सुनक की चुनौती महज ब्रिटेन की आर्थिकी को संभालना ही नहीं है। दरअसल, वह जिस कंजर्वेटिव पार्टी के नेता बने हैं, उसकी फूट भी इन दिनों सतह पर है। इसी मनमुटाव का नतीजा है कि पिछले तीन वर्ष में टेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक 'टोरी पार्टी' के मुखिया चुने गये हैं। चूंकि पार्टी के अंदर राजनीतिक रूप से एका नहीं है, इसलिए देश की सियासत में भी उथल-पुथल कायम है। यही वजह है कि सुनक ने जब प्रधानमंत्री पद के लिए अपना भाषण दिया, तो उन्होंने 'यूनिटी' (एकता) और 'स्टैबिलिटी' (स्थायित्व) पर जोर दिया। राजनीतिक विश्लेषक तो अभी से इस बात के लिए गुणा-भाग करने लगे हैं कि आखिरकार वह किस तरह से पार्टी के असंतोष को खत्म करते हुए सभी टोरियों में एकराय बना सकेंगे। इन दोनों चुनौतियों से पार पाने के बाद ही सुनक अन्य मोर्चों पर आगे बढ़ने की सोच सकेंगे। सुनक के सत्तासीन होने का खास असर भारत और ब्रिटेन के आपसी रिश्ते पर पड़ सकता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जॉनसन जब बीते मई माह में भारत आये थे, तब उन्होंने दिवाली तक दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने की उम्मीद जताई थी। इस दिशा में ठीक-ठाक प्रगति भी शुरू हुई, लेकिन पिछले दिनों यह कवायद ठंडे बस्ते में जाती दिखी है। भारत इस समझौते का पक्षधर है और यह संधि ब्रिटेन के हित में भी है। लिहाजा, उम्मीद यही है कि ऋषि सुनक इस समझौते की राह की अड़चनों को जल्द दूर करेंगे। दोनों देशों की वीजा नीति ऐसी ही एक बाधा है, जिस पर सुनक को खास ध्यान देना होगा। इसके दो पहलू हैं। एक, उन भारतीयों से जुड़ा है, जो ब्रिटेन आते-जाते रहते हैं और दूसरा, उन छात्रों से, जो ब्रिटेन पढ़ने के लिए जाते हैं। ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों को आसानी से वीजा नहीं मिल पाता और कमोबेश ऐसी ही शिकायत भारतीय छात्रों की है, जो काफी तादाद में वहां जाते हैं। इन छात्रों से ब्रिटेन को अच्छी खासी रकम तो मिलती है, लेकिन भारतीय छात्रों की शिकायत है कि उनको पढ़ाई खत्म करने के बाद जो कार्य संबंधी वीजा दिया जाता है, उसकी मीयाद महज दो साल होती है। वे इसमें बढ़ोतरी चाहते हैं। लिहाजा, हमारी अपेक्षा भारतीयों के सुगम आवागमन के साथ-साथ भारत के छात्रों के लिए ब्रिटेन के वीजा नियम में उदारता की है। चूंकि ब्रिटेन को विशेषकर 'ब्रेग्जिट' के बाद मुक्त व्यापार समझौते की सख्त जरूरत है, इसलिए माना जा रहा है कि वह अपनी वीजा नीति को लेकर गंभीर होगा। यह उम्मीद इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि बतौर भारतवंशी ऋषि सुनक ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों की इस समस्या से बखूबी वाकिफ होंगे। ब्रिटेन व भारत के रिश्ते को दोनों देशों की आर्थिकी भी आगे बढ़ायेगी। भारत ने ब्रिटेन में काफी ज्यादा निवेश कर रखा है। ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत भारत ही है। ब्रिटेन की मौजूदा खस्ता अर्थव्यवस्था को देखकर सुनक यही चाहेंगे कि भारत वहां अपना निवेश बढ़ाये। इस समय भारत से काफी ज्यादा पूंजी दूसरे देशों में जा रही है। मगर इन पैसों में ब्रिटेन का हिस्सा बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि सुनक को अपनी अर्थव्यवस्था इस कदर बनानी होगी कि वहां भारत के हितों का अधिकाधिक पोषण हो। यह मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ कई अन्य चीजों पर निर्भर करेगा, जैसे ब्याज दर, रुपया व पाउंड की विनिमय दर आदि। बेशक ये पुराने मसले कहे जा सकते हैं, लेकिन अब ये ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए जान पड़ते हैं, क्योंकि एक भारतवंशी को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री पद मिला है।

■ अरविंद गुप्ता

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

इन नेचुरल उपायों को अपनाकर अपने नाखूनों को रख सकते हैं हेल्दी

नेल केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि गुलाब जल में एंटी-सेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल व एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जिसके कारण यह नाखूनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह नाखूनों के अंदरूनी भाग को साफ करता है और इसे हर समय पोषण और नमी युक्त रखता है। आज के समय में महिलाएं अपने नेल्स को आकर्षक बनाने के लिए जेल मेनीक्योर से लेकर नेल एक्सटेंशन का सहारा लेती हैं। इसके कारण कुछ समय के लिए नेल्स भले ही खूबसूरत लगे, लेकिन इसके कारण आपके नेल्स कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में जरूरत होती है कि आप अपने नेल्स को अतिरिक्त ख्याल रखें। नेल्स को हेल्दी बनाए रखने के लिए उनकी केयर करनी बेहद जरूरी होती है।

पपीते का कमाल

पपीते में एंजाइम होते हैं, जो प्रोटीन टिश्यू को साफ्ट बनाते हैं और इसलिए यह क्यूटिकल्स के लिए लाभदायक है। स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि बस आप पपीते को मैश करके इसमें नींबू का रस और विनेगर मिक्स करें। अपने नाखूनों को इस मिश्रण में कम से कम 20 मिनट के लिए भिगोएं और फिर अपने नेल्स और आसपास की त्वचा की मालिश करें। इस उपचार को प्रभावी परिणाम के लिए कम से कम सात दिनों तक इस उपाय को अपनाएं।

गुलाब जल

नेल केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि गुलाब जल में एंटी-सेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल व एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जिसके कारण यह नाखूनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह नाखूनों के अंदरूनी भाग को साफ करता है और इसे हर समय पोषण और नमी युक्त रखता है। बस अआपको केवल अपनी उंगलियों को अच्छी तरह से साफ करने के बाद नियमित रूप से उपयोग करने की आवश्यकता है। फिर आपको कुछ ही दिनों में हेल्दी नेल्स मिलेंगे।

लहसुन

लहसुन आपके कमजोर नाखूनों को मजबूती देने में काफी मदद करता है। इस घरेलू उपाय को अपनाने वाली महिलाओं का कहना है कि आप लहसुन को कई विभिन्न तरीकों से अपने नाखूनों पर इस्तेमाल कर सकती हैं। मसलन, आप लहसुन को दो हिस्सों में काटकर उसे नाखूनों के अंदरूनी भाग पर रगड़कर लगाएं। इसके अलावा, आप एक लहसुन की फली भी काट सकती हैं और उसमें से रस निकालकर इसका इस्तेमाल नेल हार्डनर के रूप में करें।

विनेगर आएगा काम

अगर आप अपने क्यूटिकल्स को साफट बनाना चाहती हैं तो ऐसे में विनेगर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पहले आप अनानास का टुकड़ा लेकर उसे अच्छी तरह मैश करें। इसके बाद इसमें सिरका मिलाएं। अब अपने नेल्स को क्यूटिकल्स तक इस मिश्रण में डुबोएं और फिर अपने नेल्स की मालिश करें।

पैरों में रहता है दर्द तो इन घरेलू उपायों को अपनाएं जल्द मिलेगा आराम

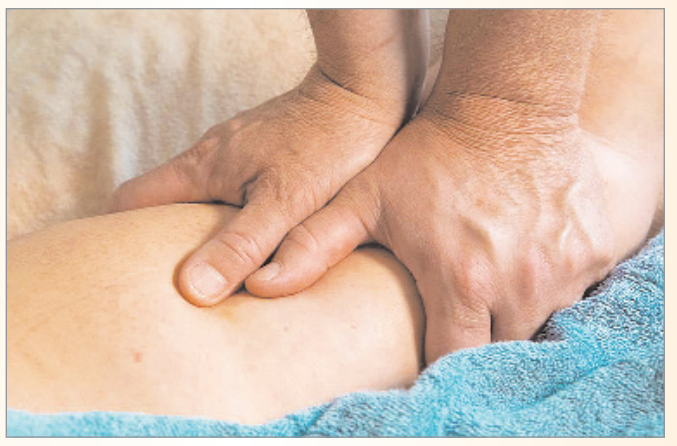

पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं। आज के समय में ज्यादा पैदल चलने या बहुत अधिक देर तक खड़े रहने से लोगों के पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द होना शुरू हो जाता है। पैरों में होने वाला दर्द अधिकतर रात के समय में अधिक परेशान करता है, जिस कारण से रात में सोना मुश्किल हो जाता है। यदि इस समस्या का समय पर निदान न किया जाए तो यह समस्या आगे चलकर एक गंभीर परेशानी को पैदा कर देती है। कुछ लोग तो पेन किलर दवाओं का सेवन करने लगते हैं जो उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में हम आपको बताते हैं कि आप इन घरेलू उपायों को आजमाकर पैर और पैर की मांसपेशियों में होने वाले इस दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

सेब का सिरका : पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर इसे दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं। आप टब में एप्पल विनेगर की कुछ बूंदे मिलाकर इसमें पैर डुबोकर भी बैठ सकते हैं।

सरसों का तेल दर्द में सहायक : पैर दर्द में आप सरसों के तेल की मालिश कर सकते हैं जिससे आपको बहुत लाभ मिलेगा। पैरों में होने वाले दर्द से आपको जल्दी ही छुटकारा मिलेगा। यह घरेलु नुस्खा सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाता है।

गर्म पानी : पैर की मांसपेशियों और पैर के दर्द में गर्म पानी बहुत सहायक हैं। आप गर्म पानी में नमक डालकर अपने पैरों को डुबोकर बैठ जाएं। इस प्रक्रिया के करने से आपको दर्द में बहुत राहत मिलेगी। यह एक बेहतरीन प्राकृतिक नुस्खा है।

मेथी का प्रयोग : मेथी भी दर्द से राहत देने में कारगर है। आप एक चम्मच मेथी रात को भिगोकर रख दें और उसे सुबह में खा लें। ऐसा करने से आपको पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में काफी राहत मिलेगी।

हल्दी : हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपके पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में राहत दिलाने में सहायक होते हैं। हल्दी को गर्म दूध में मिलाकर पीने से भी दर्द में आराम महसूस होता है इसके साथ-साथ आप पैरों पर हल्दी का लेप भी लगा सकते हैं।

स्कैल्प की खुजली से ना हों परेशान, बस अपनायें ये उपाय

शिकाकाई को बालों के लिए काफी अच्छा माना गया है। यह डैंड्रफ को मैनेज करने के साथ-साथ बालों के रोम को मजबूती प्रदान करता है। यह स्कैल्प की खुजली को दूर करने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। आप शिकाकाई पाउडर में थोड़ा पानी डालकर एक पेस्ट बना लें। क्या आप स्कैल्प पर होने वाली खुजली से परेशान हैं? क्या यह आपको सबसे सामने शर्मिन्दा

करता है? अगर इसका जवाब हां है, तो जरूरत है कि आप अपनी स्कैल्प की खुजली को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाएं। रूसी व जूं के अलावा भी ऐसे कई कारण है, जिसकी वजह से व्यक्ति को स्कैल्प में खुजली का अहसास होता है। लेकिन बार-बार सिर खुजलाना आपको परेशान कर सकता है।

आर्गेनिक कोकोनट ऑयल का करें इस्तेमाल

आर्गेनिक कोकोनट ऑयल में लॉरिक एसिड होता है, जिसमें एंटी-माइक्रोबायल प्रापर्टीज होती हैं। लॉरिक एसिड आपकी खुजली वाली स्कैल्प के उपचार में सहायक है। नारियल का तेल एक्जिमा के कारण स्कैल्प में होने वाली खुजली को दूर करने में मदद करता है। यह सिर की जूं से निपटने में भी मददगार है।

शिकाकाई है बालों के लिए लाभकारी

शिकाकाई को बालों के लिए काफी अच्छा माना गया है। यह डैंड्रफ को मैनेज करने के साथ-साथ बालों के रोम को मजबूती प्रदान करता है। यह स्कैल्प की खुजली को दूर करने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। आप शिकाकाई पाउडर में थोड़ा पानी डालकर एक पेस्ट बना लें। अब आप इसे अपनी स्कैल्प पर लगाएं। यह एक बेहतरीन कंडीशनर के रूप में भी काम करता है और खुजली और रूसी को कम कर सकता है।

पेपरमिंट ऑयल है कारगर

पेपरमिंट ऑयल डैंड्रफ को कम करने और स्कैल्प को शांत करने, खुजली को शांत करने में प्रभावी है। आप इसे किसी अन्य कैरियर ऑयल जैसे कि जैतून का तेल या कोकोनट ऑयल के साथ मिक्स करके स्कैल्प पर लगाएं। आप हल्के हाथों से स्कैल्प की मसाज करें और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप बालों को शैम्पू करें।

अखरोट से दूर करें खुजली

अगर आपको स्कैल्प इचिंग की समस्या है तो ऐसे में आप अखरोट के पत्तों का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप अखरोट के पत्तों को धीमी आंच पर 15-20 मिनट तक उबालें। अब पत्तियों को छान लें और इस पानी को अपनी स्कैल्प पर अप्लाई करें या नहाने के पानी में मिला लें। अखरोट के पत्तों के पानी से बालों व स्कैल्प को रिंस करने से स्कैल्प की खुजली की समस्या दूर होगी।

आंवला से स्कैल्प को मिलेगा आराम

आंवला में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं। साथ ही, इसमें एंटी-माइक्रोबायल और कूलिंग इफेक्ट होते हैं। इसलिए, आप स्कैल्प की खुजली को शांत करने के लिए आंवला का तेल या आंवला के रस का इस्तेमाल करें। आप आंवला के पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके सिर की खुजली में तुरंत राहत प्रदान कर सकता है। आप सूखे आंवला को पीसकर आंवला पाउडर बना सकते हैं।

थॉयराइड होने पर नजर आते हैं ये लक्षण, तुरंत करवायें जांच

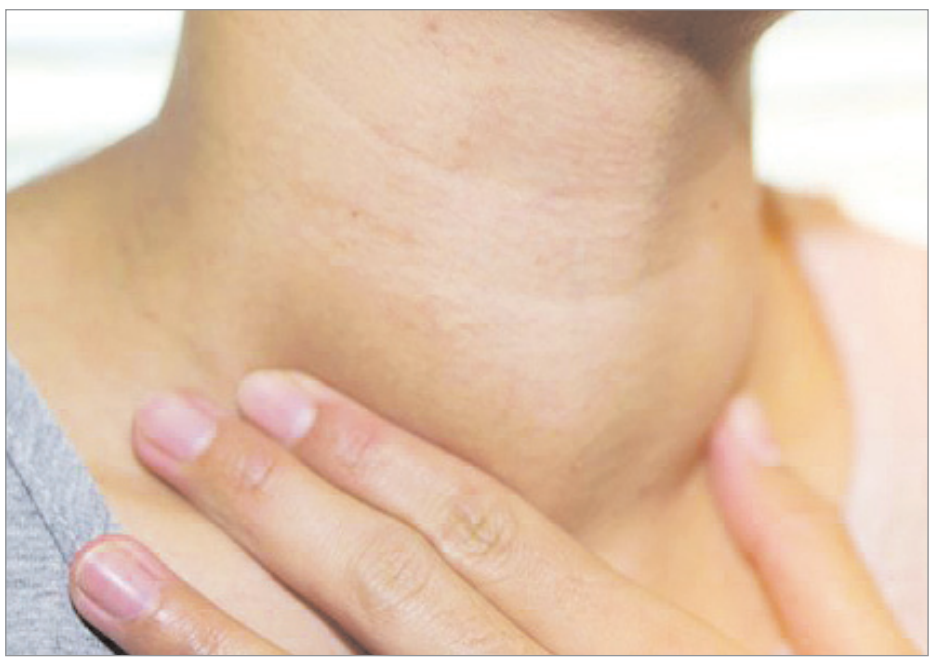

वजन का बिना किसी विशेष कारण के घटना या बढ़ना थॉयराइड का सबसे पहला व प्रमुख लक्षण माना जाता है। वजन बढ़ना थायराइड हार्मोन के निम्न स्तर का संकेत दे सकता है, एक स्थिति जिसे हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है। थॉयराइड आज के समय में एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है और महिलाओं में यह समस्या अधिक देखी जाती है। थॉयराइड वास्तव में एक तितली के आकार की ग्रंथि है, जो मेटाबॉलिज्म की स्पीड को नियंत्रित करने वाले हार्मोन का उत्पादन करती है। थायराइड विकार थायराइड हार्मोन के उत्पादन को बाधित करके चयापचय को धीमा या संशोधित कर सकते हैं। ऐसे में जब हार्मोन का स्तर बहुत कम या बहुत अधिक हो जाता है, तो आपको इसके लक्षण भी नजर आते हैं।

वजन का बढ़ना या घटना : हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि वजन का बिना किसी विशेष कारण के घटना या बढ़ना थॉयराइड का सबसे पहला व प्रमुख लक्षण माना जाता है। वजन बढ़ना थायराइड हार्मोन के निम्न स्तर का संकेत दे सकता है, एक स्थिति जिसे हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है। इसके विपरीत, यदि थायरॉयड शरीर की जरूरत से ज्यादा हार्मोन का उत्पादन करता है, तो आप अप्रत्याशित रूप से अपना वजन कम कर सकते हैं। यह हाइपरथायरायडिज्म के रूप में जाना जाता है।

गर्दन में सूजन : हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, थॉयराइड होने पर अक्सर गर्दन में सूजन भी हो सकती है। थॉयराइड होने पर आपको गलगंड भी हो सकता है। कभी-कभी गर्दन में सूजन थायरॉयड कैंसर या नोड्यूल के कारण हो सकती है, एक गांठ जो थायरॉयड के अंदर बढ़ती है।

हार्ट रेट में बदलाव : थायराइड हार्मोन शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं और इसमें आपका हृदय भी शामिल है। हाइपोथायरायडिज्म से प्रभावित लोगों में हृदय की गति को सामान्य से धीमी हो सकती है। वहीं, हाइपरथायरायडिज्म के कारण हृदय तेज हो सकता है।

ऊर्जा या मूड में परिवर्तन : थायराइड विकार का आपके ऊर्जा स्तर और मूड पर भी प्रभाव पड़ता है। हाइपोथायरायडिज्म लोगों को थका हुआ, सुस्त और उदास महसूस कराता है। हाइपरथायरायडिज्म के कारण चिंता, नींद न आना, बेचैनी और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

बालों का झड़ना : हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, बालों का झड़ना भी थॉयराइड विकार का एक लक्षण है। हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म दोनों के कारण बाल झड़ सकते हैं। ज्यादातर मामलों में, थायराइड विकार का इलाज होने के बाद बाल वापस उग जाते हैं।

बहुत अधिक ठंडा या गर्म महसूस होना : थायराइड विकार शरीर के तापमान को विनियमित करने की क्षमता को बाधित कर सकते हैं। हाइपोथायरायडिज्म वाले लोगों को अक्सर सामान्य से अधिक ठंड महसूस होती है। वहीं, हाइपरथायरायडिज्म का विपरीत प्रभाव पड़ता है, जिससे अत्यधिक पसीना और गर्मी का सामना करना पड़ता है।

❖ मिताली जैन

प्रोस्टेट कैंसर होने पर नजर आ सकते हैं ये लक्षण

पुरूषों में होने वाले सबसे आम कैंसर में से है प्रोस्टेट कैंसर। यह एक ऐसा कैंसर है, जो धीरे-धीरे बढ़ता है। हालांकि, यह केवल प्रोस्टेट ग्रंथि तक ही सीमित होते हैं, जिसके कारण इसे पूरे शरीर में ना फैलने की वजह से इसे बहुत गंभीर नहीं माना जाता है। जिस तरह महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा सबसे अधिक होता है, ठीक उसी तरह पुरूषों में प्रोस्टेट कैंसर का रिस्क रहता है। यह एक ऐसा कैंसर है, जो प्रोस्टेट में होता है। यह वास्तव में पुरुषों में अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि होती है जो वीर्य का उत्पादन करती है जो शुक्राणु को पोषण और परिवहन करती है। पुरूषों में होने वाले सबसे आम कैंसर में से है प्रोस्टेट कैंसर। यह एक ऐसा कैंसर है, जो धीरे-धीरे बढ़ता है। हालांकि, यह केवल प्रोस्टेट ग्रंथि तक ही सीमित होते हैं, जिसके कारण इसे पूरे शरीर में ना फैलने की वजह से इसे बहुत गंभीर नहीं माना जाता है। हालांकि, यह कैंसर होने पर आपको कुछ लक्षण नजर आ सकते हैं, जिसके बारे में आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं-

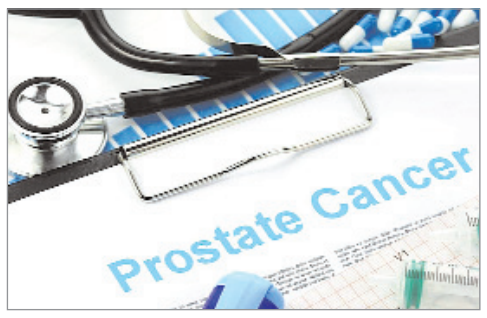

प्रमुख लक्षण

- प्रोस्टेट कैंसर होने पर पुरूषों में कुछ लक्षण नजर आ सकते हैं-
- यूरिनेशन में कठिनाई।
- पेशाब का कमजोर या बाधित प्रवाह।
- बार-बार पेशाब आना, खासकर रात में।
- मूत्राशय को पूरी तरह खाली करने में परेशानी।
- पेशाब के दौरान दर्द या जलन का अहसास होना
- पेशाब या वीर्य में खून आना।
- पीठ, कूल्हों या श्रोणि में लगातार दर्द का अहसास होना
- बिना किसी कोशिश के लगातार वजन कम होना
- नपुंसकता

प्रोस्टेट कैंसर के कारण

यह स्पष्ट नहीं है कि प्रोस्टेट कैंसर का क्या कारण है। लेकिन यह कहा जाता है कि प्रोस्टेट कैंसर तब शुरू होता है जब प्रोस्टेट की कोशिकाएं अपने डीएनए में बदलाव विकसित करती हैं। परिवर्तन कोशिकाएं सामान्य कोशिकाओं की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने और विभाजित होने के लिए कहती हैं।

प्रोस्टेट कैंसर के रिस्क

ऐसी कई वजहें हैं, जो प्रोस्टेट कैंसर के रिस्क को बढ़ाती हैं। मसलन-

- यूं तो प्रोस्टेट कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन 50 साल की उम्र के बाद इसके होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- यदि किसी रक्त संबंधी को प्रोस्टेट कैंसर हो चुका है, तो ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों को भी यह होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- स्वस्थ वजन वाले लोगों की तुलना में मोटे लोगों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा अधिक हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष राशि : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बाहरी सहायता से कार्यों में गति आएगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृष राशि : चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है। विवाद को बढ़ावा न दें। अतिउत्साह हानिप्रद रहेगा। कुसंगति से बचें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन राशि : राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क राशि : यात्रा लाभदायक रहेगी। काफी समय से रुका हुआ धन प्राप्ति के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा।

सिंह राशि : स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा, साक्षात्कार व करियर संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या राशि : शैक्षणिक व शोध इत्यादि कार्यों के परिणाम सुखद रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी कार्य में उत्साह व प्रसन्नता से सफलता प्राप्त होगी।

तुला राशि : दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है।

वृश्चिक राशि : बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रतिद्वंद्वी पस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

धनु राशि : घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। लंबे प्रवास की योजना बनेगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में अनुकूलता रहेगी।

मकर राशि : संबंधियों तथा मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कुंभ राशि : नई योजना बनेगी। पुराने किए गए निर्णयों का लाभ अब प्राप्त होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन राशि : किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। फालतू खर्च होगा। असमंजस रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता कम होगी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

बीएसएफ ने हथियार और गोला-बारूद का जखीरा किया बरामद

फिरोजपुर (एजेंसी)। बीएसएफ की 136 बटालियन के जवानों ने इस सेक्टर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक, सीमा चौकी के पास गश्त ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के जवानों को भारत-पाकिस्तान सीमा पर जीरो लाइन के पास एक बैग मिला। इस बैग की तलाशी के दौरान छह मैगजीन के साथ तीन एके राइफल, पांच मैगजीन वाली तीन मिनी एके-47 राइफल, छह खाली मैगजीन के साथ तीन पिस्टल (बेरेटा) और 200 जिंदा कारतूस बरामद हुए। बाद में फाजिल्का में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल में अज्ञात लोगों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में शुक्रवार को दो वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में दो बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि नकाशिपारा में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 सुबह करीब साढ़े आठ बजे एक यात्री वाहन का एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में पांचों लोगों की मौके पर ही मौच हो गयी। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। यात्री वाहन पर सवार लोग संभवतः रायगंज से कोलकाता की ओर जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि डबल लेने की मरम्मत के कारण ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था, तभी यह दुर्घटना हुयी। हादसे के बात ट्रक चालक और हेल्पर वाहन छोड़कर फरार हो गये। पुलिस ने कहा कि मृतकों में दो नाबालिग बच्चे एक महिला और दो वयस्क शामिल हैं।

केरल में बीते वर्ष पांच लाख से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गयी : विजयन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा है कि बीते वर्ष में राज्य में 5.2 लाख से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई। श्री विजयन ने गुरुवार को कहा कि हमारी नीति है कि रिपोर्ट किए गए हर एक अपराध का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2021 में 5.2 लाख से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि केरल सरकार का ध्यान एक ऐसे पुलिस बल के सृजन का प्रयास करने पर रहा है जो सेवा उन्मुख, नागरिक हितैषी तथा एक आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की आवश्यकताओं को पूरा करता हो। केरल के सभी पुलिस स्टेशनों को जनमैत्री (सामुदायिक पुलिस) पुलिस स्टेशन के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस और जनता समान भागीदार हैं।

रूस के पास है महाविनाशकारी डेड हैंड सिस्टम, परमाणु हमले के बाद भी हमला कर सकेगा डेड हैंड

मॉस्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच लगातार युद्ध जारी है। इस बीच पुतिन परमाणु युद्ध की धमकी दे चुके हैं। रूस के पास परमाणु हथियारों का जखीरा है। इतना ही नहीं, रूस के पास 'डेड हैंड' सिस्टम भी है, जो एक बार में 1,600 न्यूक्लियर मिसाइल दाग सकता है। इस सिस्टम के कारण कोई भी देश रूस पर हमला करने से पहले हजार बार सोचता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के पास 6000 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से 1,600 हमेशा दागे जाने के लिए तैयार हैं। ये रूस के डेड हैंड परमाणु हथियार प्रणाली से जुड़े हैं। डेड हैंड दुनिया के सबसे विनाशकारी न्यूक्लियर सिस्टम में से एक माना जाता है, जिसे शीत युद्ध के दौरान बनाया गया था। विशेषज्ञ इस सिस्टम को डूम्सडे डिवाइस भी कहते हैं जो एक बार में अपने सभी न्यूक्लियर हथियारों को फायर कर सकता है। डेड

- न्यूक्लियर हमला हुआ तो दुश्मन पर दागेगा 1,600 परमाणु मिसाइल
- डेड हैंड एक्टिवेट होते ही 1600 परमाणु हथियार लॉन्च होंगे
- पूरी तरह ऑटोमैटिक है डेड हैंड सिस्टम

हैंड एक ऑटोमैटिक हथियार प्रणाली है, जिसे परमाणु हमले का जवाब देने के लिए डिजाइन किया गया है। अगर रूस पर परमाणु हमला हो जाता है तो ये सिस्टम ऑटोमैटिक तरीके से दुश्मन पर हमला शुरू कर देगा। इस प्रणाली का विकास इसलिए किया गया है कि अगर

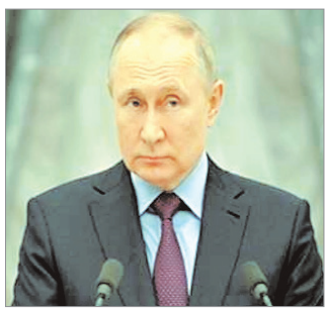

एक परमाणु हमले में सभी रूसी अधिकारी मारे जाएं तो भी दुश्मन पर हमला हो सके।

ऐसे काम करता है सिस्टम : ये सिस्टम पहले वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के संकेतों की जांच करता है। अगर सिस्टम को किसी के जिंदा होने का सबूत नहीं मिलता तो ये परमाणु हमले के संकेतों की जांच शुरू कर देगा। डेड हैंड प्रकाश, रेडिएशन के स्तर, भूकंप, वायु दाब गर्मी को मापकर परमाणु हमले का पता लगाएगा। अगर हमाले की पुष्टि होती है तो डेड हैंड एक्टिवेट हो जाएगा। इसके एक्टिवेट होते ही सेना के जनरल स्टाफ के पहले से एंटर किए हुए आदेश को देश के सभी न्यूक्लियर कमांड साइलो को भेज दिया जाएगा। माना जाता है कि संकेत बॉम्बर और पनडुब्बियों को भी पहुंचेगा। इसके बाद मिसाइल के साइलो में परमाणु हमले से सुरक्षित बचे लोग अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च कर देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये खतनार हथियार प्रणाली मॉस्को के दक्षिण में कहीं एक सैन्य बंकर में स्थित है।

परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ा

इस विनाशकारी हथियार प्रणाली का एक्टिव होना पश्चिमी देशों और रूस के बीच परमाणु युद्ध की आशंका को बढ़ाने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस को वह कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी उसे उम्मीद थी। कई मोर्चों पर उसे हार का सामना करना पड़ा है। कई बार रूस परमाणु युद्ध की धमकी भी दे चुका है। हाल ही में रूस ने ऑपरेशन थंडर का अभ्यास किया, जहां सेना ने परमाणु युद्ध की स्थिति में जवाबी कार्रवाई की प्रैक्टिस की।

पूरी तरह ऑटोमैटिक है सिस्टम

डेलीस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2018 में अमेरिकी वायुसेना के परमाणु प्रक्षेपण अधिकारी डॉ ब्रूस ब्लेयर ने कहा था कि ये सिस्टम तीन सदस्यों के जरिये ऑपरेट किया जाता है, जिसका एकमात्र काम ये सुनिश्चित करना है कि सिस्टम काम कर रहा है। उन्होंने कहा था कि इसे ऑन करने के अलावा ये पूरी तरह ऑटोमैटिक है। ये तीन क्रू मेंबर कोई हाई रैंकिग अधिकारी नहीं होते हैं। ये सिर्फ कुछ चेकलिस्ट फॉलो करते हैं। इस सिस्टम में इंसानों का दखल न के बराबर है, जो इसे परमाणु युद्ध रोकने के लिए वैध और नैतिक बनाता है। हालांकि ये सिस्टम सिर्फ संकट के समय एक्टिवेट करने के लिए बनाया गया था, लेकिन कथित तौर पर ये 2009 से ही एक्टिवेट है।

मोदी की विदेश नीति के दीवाने हुए पुतिन, बताया सच्चा देशभक्त

○ कहा- आने वाला भविष्य भारत का है, रूसी राष्ट्रपति ने की मोदी की तारीफ

मॉस्को (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति की दुनिया भर में चर्चा है। भारत की विदेश नीति की तारीफ करने से अब पुतिन भी खुद को रोक नहीं सके। गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक सच्चा देशभक्त बताया। पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी उन लोगों में से एक हैं जो अपने देश के हित के लिए स्वतंत्र विदेश नीति को चुनने का दम रखते हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से भारत और रूस के बीच विशेष संबंध विकसित हुए हैं। दोनों देशों के बीच कोई भी बचा हुआ मुद्दा नहीं है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ये बातें मॉस्को में वल्दाई डिस्कशन क्लब की

19वीं वार्षिक बैठक में कही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भारत ने ब्रिटेन के उपनिवेश से आधुनिक राज्य बनने के बीच जबरदस्त प्रगति की है। इसने ऐसे विकास किए हैं जो भारत के लिए सम्मान और प्रशंसा का कारण बनते हैं।' पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में बहुत कुछ किया गया है। स्वाभाविक रूप से वह एक देशभक्त हैं। मेक इन इंडिया के लिए उनका विचार आर्थिक और नैतिक दोनों रूप से मायने रखता है।' पुतिन ने आगे कहा कि भविष्य भारत का है। इसे सबसे बड़ा लोकतंत्र होने पर गर्व हो सकता है और हमारे बीच एक विशेष रिश्ता है। हमारे बीच घनिष्ठ संबंध हैं। पुतिन ने रक्षा साझेदारी और बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि हमारे बीच व्यापार में बहुत वृद्धि हुई है। पीएम मोदी ने मुझसे भारत के लिए उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कहा और इसमें 7.6 गुना की वृद्धि हुई है। कृषि से जुड़ा व्यापार लगभग दोगुना हो गया है।

पश्चिमी देशों ने यूक्रेन में जैविक हथियार होने से किया इनकार

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका और उसके साथी पश्चिमी देशों ने रूस के इस दावे को खारिज कर दिया कि यूक्रेन में अमेरिका के सहयोग से प्रतिबंधित जैविक हथियारों से संबंधित गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि ये आरोप झूठे और मनगढंत हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने कहा कि रूस अपने इन आरोपों की संयुक्त राष्ट्र जांच कराने को तैयार है कि दोनों देश जैविक हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले समझौते का उल्लंघन कर रहे हैं। यूक्रेन से संबंधित मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तीसरी बैठक के दौरान इस मामले पर चर्चा हुई। रूस ने मंगलवार को, यह बैठक बुलाई थी। अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने बैठक को समय की भारी बर्बादी करार देते हुए रूस के आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया।

26/11 हमले के मुख्य साजिशकर्ता अब भी हैं सुरक्षित : एस. जयशंकर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता और योजनाकार अब भी सुरक्षित हैं और उन्हें सजा नहीं दी गयी है। आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का मुकाबला विषय पर यहां आयोजित एक विशेष बैठक में उन्होंने कहा कि जब कुछ आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने की बात आती है तो कुछ मामलों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद राजनीतिक कारणों से, खेदजनक रूप से कार्रवाई करने में असमर्थ रही है। उन्होंने कहा कि 26/11 आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता और योजनाकार अब भी सुरक्षित हैं तथा उन्हें सजा नहीं दी गयी है। जयशंकर ने कहा कि यह स्थिति सामूहिक विश्वसनीयता और सामूहिक हित को कमतर करती है। जयशंकर के साथ गबोन के विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष माइकल मूसा ने यहां ताज महल पैलेस होटल में 26/11 आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने कहा कि स्तब्ध करनेवाला यह आतंकी हमला केवल मुंबई पर ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर हुआ आतंकी हमला था।

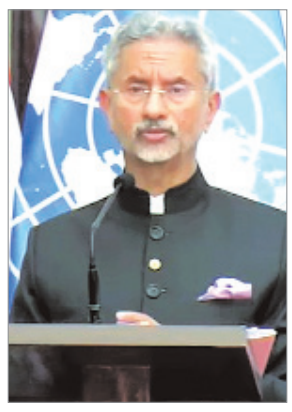

- 26/11 आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता अब भी सुरक्षित हैं और उन्हें सजा नहीं दी गयी : जयशंकर

भारत ब्रिटेन एफटीए को लेकर बातचीत में प्रगति होगी : सुनक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से शुक्रवार दोपहर से टेलीफोन पर बात की और उन्हें अपने देश का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ब्रिटिश उच्चायोग ने यहां बताया कि श्री सुनक ने शुक्रवार दोपहर श्री मोदी से टेलीफोन पर बात की। श्री मोदी ने उन्हें भारत के 1.3 अरब भारतीयों की ओर से प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। श्री सुनक ने कहा कि वह ब्रिटेन एवं भारत के बीच ऐतिहासिक संपर्कों के चश्मदीद प्रतिनिधि हैं और दोनों देशों के बीच हमारे संबंधों को अत्यंत प्रगाढ़ संबंधों में

बदलना चाहते हैं। वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा के दौरान श्री सुनक ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। दोनों नेताओं ने सुरक्षा, प्रतिरक्षा एवं आर्थिक साझीदारी के अवसरों का भी स्वागत किया। श्री सुनक ने उम्मीद जतायी कि भारत एवं ब्रिटेन के बीच एक समग्र मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिलेगी। दोनों नेताओं ने अपने अपने देशों के लोकतंत्रों के एक साथ आने और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए काम करने पर सहमति जतायी। दोनों नेताओं ने इंडोनेशिया में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में मुलाकात की आकांक्षा भी जतायी।

मुफ्त योजनाओं का मामला चुनाव आयोग के दायरे से है बाहर

- आरएनएम

नयी दिल्ली। चुनावों के पहले राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त योजनाओं के वादे करने पर सवाल चुनाव आयोग नहीं कर सकता। क्योंकि यह उसके दायरे से बाहर है। यह कहते हुए ज्यादातर राजनीतिक दलों ने मुफ्त योजनाओं की घोषणा को लेकर चुनाव आयोग की तरफ से उसके खर्च का प्लान मांगे जाने पर कड़ा ऐतराज जताया है। इस बारे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश की ओर से चुनाव आयोग को दिये गये जवाब में कहा गया है कि यह ऐसा मसला है, जो आपके दायरे में नहीं आता। जयराम ने अपने जवाब में कहा कि न तो सरकार, ना ही अदालत और ना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है कि वह ऐसे मुद्दों पर कोई निर्णय लें। यही नहीं उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि वह इस पर कोई भी फैसला न ले, यही बेहतर होगा।

जयराम ने संविधान में दिये नियमों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को उसके अधिकार क्षेत्र की याद दिलायी है। कांग्रेस ने अपने पत्र में कहा कि चुनाव आयोग का यह काम है कि वह फ्री एंड फेयर चुनाव कराये। इसके लिये आर्टिकल-324 में उसे अधिकार दिये गये हैं।

- आयोग का अधिकार है नफरती भाषण, सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली चीजों या प्रभाव के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाये

कांग्रेस ने कहा कि आयोग के पास अधिकार है कि वह नफरती भाषण, सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली चीजों या प्रभाव के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाये, लेकिन जैसे प्रस्ताव की बात की गयी है, वैसा कुछ भी करने के लिए संसद से एक अलग कानून पारित कराना होगा। फिलहाल ऐसे किसी प्रस्ताव पर फैसला लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग को सबसे पहले मौजूदा कानूनों को ही ढंग से लागू करने पर ध्यान देना चाहिए। एक नियम तो यही है कि चुनाव के दौरान कोई भी राजनीतिक दल सुरक्षा बलों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए श्रेय नहीं लेगा। उसका राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास नहीं करेगा, लेकिन 2019 के आम चुनाव में ऐसा ही हुआ था, जब सत्ता सर्वोच्च ने सीधे तौर पर सेना की उपलब्धियों का श्रेय लेने का प्रयास किया। कांग्रेस ने कहा कि इस मामले में हमने सुप्रीम कोर्ट तक जाकर मांग की थी कि आयोग सुनवाई करे, लेकिन हमारी अर्जी को खारिज कर दिया गया। कांग्रेस ने कहा कि इसी तरह कई मौकों पर आचार संहिता का उल्लंघन किया गया। फ्रीबीज की परिभाषा भी कांग्रेस ने बताते हुए कहा कि हर राजनीतिक दल चुनाव में वादे करता है। उसके बाद यदि सरकार बनती है तो उसकी ओर से उन वादों को पूरा करने का प्रयास भी किया जाता है। हालांकि, कई मौकों पर ऐसा भी होता है कि वह प्रयास पूरा नहीं होता है, लेकिन अगले चुनाव में फिर उस पर आगे बढ़ने की बात कही जाती है। यह बात कहना बहुत कठिन है कि कौन सा वादा कितना पूरा हो पायेगा। ऐसे में फ्रीबीज की परिभाषा में सुधार की जरूरत है।

न्यूज गैलरी

नेत्रहीन क्रिकेटर सुजित मुंडा को विभिन्न संगठनों ने किया सम्मानित

रांची। शुक्रवार को क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के द्वारा भारत में आयोजित होने वाले नेत्रहीनों के लिए तीसरे टी–20 विश्व कप के लिए रांची धुर्वा मोसीबाड़ी जगरनाथ मंदिर निवासी सुजीत मुंडा का चयन हुआ है। सुजित मुंडा अपने बेहतरीन बल्लेबाजी गेंदबाजी के दम पर ऑलराउंडर के रूप में चयनित हुवे है। नेत्रहीनों के लिए तीसरी 3 - 20 विश्व कप में भाग लेने वाले झारखंड के सुजित मुंडा के चयन के लिए पूरा झारखंड गौरव वाणवित है।इसी क्रम में राजधानी रांची के विभिन्न सामाजिक संगठन के लोगों ने संयुक्त रूप से नेत्रहीन क्रिकेटर सुजित मुंडा जी एव उनकी धर्मपत्नी अनिता मुंडा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पिठौरिया कि संचालिका समाजसेवी अनिल कुमार, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी नंद किशोर सिंह चंदेल, समाजसेवी मुकेश नायक, समाजसेवी राज कुमार मंडल, समाजसेवी सम्पति देवी सहित सभी लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल कुमार ने क्रिकेटर सुजित मुंडा जी को आर्थिक सहयोग भी किया।सभी लोगों ने सुजीत को उज्जवल भविष्य की कामना किया। यह जानकारी अमन ने दी।

मंगलमपल्ली प्रतिष्ठान में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने दो अपराधियों को दबोचा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डेली मार्केट थाना क्षेत्र के विष्णु गली में सनमाइका कारोबारी सौरभ साबू को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने के वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इन अपराधियों को रांची के आसपास के इलाकों को दबोची है। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई बाइक पर हथियार भी बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने तीसरे साथी के नाम का भी खुलासा किया है। पुलिस उसे दबोचने के लिए उसके संबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसएसपी किशोर कौशल इस मामले का शनिवार को खुलासा कर सकते हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को कई अहम जानकारी भी दी है। बता दें कि इस वारदात में शामिल एक अपराधी हिंदपीढ़ी लेक रोड का है, जबकि दूसरा चुटिया व लोअर बाजार थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

शुक्रवार दोपहर अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

विष्णु गली स्थित मंगलमपल्ली प्रतिष्ठान 21 अक्तूबर को दो अपराधी घुसे थे। 20 मिनट तक प्रतिष्ठान के संचालक विष्णु चौधरी से बातचीत की। उस वक्त बकाया राशि लेने के लिए सनमाइका कारोबारी सौरव साबू भी प्रतिष्ठान में मौजूद थे। दोनों अपराधी ने पहले उनसे सनमाइका और प्लाईवुड के संबंध में जानकारी ली और बातचीत करते रहे। करीब 20 मिनट तक दोनों अपराधी प्रतिष्ठान के अंदर मौजूद रहे। इसी क्रम में एक अपराधी ने फायरिंग शुरू कर दी। इस क्रम में अपराधियों और विष्णु के बीच हाथापायी शुरू हो गयी। जिसमें सौरव भी शामिल था। इसी क्रम में एक अपराधी ने लक्ष्य कर सौरभ पर गोली चलायी। गोली सौरभ के हाथ में लगी। हो-हल्ला होने के बाद दोनों अपराधी पैदल उस दिशा की ओर भाग निकले, जहां उनका एक साथ पूर्व से तय योजना के मुताबिक मोटरसाइकिल का इंजन स्टार्ट कर उनकी प्रतीक्षा कर रहा था। बाद में तीनों बाइक पर सवार होकर बड़ा तालाब की ओर भाग निकलने में कामयाब हो गए। इधर प्रतिष्ठान में गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के अन्य दुकानदार भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

पृष्ठ एक के शेष

अधिवक्ता राजीव कुमार पर चार केस...
को कोलकाता पुलिस ने 50 लाख नकदी के साथ गिरफ्तार किया था। शेल कंपनियों से जुड़े याचिका को मैनेज करने के बदले पैसे मांगने के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। बाद में ईडी ने इस केस में अलग से मनी लार्उंड्रिंग का केस किया था। यही वजह थी कि कोलकाता के केस में जमानत पर छूटने के बाद भी राजीव कुमार को जेल में ही रहना पड़ा। ईडी ने इस केस में राजीव कुमार के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दिया है। फिलहाल वह रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं।

नहाय खाय से शुरू हुआ लोक...
पूजा के तीसरे दिन शाम के समय भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। इस दौरान सभी व्रती श्रद्धालु अपनी-अपनी बांस की टोकरी में पूजा सामग्री के साथ फल, ठेकुआ और चावल के लड्डू भी रखते हैं। इस दौरान पूरे अर्घ्य के सूप को भी सजाया जाता है। जब पूरे विधि-विधान से पूजा हो जाती है फिर सभी व्रती अपने परिजनों के साथ मिलकर अस्ताचल सूर्य यानी डूबते सूरज देवता को अर्घ्य देते हैं यानी इस दिन डूबते सूर्य की उपासना की जाती है। छठ पूजा का पहला अर्घ्य इस साल 30 अक्टूबर को दिया जायेगा। इस दिन सूर्यास्त का समय 05 बजकर 34 मिनट से शुरू होगा।

बैंक और ग्रामीणों के बीच सेतु...
बिरानी की तरह रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड के पलानी गांव की रहनेवाली अनिता कुमारी एक साल से एफएलसीसी के तौर पर काम कर रही हैं। वह कहती हैं, मुझे अपना काम करने में बहुत मजा आता है। मुझे लोगों की मदद करना और वित्तीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अच्छा लगता है। मैंने खुद भी सभी बीमा योजनाएं ली हैं। एक कैंप में मैं औसतन 40-45 लोगों का बीमा करती हूं। लोग मेरे पास वित्त संबंधी सुझाव लेने आते हैं। मैंने अपनी खुद की पहचान बनायी है और महीने के 15 हजार रुपये की आमदनी कर रही हूं।

एफएलसीसी ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं लेने और समझने में हो रही सहूलियत : वित्तीय साक्षरता केंद्र काउंसलर की पहल से जहां एक तरफ कार्यरत एफएलसीसी अपनी आजीविका सुनिश्चित कर रही हैं, वहीं ग्रामीणों को भी बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेना आसान हुआ है। एके प्रसाद, मुख्य प्रबंधक, वित्तीय समावेशन, जेआरजीबी, खूंटी ने बताया कि एसएचजी सदस्यों की स्थानीय भाषा में अच्छी पकड़ है, जो लोगों को विभिन्न वित्तीय सेवा को समझाने में मदद करती हैं। एफएलसीसी के रूप में एसएचजी सदस्य, वित्तीय सेवा को बढ़ावा देने, आवश्यकताओं को समझने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए एक अच्छा विकल्प है।

एफएलसीसी के रूप में एसएचजी सदस्य ग्रामीणों को कर रही हैं लाभान्वित : झारखंड के 12 अलग-अलग जिलों देवघर, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, धनबाद और गुमला में कुल 12 एफएलसीसी कार्यरत हैं। समूह की महिलाओं के अच्छे कार्य ने जेआरजीबी को एफएलसीसी के रूप में अधिक एसएचजी सदस्यों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया है। वे ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों पर बहुत कुशलता से जागरूकता बढ़ाती हैं और बैंक व्यवसाय बढ़ाने और ग्रामीण लोगों के बीच वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के दोहरे उद्देश्य की पूर्ति कर रहीं है।

बिरानी के जीवन में समूह...
वित्तीय उत्पादों की जानकारी देती हैं, जिससे उनकी खुद की भी आजीविका चल रही है। आज बिरानी की मासिक आमदनी 15 हजार रुपये है। बिरानी ने सखी मंडल से जुड़ने के बाद चार वर्षों तक बैंक सखी के रूप में काम किया, जहां वित्तीय ज्ञान और विभिन्न बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। बिरानी अन्य बैंक सखियों को भी प्रशिक्षण देती थी और प्रति माह लगभग आठ हजार रुपये तक की आमदनी कर लेती थी। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के बाद बिरानी का चुनाव एफएलसीसी के लिए हुआ। एफएलसीसी के रूप में कार्य करते हुए आज वह विभिन्न गांवों में प्रति माह सात से 10 शिविर का आयोजन कर रही हैं। शिविर में वह वरिष्ठ नागरिकों और स्कूली बच्चों सहित अन्य ग्रामीणों को विभिन्न वित्तीय सेवाएं एवं जानकारियां प्रदान करती हैं। एक कैंप में औसतन बिरानी 40 से 50 लोगों का बीमा भी करती हैं। बिरानी बताती हैं कि अब मेरी अपनी पहचान है। समूह में शामिल होने से पहले मैं अपनी मां के साथ घास काटा करती थी। हालांकि, मेरे पास स्नातक की डिग्री थी। लेकिन, तब डिग्री होने के बावजूद डिग्री लायक कोई काम नहीं था। लेकिन, एफएलसीसी के तौर पर कार्य कर आज मेरी अपनी पहचान बनी है साथ ही आमदनी सुनिश्चित हो रही है।

एक फेक न्यूज पूरे देश में...
राज्य में अपराध करने की भयंकर ताकत रखते हैं। देश की सीमा से बाहर बैठे अपराधी भी टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा इसके सभी राज्यों और केंद्र की एजेंसियों में समन्वय जरूरी है। कई बार केंद्रीय एजेंसियों को अलग-अलग राज्य में और अन्य देशों में भी जांच करनी पड़ती है। इसलिए सभी राज्यों का दायित्व है कि एकसाथ मिलकर काम करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि साइबर क्राइम और ड्रोन के जरिये ड्रग्स तस्करी के लिए हमें नयी टेक्नोलॉजी पर काम करते रहना होगा। 5जी आने से एक तरफ फेस रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी, ड्रोन और सीसीटीवी टेक्नोलॉजी में सुधार होने वाला है, तो वहीं क्राइम करनेवाले लोग भी टेक्नोलॉजी में आगे जा रहे हैं। उनसे हमें 10 कदम आगे रहना होगा। नरेंद्र मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों और गृह मंत्रियों से अनुरोध करते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी को बजट के तराजू में ना तौलें। टेक्नोलॉजी के विषय में एक टीम बनाने के बारे में सोचना चाहिए। इसमें जो बजट जायेगा, वो सैकड़ों खचरें को बचाने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी, क्राइम रोकने और क्राइम की जांच में भी मदद करती है। कितने ही अपराधी सीसीटीवी से पकड़े जा रहे हैं। सभी को बड़ा मन रखकर एक कॉमन प्रोग्राम बनाने के बारे में सोचना चाहिए और अपनी टेक्नोलॉजी को एकदूसरे से साझा भी करना चाहिए।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार आतंकवाद को लेकर सख्ती दिखा रही है, अब बंदूक वाले नक्सलवाद और कलम वाले नक्सलवाद की काट निकालना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्री और गृह मंत्रियों को संबोधित करते हुए बताया कि आतंकवाद, हवाला और भ्रष्टाचार पर सरकार द्वारा सख्ती दिखायी जा रही है। वहीं, आतंकवाद के ग्राउंड नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सभी राज्य इसकी गंभीरता को समझ रहे हैं। बस इसके लिये एकसाथ मिलकर लड़ाई लड़नी होगी। सभी राज्यों और केंद्र की एजेंसियों में समन्वय जरूरी है। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद पर भी प्रहार करते हुए कहा कि नक्सलवाद के हर फॉर्म को पराजित करना होगा। बंदूकवाले नक्सलवाद को भी और कलम वाले नक्सलवाद को भी। इसकी काट निकालना बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये युवा पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैसे हमने नक्सल प्रभावित जिलों पर फोकस किया है, वैसे ही वो अब अपना इंटलेक्चुअल दायरा उन जगह पर बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां से वो आनेवाली पीढ़ियों में विकृत मानसिकता पैदा कर सकते है। वो समाज में एक खाई पैदा कर सकते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सलवाद से समझदारी से निपटना होगा। फोर्स को एक्सपर्ट होना होगा। उन्होंने कहा कि इन्हें विदेशों से भी मदद मिलती है। इनका चेहरा मोहरा अलग दिखता है और काम ये अलग करते हैं। सुरक्षा एजेंसियां को इसे समझना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि जम्मू-कश्मीर और नार्थ ईस्ट में विकास के चलते उग्रवादी मुख्य धारा में लौट रहे हैं। इसी तरह सीमा सुरक्षा पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि अधिकारियों को एक दिन बॉर्डर क्षेत्रों में गुजारना चाहिए ताकि वहां की असलियत पता चल सके। अंत में उन्होंने उम्मीद जतायी कि शिविर की चर्चा में एक केलक्टिव रोडमैप बनेगा जिसमें सभी लोग मिलकर काम कर सकेंगे।

बाबूलाल का वार...
मरांडी ने कहा कि लूट में शामिल लोग बिरसा मुंडा जेल से रिम्स अस्पताल पहुंच कर स्वस्थ्य लाभ कर रहे हैं बाकि बचे हैं वे भी जेल से अस्पताल आने का जुगाड़ लगा रहे हैं। आगे जो जेल जाने के कतार में हैं वे भी रिम्स आना चाहेंगे। बेहतर होगा कि रिम्स अस्पताल में अपने अपने आगन्तुकों के लिये बिरसा मुंडा जेल का एक ब्रांच ही खोलवा दीजिये।

देवघर डीसी को वीडियो के जरिये घेरा : देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री का एक वीडियो बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर डाला, जिसमें सारठ प्रखंड में वह ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पूछ रहे हैं कि देवघर में एम्स बना या एयरपोर्ट बना, लेकिन नौकरी मिली क्या। इस वीडियो को ट्वीट करते हुए बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि उपायुक्त के पद पर रहकर झामुमो पार्टी के प्रवक्ता की तरह काम कर रहे मंजूनाथ भजंत्री को देवघर में एम्स और एयरपोर्ट के निर्माण में विकास नहीं नजर आता। ये नौकरशाह अपनी पीड़ा बतानेवाले कांवरियों पर पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगा देते हैं। हाईकोर्ट की फटकार के बाद न्यायिक व्यवस्था पर गुस्सा दिखाने वाले इस व्यक्ति का आचरण शुरू से असंवैधानिक रहा है। बाबूलाल मरांडी ने लिखा कि ब्यूरोक्रेसी की छवि धूमिल करने वाले ऐसे अधिकारी पर भारत सरकार कड़ी कार्रवाई करे।

पलामू में दो सौ सालो का...
आशुतोष मिश्रा ने बताया की 4 साल पहले तक मुस्लिम समुदाय के लोगो के द्वारा भी छठ किया जाता था। अपनी मान्यता पूरी होने पर मुस्लिम समुदाय के लोग पूरी आस्था से छठ पर्व करते थे। लेकिन मुस्लिम समाज के कुछ लोगो के द्वारा बहिष्कार किया गया और जो मुस्लिम लोग छठ करते थे, उन्हें रोक दिया गया। नाम नहीं बताने के शर्त पर एक मुस्लिम ने बताया की उनके घरो में बहुत परेशानी थी, घर की हालात बहुत खराब थी। लेकिन मंदिर के बारे में जब पता चला तब मान्यता मांगी और छठ करने की ठानी। मेरी समस्या छठ मईया और मंगला गौरी के कृपा से दूर हो गयी, मैंने छठ पूजा किया। लेकिन मुस्लिम संगठन के लोग मेरे पास आये और कहा हमारे बिरादरी की बदनामी होती है। लोग तरह तरह की बाते करते है। तब से पूजा करने नहीं जाता हुं। मंदिर के आशुतोष ने बताया कि मंदिर में मुस्लिम महिलाओं के अलावा बंगाली,मारवाड़ी, और जैन समुदाय के महिलाओं का भी हमेशा आना जाना रहता है। छठ पर्व के दौरान सामान सौहार्द का केंद्र बना रहता है।

झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा वर्ष 2008 में आरंभ किये गये पैक्ट की शुरूआत की गयी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा वर्ष 2008 में आरंभ किये गये पैक्ट (पुलिस एंड चैंबर टूगेदर) की पुनः शुरूआत शुक्रवार को लॉ एण्ड ऑर्डर उप समिति द्वारा की गई। इस दौरान लॉ एण्ड ऑर्डर उप समिति द्वारा थाना स्तर पर संयोजकों को नियुक्त भी किया जायेगा। चेयरमेन प्रवीण लोहिया ने कहा कि क्षेत्रवार समस्याओं के निष्पादन हेतु प्रत्येक थाना स्तर पर वॉट्सएप्प ग्रुप बनाकर सदस्यों को जोड़ा जायेगा और संयोजक नियुक्त किये जायेंगे। इससे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना संबंधित थाना क्षेत्र को समय पूर्व प्राप्त होगी जिससे घटनाओं को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। थाना प्रभारी को भी इससे काफी मदद मिलेगी। शीघ्र ही सभी जिलों के चैंबर ऑफ कॉमर्स और सम्बद्ध संस्थाओं से समन्वय बनाकर राज्यभर में पुलिस प्रशासन के साथ जोनल मीटिंग का आयोजन कर लॉ एण्ड ऑर्डर स्थिति की समीक्षा और समाधान के प्रयासों को गति दी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित थाना क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के साथ ही पूरे क्षेत्र में सुरक्षित माहौल कायम रखने के उद्देश्य के लिए ही चैंबर द्वारा थाना स्तर पर समिति का गठन किया जा रहा है। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि प्रायः यह देखा गया है व्यापारी थाना में आने के लिए झिझक महसूस करते हैं। थाना स्तर पर समिति का गठन करने और पुलिस व्यवसायी की नियमित बैठकों का आयोजन किये जाने से प्रायः समस्याओं का समाधान संभव है। मौके पर चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, अमित शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनिल केडिया, समेत अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गढ़वा।
आवश्यक सूचना।
(लापता व्यक्ति मंदीप पाल उम्र करीब–61 वर्ष)

रमकण्डा थाना सनहा सं0–20/22 दिनांक–21.09.2022 में लापता मंदीप पाल, उम्र करीब–61 वर्ष, पे0–स्व0 चेता पाल, सा0–बिराजपुर, टोला–गंगा टोली, पो0–बैरिया, थाना–रमकण्डा, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड, के रहने वाले है। जो दिनांक–20.09.2022 को अपने घर से कहीं चले गये हैं। उक्त लापता व्यक्ति का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि लापता व्यक्ति मंदीप पाल के बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता व्यक्ति का हुलियाः–
लम्बाई– लगभग–05 फीट, रंग–सांवला, बाल–काला एवं सफेद,
चेहरा–लम्बा, बदन–पतला, भाषा–हिन्दी, शिक्षा–पाँचवा,
पहनावा–टी शर्ट ब्राउन कलर एव गमछा।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,गढ़वा।
PR 281025 Police(22-23)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-14/2022-23 (1st Call) (Pansha-Rambandh RPWSS) जो PR No. 280074 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 P.M.	14/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 P.M.	21/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 P.M.	22/11/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 P.M.	23/11/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।
PR.NO.280947 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

कार्यालय जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, लोहरदगा
(मनरेगा कोषांग)

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.10.2022 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित सूचना PR 280595 Lohardaga (22-23)_D अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

परियोजना अर्थशास्त्री
जि0ग्रा0वि0अभि0, लोहरदगा

उप विकास आयुक्त–सह–
जिला कार्यक्रम समन्वयक,
मनरेगा, लोहरदगा

PR 280943 Lohardaga(22-23).D

झारखण्ड सरकार
खान एवं भूतत्व विभाग
जिला खनन कार्यालय, पलामू, मेदिनीनगर
e-mail :- dmo-palamau@jharkhandmail.gov.in

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि PR280923(District)22-23*D द्वारा पलामू जिला के उटॉरी रोड, नावा बाजार, सदर, मेदिनीनगर अंचल अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर अवैध रुप से भंडारित बालू खनिज के आम निलामी हेतु प्रकाशित तिथि 05.11.2011 के स्थान पर 05.11.2022 पढ़ा जाय।

ह०/–
जिला खनन पदाधिकारी,
पलामू, मेदिनीनगर

PR 280965 (District)22-23*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/RPWS/Med-15/2022-23 (1st Call) (Sonpurwa-Nawadih-Rajwadih-Jamune RPWSS) जो PR No. 280071 द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है, के तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि/समय	संशोधित तिथि एवं समय
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 P.M.	10/11/2022 / 12.30 P.M.
प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 P.M.	17/11/2022 / 12.30 P.M.
बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 P.M.	24/11/2022 / 05.00 P.M.
अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 P.M.	25/11/2022 / 05.00 P.M.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 P.M.	26/11/2022 / 04.00 P.M.

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर

PR 280944 (Drinking Water and Sanitation)22-23*D

कार्यालय उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, लातेहार।

सूचना

उप निदेशक, पंचायती राज विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक 2173 दिनांक 14.10.2022 के आलोक में लातेहार जिला अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित होनेवाले भवनों का नक्शा स्वीकृति/तैयार करने हेतु Architect, Civil Engineer and Draft Man का निबंधन कराया जाना है। निबंधन हेतु URL **103.13.97.2** है।

अतः इच्छुक एंव योग्य Architect, Civil Engineer and Draft Man अपना निबंधन दिनांक 09/11/2022 तक कर सकते है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लातेहार।

PR 280951 Rural Development(22-23)D

कार्यालय नगर परिषद गढ़वा

आवश्यक सूचना

सभी माँस/मछली विक्रेताओं (बुचड़ों) को सूचित किया जाता है, कि छठ महापर्व के शुभ अवसर पर दिनांक 29.10.2022 से 31.10.2022 तक पशु, पक्षी वध निशेध है।

अतः माँस/मछली विक्रेतागण दिनांक 29.10.2022 से 31.10.2022 तक अपनी–अपनी दुकाने बन्द रखेंगें, उस दिन जो भी माँस/मछली आदि का वध करते पायें जायेंगे, उनके विरुद्ध झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद गढ़वा

PR 281030 Urban Development(22-23).D

न्यूज गैलरी

जीती बाजी हुई ड्रॉ, कोनेरु हम्पी की बढ़त बरकरार

मोंटी कार्लो/मोनोको (एजेंसी)। फीडे महिला कैंडिडेट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे काले मोहरो से दूसरी बाजी ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से बढ़त को बनाए रखा है। अब हम्पी को सेमीफाइनल पहुंचने के लिए बचे हुए दो मुकाबले में एक अंक की जरूरत है। काले मोहरो से खेल रही कोनेरु हम्पी नें पेट्रोफ डिफेंस में 18 चालों में ही काफी बढ़त बना ली थी और जब ऐसा लग रहा था की जीत उनके हाथ में उनके घोड़े की एक गलत चाल नें एना को वापसी का मौका दे दिया और उन्होने हम्पी के राजा को लगातार शह देते हुए अंक बांटने पर विवश कर दिया। अब एक दिन के विश्राम के बाद हम्पी सफेद मोहरो से मुकाबला खेलेंगी। वहीं, दूसरे क्वाटर दूसरे क्वाटर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेलते हुए हम्पी की तरह 1.5-0.5 से बढ़त कायम रखी है।

बारिश की भेंट चढ़ा इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया मैच

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 का एक और ग्रुप 1, सुपर 12 मैच बारिश की भेंट चढ़ गया और मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार को हुए ग्रुप 1 के दोनों मुकाबले बारिश में धुल गए। इससे पहले बारिश के कारण टॉस में देरी हुई थी। मैच रद्द होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने एक-एक अंक अपने नाम किया। इससे पहले मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच चल रहे टी-20 विश्व कप 2022 के ग्रुप 1, सुपर 12 मैच को शुक्रवार को एक भी गेंद फेंके बिना आधिकारिक रूप से रद्द दिया गया था। शाम 4:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) के बाद अफगानिस्तान और आयरलैंड का मैच रद्द करने के साथ ही दोनों टीम में एक-एक अंक बांटा गया ताकि सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए विवाद में बने रहे। मेजबान और गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनके शुरूआती ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन मार्कस स्टोइनिस के श्रीलंका पर जीत शानदार प्रदर्शन के बाद टीम ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। वहीं दूसरी ओर, इंग्लैंड को आयरलैंड के खिलाफ बारिश प्रभावित मैच में डीएलएस नियम के आधार पर 5 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रो लीग मैच से शुरू होगा भारत का अभियान

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम जब शुक्रवार को यहां कलिंग स्टेडियम में एफआईएच प्रो लीग के नए सत्र के शुरूआती मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी तो इसके साथ वह अपनी विश्व कप तैयारियां भी आरंभ करना चाहेगी। न्यूजीलैंड के बाद भारतीय टीम का सामना अगले मैच में रविवार को स्पेन से होगा। फिर वह रिटर्न मुकाबले में चार नवंबर को न्यूजीलैंड से और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। भारतीय मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि प्रो लीग में चार मैचों की तैयारियों के लिये पिछले दो हफ्ते काफी व्यस्त रहे और फिर हमें अगले महीने एडीलेड में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच भी खेलने हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी मैच विश्व कप के लिये हमारी तैयारियों का हिस्सा हैं। हमारा लक्ष्य निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलना है लेकिन हम अपने आक्रमण में बेहतर होना चाहते हैं। हम नयी चीजें आजमाना चाहते हैं। हम इन मैचों के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान की शर्मनाक हार पर कैमरे में कैद हुआ बाबर आजम का रिएक्शन

पर्थ (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में गुरुवार शाम जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान पर एक रन से जीत दर्ज कर बड़ा उलटफेर किया। जिम्बाब्वे की इस जीत के साथ पाकिस्तान लगभग-लगभग इस वर्ल्ड कप से बाहर हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतीर जिम्बाब्वे की टीम ने पाकिस्तान के सामने 131 रनों का आसान लक्ष्य रखा था, मगर कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की जोड़ी के एक बार फिर फेल होने के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज इस लक्ष्य को हासिल करने से चूक गए। पाकिस्तान की इस हार के बाद कप्तान बाबर का जो रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ वो देखने लायक है। आखिरी गेंद पर

पाकिस्तान को जीत के लिए 3 रनों की दरकार थी, ब्रैड इवांस की फुल लेंथ गेंद पर जोरदार प्रहार कर शाहीन अफरीदी ने लॉन्ग ऑन की दिशा में शॉट खेला और दो रन के लिए दौड़ लगायी। अगर पाकिस्तान वहां दो रन पूरे कर लेता तो मैच सुपर ओवर तक जा सकता था और उम्मीद थी कि वहां से पाकिस्तान इस मैच को जीत सकता था। मगर आखिरी गेंद पर मैदान पर चुस्त खड़े जिम्बाब्वे के फील्डरों ने उन्हें यह मौका नहीं दिया।

फील्डर ने सीधा थ्रो विकेटकीपर चकाब्वा की ओर फेंका। चकाब्वा के हाथ से जरूर गेंद छिटक गयी थी, मगर अंत में उन्होंने शाहीन को रन आउट कर टीम को जीत दिलाई। इस रन आउट के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम स्तब्ध दिखे। डगआउट में बाबर आजम दोनों हाथ अपने मुंह पर रखे दिखाई दिए और यह दृश्य कैमरे में भी कैद हुआ। पाकिस्तान की यह टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में लगातार दूसरी हार है। जिम्बाब्वे से पहले भारत ने भी उन्हें धूल चटाई थी। अब पाकिस्तान को अगर सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो उन्हें सुपर-12 के अन्य तीन मैच जीतने के साथ अन्य टीमों की हार पर निर्भर रहना होगा। इस हार के बाद बाबर आजम ने कहा 'बहुत निराशाजनक प्रदर्शन, हम बल्लेबाजी अच्छी नहीं की। हमारे पास अच्छे बल्लेबाज हैं लेकिन दोनों सलामी बल्लेबाज पावरप्ले में आउट हो गए।

खुशी से पागल हुई जिम्बाब्वे की टीम, मैदान पर ही कूदने लगे खिलाड़ी

पर्थ (एजेंसी)। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर एक भी टी-20 इंटरनेशनल न जीतने का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। टी-20 वर्ल्ड कप में बीती रात उसे जिम्बाब्वे ने करारी शिकस्त दी। अपने खराब दौर से गुजर रही जिम्बाब्वे टीम के लिए ये जीत ऐतिहासिक है। ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ है, जब इस अफ्रीकी टीम ने टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान को हराया हो। जिम्बाब्वे ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड जैसे टेस्ट प्लेइंग नेशन को पटखनी दी थी। अब इस बड़े उलटफेर के बाद पूरे जिम्बाब्वे में जश्न का माहौल है। खुद खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर नाच-गाना किया। सुपर-12 के बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत-हार का फैसला आखिरी गेंद पर हुआ। जिम्बाब्वे की टीम शॉन विलियम्स के 31 रन से आठ विकेट पर 130 रन ही बना सकी। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने आठ विकेट पर 129 रन बनाए। इस हार के बाद पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने की राह भी मुश्किल हो गई है। भारत के खिलाफ हार में मोहम्मद नवाज ने आखिरी ओवर डाला था। इस बार भी वह 18 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद आखिरी ओवर में दो बॉल बाकी रहते आउट हो गए। पाक टीम की यह दो मैचों में दूसरी हार है। ऐसे में उसके लिए सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान को अभी नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से खेलना है। पाकिस्तान को इन तीनों मैचों में भी जीत मिलती है तो उसके 6 पॉइंट ही होंगे। दो मैचों के बाद भारत को 4 और दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के तीन-तीन पॉइंट हैं। दक्षिण अफ्रीका को अभी नीदरलैंड्स, पाकिस्तान और भारत से खेलना है। पाकिस्तान को अपने तीनों मैच जीतने के साथ ही उम्मीद करना होगा कि दक्षिण अफ्रीका दो मैच हार जाए। अगर ऐसा होता है, तभी पाकिस्तान के सेमीफाइनल में जाने की उम्मीद रहेगी। पाकिस्तान चाहेगा कि बांग्लादेश भी एक से ज्यादा मैच नहीं जीते।

भारत-पाक मैच पर बोले मिशेल मार्श

इससे आगे अब हमें विश्व कप रुकवा देना चाहिए

मेलबर्न (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भारत और पाकिस्तान का मैच किसी को भी भुलाए नहीं भूल रहा है। पाकिस्तान से भिड़ते हुए विराट कोहली का यह क्लासिक चेज इतना रोमांचक था कि सभी देखकर स्तब्ध रह गये। कोहली की 51 गेंदों में 82 रनों की नाबाद पारी की बदौलत भारत ने आखिरी गेंद पर यह मैच जीत लिया। एमसीजी क्रिकेट ग्राउंड में भारत-पाक मैच की गूंज ऐसी थी कि ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श भी खुद को नहीं रोक पाये। मार्श ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि क्रिकेट की दुनिया में रविवार को खेले गये भारत-पाक मैच से बेहतर और कोई मुकाबला नहीं हो सकता। उन्होंने यह तक कहा दिया कि इससे आगे विश्व कप रोक देना चाहिए। मार्श ने कहा कि मुझे वास्तव में लगता है कि हमें विश्व कप को वहीं रोक देना चाहिए। अगर यह टूर्नामेंट इससे बेहतर होता है, तो हम एक अद्भुत तीन सप्ताह देखने के लिए तैयार हैं। भारत बनाम पाकिस्तान हमेशा देखने के लिए एक अविश्वसनीय खेल है। मैं यह सोच भी नहीं सकता कि इस मैच में जो भीड़ थी उसका हिस्सा बनना कितना रोमांचक होता। मार्श ने कोहली की भी प्रशंसा की, जिन्होंने असंभव परिस्थितियों में 160 रनों के लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने कहा कि विराट कोहली अद्भुत खिलाड़ी हैं, पिछले 12 महीनों के उनके करियर के बारे में जब आप सोचते हैं और विश्व कप में उन्होंने जो अपनी छाप छोड़ी है यह अद्भुत है। कोहली की यह अविश्वसनीय पारी थी और यह उनका अविश्वसनीय खेल था। उम्मीद करता हूं कि ऐसी कुछ और पारियां देखने को मिलेंगी।

यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज अफ्रीकी गेंदबाजों से कैसे निपटते हैं : क्लूसनर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑलराउंडर लांस क्लूसनर का मानना है कि रविवार को पर्थ में होनेवाले टी-20 विश्वकप मैच में असली मुकाबला भारतीय बल्लेबाजों और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के बीच होगा। भारत ग्रुप दो में दो जीत से शीर्ष पर है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तीन अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसका जिंबाब्वे के खिलाफ में बारिश से धुल गया था। क्लूसनर ने वर्चुअल बातचीत में कहा कि पर्थ में हम एक और तेज गेंदबाज देख सकते हैं। तबरेज शम्सी ने पिछले मैच में जिस तरह से गेंदबाजी की मैं उसे वास्तव में प्रभावित हूं। वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है। उन्होंने कहा कि ड्वेन प्रिटोरियस के चोटिल होने के कारण यह टीम के संतुलन में बदलाव से जुड़ा है। इस मैच में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाजों से कैसे निपटते हैं। क्लूसनर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वकप बारिश से प्रभावित है। यह बेमौसम की बरसात है इसलिए मैं वास्तव में थोड़ा निराश हूं। इस विश्व कप को उलटफेर के लिए भी जाना जायेगा। छोटी टीमों ने कुछ बड़ी टीमों को हराया है।

रोमांचक जीत के बाद जिम्बाब्वे के पीएम ने पाकिस्तान को किया ट्रोल

पर्थ (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार को टी-20 विश्व कप 2022 के रोमांचक मुकाबले में एक रन से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति इमर्सन दाम्बुद्जो मनांगाग्वा ने टीम को बधाई दी और मिस्टर बीन का जिक्र किया जिसके बाद जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति का यह ट्वीट देखते ही देखते वायरल हो गया जिस पर अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने यह बयान दिया है। जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति मनांगाग्वा ने ट्विटर पर पोस्ट किया, जिम्बाब्वे के लिए क्या जीत है! शेवरॉन को बधाई। अगली बार, असली मिस्टर बीन को भेजें। जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति के ट्वीट को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया। यह सब तब शुरू हुआ जब एक क्रिकेट प्रशंसक ने सोशल मीडिया का सहारा लिया और कहा कि जिम्बाब्वे 2016 के एक प्रकरण का बदला लेगा जहां हरारे में स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी 'मिस्टर बीन' (आसिफ) को एक शो में आने और परफॉर्म करने के लिए भुगतान किया था। वायरल तस्वीरों में आसिफ को सुरक्षा अधिकारियों से घिरे हुए हरारे की सड़कों पर लोगों का हाथ हिलाते देखा जा सकता है। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मनांगगवा के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि उनके देश में असली मिस्टर बीन नहीं हो सकते हैं, लेकिन क्रिकेट की भावना दिखाने में अच्छे हैं। शहबाज शरीफ ने एक ट्वीट में कहा, हमारे पास असली मिस्टर बीन नहीं हो सकता है, लेकिन हमारे पास असली क्रिकेट भावना है .. और हम पाकिस्तानियों को वापसी करने की एक अजीब आदत है। श्री अध्यक्षः बधाई।

पाकिस्तान के खिलाफ खराब गेंदबाजी पर अक्षर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैंने केवल एक गेंद खराब फेंकी

सिडनी (एजेंसी)। रविंद्र जडेजा की जगह भरना मुश्किल है लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन ने अक्षर पटेल को कहा है कि वह जरूरत पड़ने पर ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहे। भारत के चोटी के छह बल्लेबाज दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ऋषभ पंत अभी रणनीति का हिस्सा नहीं है, ऐसे में विरोधी टीम के गेंदबाजों की लय बिगाड़ने के लिए बाएं हाथ के बल्लेबाज की जरूरत पड़ती है। अक्षर को पाकिस्तान के खिलाफ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था, लेकिन यह फैसला कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि वह केवल एक रन बनाकर रन आउट हो गए थे। अक्षर ने यहां पत्रकारों से कहा कि पाकिस्तान के पास बाएं हाथ के स्पिनर नवाज और लेग स्पिनर शादाब खान हैं इसलिए बाएं हाथ के बल्लेबाज को भेजना महत्वपूर्ण था और मुझे बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि हमारे चोटी के छह बल्लेबाज दाएं हाथ से खेलते हैं और इसलिए टीम प्रबंधन ने मुझसे कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो बीच के ओवरों में मुझे ऊपर खेलने के लिए भेजा जा सकता है और मुझे इसके लिए तैयार रहना चाहिए। मुझे यह भूमिका बता दी गई है और मैंने अभ्यास मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। पाकिस्तान के खिलाफ अक्षर को केवल एक ओवर करने को मिला था जिसमें इफ्तिखार अहमद ने तीन छक्के जड़े थे। नीदरलैंड के खिलाफ हालांकि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए। अक्षर ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच के बाद कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद मैं वीडियो विश्लेषक और गेंदबाजी कोच के साथ बैठा था। असल में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब बल्लेबाज आप के खिलाफ जोखिम उठाता है। मैंने तीन छक्कों का आकलन किया जो मेरे खिलाफ लगे थे। इनमें से मैंने केवल एक गेंद खराब की थी।

कपिल देव ने बतायी भारत की कमियां

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने 2022 टी-20 विश्व कप में अभी तक दो मैचों में जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारत ने पहले मैच में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराया तो फिर नीदरलैंड के खिलाफ 56 रनों से जीत दर्ज की। अब रोहित एंड कंपनी के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का आसान रास्ता हो गया है, लेकिन जैसे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि भारत सेमीफाइनल में हार जायेगा तो इस बात को गलत साबित करने के लिए रोहित को उन कमियों को दूर करना होगा जो अभी तक सामने आयी हैं। वहीं, 1983 वनडे विश्व कप दिलानेवाले पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने नीदरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान भारत की उन बड़ी कमियों को उजागर किया जिन्हें सेमीफाइनल मुकाबले से पहले दूर करना होगा।

एक पाकिस्तानी से हारा पूरा पाकिस्तान खिलाड़ी ने 'अपने ही देश' की बजायी बैंड

पर्थ (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने गुरुवार को यहां पूर्व चैंपियन पाकिस्तान पर टी-20 विश्व कप में एक रन से उलटफेर भरी जीत में अहम भूमिका निभाई और इसमें ऑस्ट्रेलियाई महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग के प्रेरणादायी शब्दों का भी काफी हाथ रहा। रजा ने चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट झटके, जिससे उन्होंने बड़े उलटफेर में अहम भूमिका निभाई और इससे उन्हें तीसरा मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो एक पाकिस्तानी की वजह से पूरा पाकिस्तान हार गया। 36 साल के सिकंदर रजा का जन्म पाकिस्तान के सियालकोट में हुआ। रजा 2002 से अपने माता-पिता के साथ जिम्बाब्वे में रह रहे हैं। उन्होंने 2007 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। टॉप ऑर्डर के बैट्समैन रजा 2010-11 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद फुल टाइम क्रिकेट में लौटे और 41 की औसत से 625 रन बनाए। 63 टी-20 इंटरनेशनल में रजा के नाम छह अर्धशतक के साथ 1185 रन दर्ज है। गेंदबाजी में वह 36 विकेट चटका चुके हैं। 123 वनडे खेल चुके सिकंदर के नाम 3656 वनडे रन है। 6 शतक और 20 अर्धशतक के साथ 70 विकेट भी झटक चुके हैं।

रिकी पोंटिंग ने दिया था जीत का मंत्र : सिकंदर रजा ने मैच के बाद कहा कि आज सुबह रिकी पोंटिंग ने मुझे एक छोटी सी क्लिप भेजी थी। मैं उत्साहित था, मैं नर्वस भी था, मैं आज के लिए काफी रोमांचित भी था। प्रेरणा तो थी, लेकिन मुझे थोड़ा अच्छा करने की जरूरत थी। मुझे लगता है कि उस क्लिप ने बेहतरीन काम किया इसलिए रिकी को भी धन्यवाद।

आखिरी गेंद पर हुआ मैच का फैसला : सुपर-12 के बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत-हार का फैसला आखिरी गेंद पर हुआ। जिम्बाब्वे की टीम शॉन विलियम्स के 31 रन से आठ विकेट पर 130 रन ही बना सकी। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने आठ विकेट पर 129 रन बनाए। इस हार के बाद पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने की राह भी मुश्किल हो गई है। भारत के खिलाफ हार में मोहम्मद नवाज ने आखिरी ओवर डाला था। इस बार भी वह 18 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद आखिरी ओवर में दो बॉल बाकी रहते आउट हो गए।

बुमराह नहीं हैं तो क्या हुआ, भुवनेश्वर बोले- बहुत बोल सकते हैं मीडिया और कमेंटेटर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने बड़ा बयान दिया है। जबसप्रीत बुमराह चोटिल होकर टी-20 विश्व कप से बाहर हो गए थे तो सोशल मीडिया पर कहा जाने लगा कि भारतीय टीम गेंदबाजी में कमजोर पड़ गई। यहां तक कि डेथ ओवरों में भुवनेश्वर को गेंद सौंपने की बात भी कई दिग्गजों ने कही, लेकिन इस गेंदबाज ने इशारों में ही कर दिया कि अगर बुमराह टीम में नहीं हैं तो कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह की गैर-मौजूदगी निस्संदेह एक बड़ी क्षति है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि हमारे गेंदबाज इस प्रमुख गेंदबाज की गैर मौजूदगी की भरपाई के लिए अपनी व्यक्तिगत योजनाओं से भटकेगी। बुमराह को पीठ की चोट के कारण टी-20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था, भुवनेश्वर को उसके बाद एशिया कप और द्विपक्षीय सीरीज के दौरान कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था, क्योंकि डेथ ओवरों में उनका प्रदर्शन सवालों के घेरे में था। हालांकि, टी-20 विश्व कप में भुवनेश्वर अच्छी लय में रहे हैं और यह उनकी तेज स्विंग गेंदबाजी का पहला स्पेल था, जिसने पाकिस्तान पर दबाव बनाया, जिससे युवा अर्शदीप सिंह को मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम के विकेट लेने में मदद मिली। नीदरलैंड के खिलाफ एक और अच्छे मैच के बाद संवाददाताओं ने भुवनेश्वर से पूछा कि क्या बुमराह की अनुपस्थिति की भरपाई के लिए गेंदबाजी इकाई ने कुछ अतिरिक्त किया? भुवनेश्वर ने इसके जवाब में कहा, जिस तरह का गेंदबाज बुमराह है, निश्चित रूप से यह टीम के लिए एक बड़ी क्षति है। ऐसा नहीं है कि बुमराह की गैर मौजूदगी में हमें कुछ अतिरिक्त करना होगा। अगर बुमराह आसपास होते तो भी हम वे अतिरिक्त चीजें नहीं कर सकते थे।

एक बार चीजें खराब होने पर सब खत्म नहीं हो जाता

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी एशिया कप की डेथ बॉलिंग की आलोचना ने उनके पिछले एक दशक से भारत के लिए अच्छे प्रदर्शन को आहत किया है, भुवनेश्वर ने जवाब दिया, इतने सालों में अगर बस एक बार इस टूर्नामेंट में चीजें खराब हो गई, तो इसका मतलब ये नहीं कि सब खत्म हो गया। मीडिया और कमेंटेटर बहुत कुछ बोल सकते हैं (डेथ बॉलिंग के बारे में), लेकिन एक टीम के रूप में हम जानते थे कि हमारे पास उतार-चढ़ाव का हिस्सा होगा। टी-20 एक ऐसा प्रारूप है जो गेंदबाजों के लिए और यहां तक कि बल्लेबाजों के लिए भी मुश्किल हो सकता है अगर ट्रैक मुश्किल है, लेकिन चूंकि एशिया कप एक बड़ा टूर्नामेंट है, इसलिए लोग आपका उतना अधिक आकलन करते हैं। भुवनेश्वर ने आगे कहा कि मैं बड़े आयोजनों के दौरान सोशल मीडिया से दूर रहता हूं। विश्व कप के दौरान, मैं खुद को सोशल मीडिया से पूरी तरह से दूर रखता हूं और मुझे नहीं पता कि सब कुछ किस बारे में लिखा गया है। क्योंकि यह सोशल मीडिया है जिससे आप इन सभी चीजों को जानते हैं। इसके अलावा भुवनेश्वर ने पाकिस्तान के साथ मैच और युवा गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बारे में बात करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया में इतनी स्विंग की कभी उम्मीद नहीं की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी गेंदें इतनी स्विंग करेंगी। चाहे मैं या अर्शदीप जिन्होंने दो विकेट लिए हों, मैंने और अर्शदीप ने एक-दूसरे की तारीफ की, तो आप कह सकते हैं कि मैं खुश था।